@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
मंगलवार, 17 नवंम्बर 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 20 अंक 9 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

संक्षिप्त समाचार

कुलगाम हमला:

मुठभेड़ में लतीफ भट समेत लश्कर-ए-तैयबा के दो आतंकी ढेर



एजेंसी

नई दिल्ली । जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बलों के साथ हुई मुठभेड़ में लश्कर-ए-तैयबा के दो आतंकवादी मारे गए। दोनों आतंकी कुलगाम हमले के पीछे थे। सुरक्षा बलों के संयुक्त अभियान में मारे गए दोनों आतंकवादियों में कमांडर लतीफ अहमद भट भी शामिल था। यह मुठभेड़ उस समय शुरू हुई जब 11 नवंबर को कुलगाम में हुए हमले के जिम्मेदार आतंकवादियों को खोजने के लिए एक 'घेराबंदी और तलाशी अभियान' चलाया जा रहा था। लतीफ भट का मारा जाना लश्कर-ए-तैयबा के लिए एक बड़ा झटका है क्योंकि वह कश्मीर घाटी में उनका आखिरी सक्रिय स्थानीय कमांडर था। उस पर 15 लाख रुपये का इनाम था। पुख्ता खुफिया जानकारी मिलने पर जम्मू-कश्मीर पुलिस और राष्ट्रीय राइफल्स ने आतंकवादियों को मार गिराने के लिए एक घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया। आतंकवादियों द्वारा सुरक्षा बलों पर गोलीबारी करने के बाद दोनों पक्षों के बीच भीषण मुठभेड़ शुरू हो गई।

महाराष्ट्र के चंद्रपुर में डेढ़ घंटे के भीतर दो बार कांपी धरती

एजेंसी

चंद्रपुर। महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले में सोमवार शाम डेढ़ घंटे के अंदर दो बार भूकंप के झटके महसूस किए गए। इससे लोगों में कुछ देर के लिए दहशत फैल गई और वे घरों से निकल आए, हालांकि दोनों ही झटकों में किसी तरह के जानमाल के नुकसान की खबर नहीं है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने सोमवार को 'एक्स' पर पोस्ट करके बताया, 'महाराष्ट्र के चंद्रपुर में सोमवार शाम 5 बजकर 30 मिनट 39 सेकंड पर भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 2.8 मापी गई। इसका केंद्र नागपुर से करीब 150 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिण-पूर्व में, अक्षांश 19.834 और देशांतर 79.443 पर था, जबकि इसकी गहराई जमीन से 10 किलोमीटर नीचे थी।' इससे पहले शाम को पहला झटका ज्यादा तेज था। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, 'महाराष्ट्र के चंद्रपुर में सोमवार को शाम 4 बजकर 14 मिनट 18 सेकंड पर भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.2 मापी गई। इसका केंद्र नागपुर से करीब 142 किलोमीटर दक्षिण में, अक्षांश 19.874 और देशांतर 79.235 पर था।

दिल्ली की हवा में जहर बरकरार

प्रदूषण के लिए पराली और बायोमास जलना सबसे बड़ा कारण, वाहनों की हिस्सेदारी 7.5फीसदी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली की वायु गुणवत्ता सोमवार को 'खराब' श्रेणी में दर्ज की गई, हालांकि आने वाले दिनों में इसमें मामूली सुधार का अनुमान है। दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 275 रहा, जो पिछले दिन के 290 से मामूली सुधार है।

मामूली गिरावट हुई दर्ज

दिल्ली के लिए वायु गुणवत्ता पूर्व चेतावनी प्रणाली ने भी अगले दो दिनों में PM2.5 और PM10 के स्तर में मामूली गिरावट का पूर्वानुमान लगाया है। राष्ट्रीय राजधानी में PM2.5 प्रमुख प्रदूषक था।

पराली प्रदूषण की बड़ी वजह- वायु गुणवत्ता पूर्व चेतावनी प्रणाली के अनुसार, पराली जलाने और घरेलू ठोस बायोफिल्ड (जैसे लकड़ी और उपले) के उपयोग सहित बायोमास जलना, सोमवार को दिल्ली के PM2.5 प्रदूषण का सबसे बड़ा हिस्सा (30.9 प्रतिशत) था। मिश्रित दहन ने 27 प्रतिशत, उसके बाद सेकेंडरी ऑर्गेनिक एरोसोल ने 19.6 प्रतिशत और सेकेंडरी इनऑर्गेनिक एरोसोल ने 8.8 प्रतिशत योगदान दिया।



कहां कितना डेटा हुआ रिकॉर्ड?

सोमवार को डेटा रिकॉर्ड करने वाले 59 निगरानी स्टेशनों में से, एक 'गंभीर' श्रेणी में, 18 'बहुत खराब' श्रेणी में, 38 'खराब' श्रेणी में और दो 'मध्यम' श्रेणी में थे। सीपीसीबी के अनुसार, शून्य से 50 के बीच एक्यूआई को 'अच्छा', 51 और 100 को 'संतोषजनक', 101 और 200 को 'मध्यम', 201 और 300 को 'खराब', 301 और 400 को 'बहुत खराब', और 401 और 500 को 'गंभीर' श्रेणी में वर्गीकृत किया जाता है।

वाहनों का योगदान 7.5 फीसदी

वाहनों का प्रदूषण में 7.5 प्रतिशत योगदान रहा, जबकि पटाखों ने 5.8 प्रतिशत योगदान दिया। खनिज धूल और राख और कोयला दहन का योगदान क्रमशः 0.3 प्रतिशत और 0.2 प्रतिशत रहा।

कहां पराली जलाने की कितनी घटनाएं?

पराली जलाने का सिलसिला दिल्ली के प्रदूषण में योगदान देना जारी रखा, शनिवार को उपग्रह डेटा ने छह राज्यों में 718 फसल-अवशेष जलाने की घटनाओं का पता लगाया। इनमें से 379 घटनाएं मध्य प्रदेश में, 137 पंजाब में, 123 उत्तर प्रदेश में, 64 राजस्थान में, 12 हरियाणा में और तीन उत्तराखंड में दर्ज की गईं। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान की कंसोर्टियम फॉर रिसर्च ऑन एग्रोइकोसिस्टम मॉनिटरिंग एंड मॉडलिंग फ्रॉम स्पेस लेबोरेटरी के एक बुलेटिन के अनुसार, 15 सितंबर से 13 नवंबर के बीच छह राज्यों में कुल 12,443 खेतों में आग लगने की घटनाएं दर्ज की गई हैं।

चुनाव आयोग के खिलाफ 'इंडिया ब्लॉक' ने सुप्रीम कोर्ट में दिया हलफनामा, पूछे 48 सवाल

एजेंसी

नई दिल्ली । इंडिया ब्लॉक के नेताओं की तरफ से चुनाव आयोग के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल किया गया। इंडिया ब्लॉक के नेताओं ने सुप्रीम कोर्ट से मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार और दोनों आयुक्तों और आयोग के आईटी महानिदेशक से व्यक्तिगत रूप से पूछताछ करने की इजाजत मांगी है। अपने हलफनामे में विपक्षी गठबंधन ने आयोग से पूछने के लिए वोट चोरी और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण से जुड़े 48 बुनियादी सवाल पूछे हैं। हलफनामे में आरोप लगाया है कि निर्वाचन आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में जो हलफनामा दाखिल किया है उसमें 'वोट चोरी' और मतदाता सूची पुनरीक्षण से जुड़े किसी भी मुख्य सवाल का जवाब नहीं दिया गया है। विपक्षी नेताओं ने सुप्रीम कोर्ट में 48 सवालों की एक सूची सौंपी है, जिसका जवाब निर्वाचन आयुक्तों से व्यक्तिगत रूप से मांगा गया है। विपक्ष का कहना है कि विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया में भारी खामियां रही हैं। इनकी वजह से बड़े पैमाने पर मतदाताओं



के नाम काटे गए। उससे 'वोट चोरी' का रास्ता साफ हुआ। विपक्षी नेताओं की सूची में यह पूछा गया है कि देशव्यापी एसआईआर कराने, फॉर्म 6 में बदलाव करने और ईआरओएनईटी और ईसीआईएनईटी का केंद्रीकरण करने का फैसला किसने किया? इसके अलावा यह भी पूछा गया है कि कितने फैसलों पर अन्य दो चुनाव आयुक्त मुख्य चुनाव आयुक्त से असहमत थे।

दिल्ली में 12 नकली डॉक्टर गिरफ्तार

यूनानी दवाओं के नाम पर ठगी का खेल, पीतमपुरा में पकड़ा गया फर्जी कॉल सेंटर

एजेंसी

नई दिल्ली। यूनानी दवाओं के नाम पर लोगों को ठगने वाले एक संगठित गिरोह का दिल्ली पुलिस की आईएफएसओ यूनिट ने पर्दाफाश किया है। गिरोह पीतमपुरा के शिवाजी मार्केट में अवैध कॉल सेंटर चलाकर लोगों को फोन करता था।

कॉल सेंटर में काम करने वाले कर्मचारी खुद को डॉक्टर बताकर ग्राहकों को दवाएं खरीदने के लिए प्रेरित करते थे। इसके लिए एक हेल्थकेयर कंपनी और उसके वितरक का गोपनीय ग्राहक डाटा बिना अनुमति हासिल किया गया था। पुलिस ने छापा मारकर मौके से 12 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से 40 मोबाइल फोन, तीन लैपटॉप और छह फर्जी मुहरें बरामद हुई हैं।



नेचुरल यूनानी हेल्थकेयर के नाम से चल रहा था कॉल सेंटर

पुलिस के मुताबिक, आरोपी एमडीएल नेचुरल यूनानी हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड और नेचुरल यूनानी हेल्थकेयर के नाम का इस्तेमाल कर अवैध कॉल सेंटर संचालित कर रहे थे। गिरोह के सदस्य चोरी किए गए ग्राहक डाटा के आधार पर लोगों को फोन करते थे। इस दौरान वे खुद को डॉक्टर बताकर ग्राहकों को दवाओं के फायदे बताते और उन्हें खरीदने के लिए तैयार करते थे। इतना ही नहीं, आरोपी फर्जी ऑर्डर तैयार करने और कॉल सेंटर से जुड़ी अन्य गतिविधियों में भी शामिल थे। छापेमारी के दौरान पुलिस को नकली दवाएं और कारोबार से जुड़े दस्तावेज भी मिले हैं।

ऐसे बंटा था गिरोह के सदस्यों का काम

जांच में सामने आया कि गिरोह व्यवस्थित तरीके से काम कर रहा था। पंकज नाम का आरोपी कॉल सेंटर का टीम लीडर था और रोजाना के कामकाज को संभालता था। मुनीर, अमित तिवारी, विवेक, शिवम मंडल, समीर, अंशु, साहिद और इशांत ग्राहकों को फोन करने और फर्जी ऑर्डर तैयार करने का काम करते थे। वहीं, मोंटी के पास नकदी और दवाओं के स्टॉक की जिम्मेदारी थी। अंकित कॉलिंग एजेंटों की निगरानी और उन्हें प्रशिक्षण देता था, जबकि सूरज खातों और वित्तीय लेनदेन का हिसाब रखता था।

अमित शाह ने पुणे में अजित पवार की प्रतिमा का किया अनावरण

■ समारोह के दौरान पुणे जिला परिषद के मुख्य प्रवेश द्वार का नाम भी अजित पवार के नाम पर रखा गया।



एजेंसी

पुणे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अपने दो दिवसीय पुणे दौरे के दूसरे दिन सोमवार को स्व. अजित पवार की प्रतिमा का अनावरण किया। पुणे जिला परिषद की पहली मंजिल पर आयोजित कार्यक्रम में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे सहित राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के कई वरिष्ठ नेता और मंत्री शामिल हुए।

समारोह के दौरान पुणे जिला परिषद के मुख्य प्रवेश द्वार का नाम भी अजित पवार के नाम पर रखा गया। इस कार्यक्रम में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार को आना था, लेकिन वे समारोह में नहीं आए पाए। उनकी जगह सांसद सुप्रिया सुले ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया। अजित पवार को श्रद्धांजलि देने के लिए नेहरू मेमोरियल हॉल में एक संक्षिप्त सभा हुई। इस दौरान उपस्थित नेताओं और जनप्रतिनिधियों ने दिवंगत नेता को याद किया। यह कार्यक्रम को केवल एक श्रद्धांजलि समारोह के रूप में ही नहीं, बल्कि महाराष्ट्र की राजनीति के लिहाज से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस कार्यक्रम को लेकर पुणे जिला परिषद परिसर में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे।

'योगी की पाती' केवल एक लेख या सरकारी संदेश नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग, विशेषकर अन्तिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के साथ आत्मीय संवाद का माध्यमः मुख्यमंत्री

कौमी पत्रिका

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि 'योगी की पाती' केवल एक लेख अथवा सरकारी संदेश नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग, विशेषकर अन्तिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के साथ आत्मीय संवाद का माध्यम है। इसके माध्यम से युवाओं, विद्यार्थियों, महिलाओं, अन्नदाता किसानों, श्रमिकों और समाज के प्रत्येक महत्वपूर्ण तबके से जुड़े विषयों को आमजन तक पहुंचाने का प्रयास किया गया है। शासन की योजनाओं और जनकल्याणकारी कार्यों की जानकारी प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचना आवश्यक है, ताकि कोई भी व्यक्ति जानकारी के अभाव में अपने अधिकारों और सुविधाओं से वंचित न रहे। मुख्यमंत्री जी ने आज यहां अपने सरकारी आवास पर 'योगी की पाती' काफी टेबल बुक के विमोचन और इस संवाद यात्रा पर आधारित एक प्रदर्शनी के वर्चुअल उद्घाटन अवसर पर अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मीडिया संस्थानों ने 'योगी की पाती' के विगत 50 संस्करणों को अपने समाचार पत्रों और विजुअल मीडिया में स्थान देकर इस आत्मीय संवाद को आमजन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। सार्वजनिक जीवन में 28-29 वर्षों के अनुभव के दौरान उन्होंने महसूस किया कि समाज में ऐसे अनेक विषय और वर्ग हैं, जिनके बारे में आम नागरिकों को पर्याप्त जानकारी नहीं है। शासन की व्यस्तताओं के बीच भी यह विचार रहा कि उन अनछुए पहलुओं को सामान्य नागरिकों के सामने कैसे लाया जाए और समाज के उन लोगों से संवाद कैसे स्थापित किया जाए। इसी उद्देश्य से 'योगी की पाती' के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों और उनके जीवन से जड़े वास्तविक विषयों को स्थान देने का प्रयास किया गया है। मुख्यमंत्री जी ने वनटांगिया समुदाय का उदाहरण देते हुए कहा कि बहुत से लोग इस समुदाय के बारे में पहले जानते भी नहीं थे, जबकि यह समाज लम्बे समय से हमारे बीच रह रहा था। लगभग 120 वर्ष पहले ब्रिटिश शासन के दौरान रेलवे लाइन बिछाने के लिए बड़े पैमाने पर वनों की कटाई की गई थी। इसके बाद वन लगाने और उनकी रक्षा करने के उद्देश्य से कुछ परिवारों को जंगलों में बसाया गया। उन्हें आश्वासन दिया गया था कि वे वन लगाएंगे और उनकी देखभाल करेंगे,



जिसके बदले उन्हें आजीविका के लिए कुछ भूमि उपलब्ध कराई जाएगी। समय के साथ पड़ बड़े होते गए, लेकिन उन परिवारों की उपेक्षा होती गई। स्वतंत्रता के बाद भी इन बस्तियों में रहने वाले लोगों को सामान्य नागरिकों जैसी सुविधाएं और अधिकार प्राप्त नहीं हुए। उनके पास पक्के मकान, बिजली, पानी और राशन कार्ड तक की व्यवस्था नहीं थी। वे अपने ग्राम प्रधान का चुनाव करने और सामूहिक रूप से सामान्य सामाजिक जीवन जीने के अधिकार से भी वंचित थे। मुख्यमंत्री जी ने वर्ष 2005-06 की एक घटना का उल्लेख करते हुए बताया कि जनपद महराजगंज में यात्रा के दौरान उन्होंने जंगलों के बीच रहने वाले वनटांगिया परिवारों का एक जुलूस देखा। जिज्ञासावश उन्होंने वाहन रुकवाकर लोगों से बातचीत की। उन लोगों ने बताया कि वे अपनी समस्याओं को लेकर जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन करने जा रहे हैं। उनके पास संसाधनों का अभाव था, वे फटे-पुराने कपड़ों में और नंगे पैर चल रहे थे। मुख्यमंत्री जी ने बताया कि बातचीत में यह भी सामने आया कि कुछ बाहरी तत्व उन्हें उनके वास्तविक मुद्दों से भटकाने का प्रयास कर रहे थे। उन्होंने तत्काल महराजगंज में अपने कार्यकर्ताओं से उन लोगों के रात्रि में भोजन और ठहरने की व्यवस्था कराने तथा जिलाधिकारी को देने के लिए उनका ज्ञापन तैयार कराने को कहा। इसके बाद उन परिवारों से विस्तार से संवाद किया और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए संघर्ष करने का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वनटांगिया परिवारों ने उन्हें बताया था कि उनकी बस्तियां जनपद महराजगंज के 18 गांवों, गोरखपुर के 05 गांवों तथा सिद्धार्थनगर, बलरामपुर, गोंडा, लखीमपुर खीरी और पीलीभीत सहित अन्य जनपदों में भी हैं। इन परिवारों की स्थिति और उनके अधिकारों का विषय लेकर उन्होंने तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह से मुलाकात की और वन अधिनियम में संशोधन की आवश्यकता बताई। उस समय यह प्रश्न उठा कि इन परिवारों के लम्बे समय से वहां रहने का प्रमाण क्या है। उन्होंने प्राकृतिक वन और कृत्रिम रूप से लगाए गए वन के बीच अन्तर समझाते हुए कहा कि पड़ों की आयु और उनके लगाए जाने की पद्धति से यह पता लगाया जा सकता है कि वे कितने पुराने हैं।

शेष पृष्ठ 3 पर

किरेन रिजिजू का राहुल गांधी पर हमला, बोले-

विदेश में भारत को शर्मिंदा करने की कर रहे कोशिश

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सोमवार को सोशल मीडिया पर लोकसभा में विपक्ष के नेता (एलओपी) राहुल गांधी पर तीखा राजनीतिक हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता ने कई मौकों पर 'खुद का मजाक उड़ाया' है और 'देश को शर्मिंदा किया है'। उनकी यह टिप्पणी सप्ताहांत में हैदराबाद में कांग्रेस द्वारा आयोजित 'भारत शिखर सम्मेलन 2026' के बाद आई है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने टिप्पणी और चर्चाओं के जरिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की छवि धूमिल करने का आरोप लगाते हुए हमला किया है। हिंदी में शुरू करते हुए केंद्रीय मंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखते हुए राहुल गांधी को सात ऐसे सुझाव दिए, जिन्हें अपनाकर कांग्रेस जनता का कुछ भरोसा जीत सकती है। ये सुझाव उन्होंने बिना मांगे दिए। रिजिजू ने राहुल गांधी से कहा कि वे भारत में अधिक समय बिताएं और बार-बार गुप्त विदेश यात्राएं न करें। उन्होंने आगे सलाह दी कि वे बड़ों का सम्मान करें और उनसे बहुमूल्य ज्ञान प्राप्त करें, जो भारतीय परंपरा है। साथ ही, उन्होंने कहा कि वे भारत विरोधी लोगों से न मिलें और उनके एजेंडे को बढ़ावा देना बंद करें।



उन्होंने गांधी परिवार के वंशज राहुल गांधी से भाजपा, आरएसएस और मोदी जी के प्रति अपनी गहरी नफरत को खत्म करने को भी कहा और जोड़ा, 'भाजपा को राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी समझें, दुश्मन नहीं।'

श्री श्री विश्वविद्यालय का आइकॉनिक टावर भारत की सांस्कृतिक विरासत और आधुनिक शिक्षा का संगम : उपराष्ट्रपति



■ उपराष्ट्रपति ने कहा कि श्री श्री विश्वविद्यालय गुरुदेव श्री श्री रविशंकर की दूरदर्शी सोच का साकार रूप है। उनकी शिक्षा संबंधी अवधारणा पारंपरिक अकादमिक ज्ञान तक सीमित नहीं है।

एजेंसी

नई दिल्ली । इंडिया ब्लॉक के नेताओं की तरफ से चुनाव आयोग के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल किया गया। इंडिया ब्लॉक के नेताओं ने सुप्रीम कोर्ट से मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार और दोनों आयुक्तों और आयोग के आईटी महानिदेशक से व्यक्तिगत रूप से पूछताछ करने की इजाजत मांगी है। अपने हलफनामे में विपक्षी गठबंधन ने आयोग से पूछने के लिए वोट चोरी और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण से जुड़े 48 बुनियादी सवाल पूछे हैं। हलफनामे में आरोप लगाया है कि निर्वाचन आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में जो हलफनामा दाखिल किया है उसमें 'वोट चोरी' और मतदाता सूची पुनरीक्षण से जुड़े किसी भी मुख्य सवाल का जवाब नहीं दिया गया है। विपक्षी नेताओं ने सुप्रीम कोर्ट में 48 सवालों की एक सूची सौंपी है, जिसका जवाब निर्वाचन आयुक्तों से व्यक्तिगत रूप से मांगा गया है। विपक्ष का कहना है कि विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया में भारी खामियां रही हैं।

संक्षिप्त डायरी

छठ के दौरान बड़ा हादसा, मही नदी में डूबने से 70 वर्षीय व्रती की मौत

एजेंसी

पटना। सारण जिले के डेरनी थाना क्षेत्र के विशम्भरपुर गांव में छठ महापर्व के दौरान मही नदी में डूबने से 70 वर्षीय रामनाथ सहनी की मौत हो गई। वह सोमवार को संध्या अर्घ्य देने नदी में उतरे थे, तभी संतुलन बिगड़ने से गहरे पानी में चले गए। बिहार के सारण जिले में लोक आस्था के महापर्व छठ के दौरान एक दर्दनाक हादसे में 70 वर्षीय व्रती की डूबने से मौत हो गई। घटना डेरनी थाना क्षेत्र के विशम्भरपुर गांव की है, जहां सोमवार को मही नदी में संध्या अर्घ्य देने के दौरान बुजुर्ग गहरे पानी में चले गए। हादसे के बाद छठ घाट पर अफरा-तफरी मच गई। जिस परिवार में छठ पर्व को लेकर उत्साह और खुशियों का माहौल था, वहां अचानक मातम छा गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, छपरा भेज दिया। मृतक की पहचान डेरनी थाना क्षेत्र के विशम्भरपुर गांव निवासी स्वर्गीय शिव प्रसाद सहनी के पुत्र रामनाथ सहनी (70) के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, रामनाथ सहनी लंबे समय से छठ व्रत करते आ रहे थे। सोमवार को भी वह पूरी श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ संध्या अर्घ्य देने के लिए मही नदी के घाट पर पहुंचे थे। बताया जा रहा है कि अर्घ्य देने के दौरान वह नदी के पानी में उतरे। इसी बीच अचानक उनका संतुलन बिगड़ गया और वह गहरे पानी में चले गए। आसपास मौजूद लोगों को जब उनके डूबने का पता चला तो घाट पर अफरा-तफरी मच गई। श्रद्धालुओं ने तत्काल उन्हें बचाने की कोशिश शुरू की। काफी प्रयास के बाद उन्हें पानी से बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। बाद में तलाश के दौरान घटनास्थल से कुछ दूरी पर उनका शव बरामद किया गया। छठ घाट पर मची चीख-पुकार, परिवार में पसरा मातम रामनाथ सहनी की मौत की खबर मिलते ही परिवार के लोगों में चीख-पुकार मच गई। छठ पर्व की खुशियां पलभर में मातम में बदल गईं। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं, घटना से गांव के लोग भी स्तब्ध हैं। घाट पर मौजूद श्रद्धालुओं के बीच भी शोक की लहर दौड़ गई। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा हादसे की सूचना मिलने पर डेरनी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में ले लिया। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, छपरा भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार, रात होने के कारण पोस्टमार्टम की प्रक्रिया सोमवार को पूरी कराई जाएगी। इस हादसे के बाद नदी घाटों पर सुरक्षा इंतजामों को लेकर एक बार फिर सवाल उठने लगे हैं। खासकर गहरे पानी वाले घाटों पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था और बुजुर्ग व्रतियों की सुरक्षा के लिए विशेष सतर्कता बरतने की जरूरत सामने आई है। छठ जैसे बड़े पर्व के दौरान घाटों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नहीं होने से इस तरह की घटनाओं का खतरा बना रहता है।

चिराग पासवान ने छठ महापर्व की शुभकामनाएं, यूपी चुनाव में एलजेपी की भूमिका को लेकर कही ये बात



एजेंसी

पटना। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर सपा और कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने सपा पर प्रदेश को फिर गुंडाराज और डर के माहौल की ओर ले जाने का आरोप लगाया। केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की जनता जानती है कि कांग्रेस और सपा के शासन में प्रदेश में किस तरह के हालात थे। सपा एक बार फिर उसी 'गुंडाराज' और डर के माहौल की ओर प्रदेश को ले जाने की कोशिश कर रही है। चिराग ने विश्वास जताया कि उत्तर प्रदेश की जनता एक बार फिर एनडीए के नेतृत्व को स्वीकार करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी पार्टी उत्तर प्रदेश में अपना विस्तार कर रही है और उन्हें उम्मीद है कि यहां भी जनता का समर्थन मिलेगा। सपा-कांग्रेस पर साधा निशाना, बोले- यूपी की जनता सब जानती है पटना में मीडिया से बातचीत के दौरान चिराग पासवान से उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन के बीच सीटों के बंटवारे को लेकर सवाल पूछा गया। इस पर उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं पता कि इंडिया गठबंधन में कौन कितनी सीटों का दावा कर रहा है या सीटों को लेकर कोई दावा भी किया जा रहा है या नहीं। उन्होंने कहा कि उन्होंने अपनी ओर से चुनाव की तैयारियां की हैं। विपक्ष पर निशाना साधते हुए चिराग ने कहा कि आज विपक्ष की स्थिति ऐसी है, जहां कांग्रेस जैसी राष्ट्रीय पार्टी पूरी तरह दब गई है। वहीं, समाजवादी पार्टी उत्तर प्रदेश को फिर उसी गुंडाराज और आतंक के दौर में ले जाने की कोशिश कर रही है, जहां महिलाओं के लिए घर से बाहर निकलना भी मुश्किल था। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा और उसके नेता पीडीए के नाम पर अलग-अलग गठबंधन के जरिए प्रदेश को पुराने दौर में वापस ले जाने का प्रयास कर रहे हैं। 'दलितों को सशक्त बनाने में किसका योगदान, यह भी याद रखें' चिराग पासवान ने दलितों और वंचित वर्गों के मुद्दे पर भी विपक्ष को घेरा। उन्होंने कहा कि कल तक दलितों को सशक्त बनाने की बात की जा रही थी, लेकिन विपक्ष को यह भी याद रखना चाहिए कि वास्तव में दलितों को मजबूत बनाने में किसका योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि उन पार्टियों को भी याद करना चाहिए, जिन्होंने दलितों और समाज के वंचित वर्गों का शोषण किया और उन्हें प्रताड़ित किया। उत्तर प्रदेश की जनता अच्छी तरह जानती है कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के शासनकाल में इन वर्गों के साथ कैसा व्यवहार किया गया। चिराग ने कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि उत्तर प्रदेश की जनता एक बार फिर एनडीए के नेतृत्व को स्वीकार करेगी। यूपी में पार्टी के विस्तार की तैयारी कर रही (रामविलास) लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के उत्तर प्रदेश में चुनाव लड़ने और संगठन के विस्तार को लेकर चिराग पासवान ने कहा कि उनकी पार्टी लगातार अपना विस्तार कर रही है। उन्होंने उम्मीद जताई कि जिस तरह अलग-अलग राज्यों में जनता ने उनकी पार्टी का समर्थन किया है, उसी तरह उत्तर प्रदेश में भी उन्हें लोगों का साथ मिलेगा। छठी मैया के आशीर्वाद से मुश्किल समय में मिली ताकतः चिराग पासवान छठ महापर्व के समापन पर केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने बिहार और देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि छठ पर्व मनाने वाले सभी लोगों को उनकी ओर से हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। उन्होंने कहा कि इस पर्व के प्रति लोगों की गहरी आस्था और श्रद्धा है। चिराग पासवान ने कहा कि व्यक्तिगत रूप से उन्हें महसूस होता है कि मुश्किल समय में छठी मैया ने उन्हें आशीर्वाद दिया है। उनके आशीर्वाद से उन्हें जीवन में बहुत कुछ हासिल हुआ है। वह पूरी श्रद्धा और भक्ति के साथ इस महापर्व को मनाते हैं।

पैतृक गांव में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने दिया उगते सूर्य को अर्घ्य, घाटों का किया दौरा

एजेंसी

पटना। बिहार में सोमवार को उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ छठ महापर्व संपन्न हो गया। मधुबनी के कमला बलान नदी स्थित परतापुर घाट पर करीब चार से पांच हजार श्रद्धालु चचरी पुल पार कर पहुंचे। सुरक्षा के लिए एसडीआरएफ, गोताखोर, पुलिस बल और मजिस्ट्रेट तैनात किए गए थे। लोक आस्था और सूर्य उपासना का चार दिवसीय महापर्व छठ सोमवार को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ संपन्न हो गया। मधुबनी से लेकर भोजपुर तक छठ घाटों पर सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। व्रतियों ने भगवान भास्कर और छठी मइया की पूजा कर परिवार की सुख-समृद्धि, आरोग्यता और खुशहाली की कामना की। इसके साथ ही 36 घंटे के निर्जला व्रत का पारण किया। मधुबनी के कमला बलान नदी स्थित परतापुर घाट पर जहां व्रती चचरी पुल के सहारे नदी पार कर पहुंचे, वहीं भोजपुर के कोइलवर में सोन नदी के तट पर हजारों श्रद्धालुओं ने अर्घ्य अर्पित किया। लोक आस्था के महापर्व छठ को



लेकर जिले में सुबह से ही भक्तिमय माहौल रहा। चारों ओर छठ गीतों की गूंज और पूजा की धूम देखने को मिली। नहाय-खाय और खरना के बाद 36 घंटे का निर्जला व्रत रखने वाली व्रतियों ने सोमवार सुबह उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर चार दिवसीय पर्व का समापन किया। कमला बलान नदी के परतापुर घाट पर अर्घ्य देने के लिए हजारों श्रद्धालु पहुंचे। यहां छठ व्रतियों को चचरी पुल के सहारे नदी पार करनी पड़ती है। इस रास्ते से गुजरने में खतरा बना रहता है। इसे देखते हुए जिला प्रशासन ने सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए थे। घाट पर एसडीआरएफ की टीम और गोताखोरों को तैनात किया गया था। इसके अलावा बड़ी संख्या में पुलिस बल और निगरानी के लिए मजिस्ट्रेट की भी नियुक्ति की गई थी, ताकि किसी भी अनहोनी से निपटा जा सके। कमला पूजा कमेटी के 51 सदस्य भी घाट पर लगातार निगरानी कर रहे थे। कमेटी के अध्यक्ष अवधेश यादव ने बताया कि करीब चार से पांच हजार श्रद्धालु चचरी पुल के रास्ते कमला नदी पार कर परतापुर घाट पहुंचते हैं। यहां सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। पुलिस और एसडीआरएफ की टीम तैनात है। श्रद्धालुओं के मनोरंजन के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं। दूर-दूर से लोग इस घाट पर छठ व्रत करने पहुंचते हैं। झंझारपुर के एसडीपीओ सुबोध कुमार सिन्हा ने बताया कि छठ पर्व शांतिपूर्ण तरीके से मनाया जा रहा है। रविवार शाम को अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया गया था, जबकि सोमवार सुबह उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया गया। उन्होंने बताया कि प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है। सभी थाना प्रभारी अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार गश्त कर रहे हैं। कमला नदी के तट पर भी पुलिस बल की तैनाती की गई है। अब तक किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली है। हालांकि, चचरी पुल से नदी पार कर हजारों लोगों के घाट पहुंचने के कारण सुरक्षा को लेकर प्रशासन की सतर्कता अहम बनी हुई है। जिले में भी चार दिवसीय छठ महापर्व सोमवार सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ श्रद्धा और उल्लास के माहौल में संपन्न हो गया। जिले के विभिन्न छठ घाटों पर अहले सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटने लगी थी। व्रतियों ने भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित कर परिवार की सुख-समृद्धि, अच्छे स्वास्थ्य और खुशहाली की कामना की। इसके बाद प्रसाद ग्रहण कर निर्जला व्रत का पारण किया। कोइलवर स्थित सोन नदी के तट पर सुबह से ही हजारों की संख्या में छठव्रती और श्रद्धालु पहुंचने लगे थे। अंधेरा छंटने के साथ ही घाटों पर चहल-पहल बढ़ गई। पारंपरिक वेशभूषा में सजी महिलाएं सिर पर पूजन सामग्री से भरे दउरा और सूप लेकर घाट पहुंचीं। जैसे ही भगवान सूर्य की पहली किरण दिखाई दी, पूरा घाट छठी मइया के जयकारों और पारंपरिक छठ गीतों से गूंज उठा। व्रतियों ने सोन नदी के पवित्र जल में खड़े होकर दूध, जल, फल और फूलों से भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया। इस दौरान महिलाओं ने पारंपरिक छठ गीत गाकर छठी मइया और भगवान भास्कर की आराधना की। घाटों पर बज रहे छठ गीतों और श्रद्धालुओं की गहरी आस्था से पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा। अर्घ्य के साथ ही चार दिनों से चल रहे महापर्व का समापन हो गया। मुख्यमंत्री की छोटी बहन भावना सिंह और चचेरी भाभी मीना देवी छठ व्रत कर रही थीं। इस दौरान मुख्यमंत्री की पत्नी कुमारी ममता चौधरी ने भी भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया। मुख्यमंत्री के घाट पर पहुंचते ही ग्रामीणों में उत्साह का माहौल बन गया। लोगों ने जयकारों के साथ उनका स्वागत किया। इस दौरान घाट पर बड़ी संख्या में ग्रामीण और श्रद्धालु मौजूद रहे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने छठ महापर्व के शांतिपूर्ण संपन्न होने पर बिहारवासियों को बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि छठ महापर्व श्रद्धा, विश्वास, आस्था और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। यह पर्व प्रकृति और भगवान सूर्य के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का संदेश देता है। लखनपुर छठ घाट पर अर्घ्य अर्पित करने के बाद मुख्यमंत्री असरगंज नगर पंचायत के जलालाबाद स्थित लाठ पोखर छठ घाट पहुंचे। यहां ग्रामीणों ने उनका स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने रणगांव मंदिर परिसर स्थित शिवगंगा छठ घाट और धोबई छठ घाट का भी दौरा किया। मुख्यमंत्री के आगमन को देखते हुए जिला प्रशासन और पुलिस की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। उनके आवागमन वाले रास्तों से लेकर सभी छठ घाटों तक पुलिस बल तैनात किया गया था।

छठ के दिन बड़ा हादसा टला, बेकाबू ट्रक ने डिवाइडर तोड़ बोलेरो को मारी टक्कर

एजेंसी

पटना। मुजफ्फरपुर के गायघाट प्रखंड स्थित बेनीबाद थाना क्षेत्र के केवटसा चौक पर सोमवार सुबह आलू से लदा पंजाब नंबर का ट्रक अनियंत्रित होकर एनएच-27 से नीचे उतर गया। ट्रक ने डिवाइडर तोड़कर सड़क किनारे खड़ी बोलेरो को टक्कर मार दी। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले में छठ महापर्व के दौरान सोमवार की सुबह एक बड़ा सड़क हादसा होते-होते टल गया। गायघाट प्रखंड के बेनीबाद थाना क्षेत्र स्थित केवटसा चौक के पास आलू से लदा पंजाब नंबर का एक ट्रक अनियंत्रित होकर एनएच-27 से नीचे उतर गया। ट्रक ने सड़क किनारे डिवाइडर तोड़ते हुए एक निजी पेंट्स दुकान के पास खड़ी बोलेरो में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर से बोलेरो क्षतिग्रस्त हो गई। हालांकि, मौके पर किसी व्यक्ति के मौजूद नहीं होने के कारण कोई हताहत नहीं हुआ। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही बेनीबाद थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त ट्रक को जब्त कर लिया। पुलिस मामले की जांच और आगे की कानूनी कार्रवाई में जुटी है। स्थानीय लोगों के अनुसार, हादसे के समय ट्रक को उसका खलासी चला रहा था। शुरूआती जानकारी में बताया जा रहा है कि चालक को नींद आने के कारण वाहन से नियंत्रण हट गया और ट्रक अनियंत्रित होकर एनएच-27 से नीचे उतर गया। इसके बाद उसने सड़क किनारे लगे डिवाइडर को तोड़ते हुए बोलेरो में टक्कर मार दी। हादसे के बाद बेनीबाद थाना पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए ट्रक को जब्त कर लिया। ट्रक में आलू समेत कुछ सामान लदा हुआ था। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। साथ ही राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के अधिकारियों को भी घटना की जानकारी दे दी गई है। कुछ देर पहले इसी रास्ते से गुजर रहे थे छठ व्रती इस हादसे में सबसे राहत की बात यह रही कि दुर्घटना से कुछ समय पहले ही बड़ी संख्या में छठ व्रती महिलाएं और श्रद्धालु पूजा सामग्री से भरे दउरा लेकर उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के लिए घाट की ओर जा रहे थे। जिस जगह ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे उतरा, वहां से कुछ देर पहले ही श्रद्धालु गुजरे थे।

उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ छठ महापर्व संपन्न, छठी मईया के जयकारों से गूंजे घाट

एजेंसी

पटना। मुजफ्फरपुर में सोमवार को उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ चार दिवसीय छठ महापर्व संपन्न हो गया। सीढ़ी घाट, आश्रम घाट, लकड़ीढही घाट, अखाड़ा घाट, चंदवारा घाट सहित शहर के विभिन्न घाटों और पोखरों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। लोक आस्था का चार दिवसीय महापर्व छठ सोमवार को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ संपन्न हो गया। इस मौके पर मुजफ्फरपुर के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के विभिन्न घाटों पर सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। व्रतियों ने उगते सूर्य को अर्घ्य देकर भगवान भास्कर और छठी मईया से परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। छठी मईया के जयकारों और पारंपरिक गीतों से पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। अर्घ्य देने के बाद व्रतियों ने प्रसाद ग्रहण कर 36 घंटे के निर्जला उपवास का पारण किया। 36 घंटे के निर्जला व्रत का हुआ समापन चार दिनों

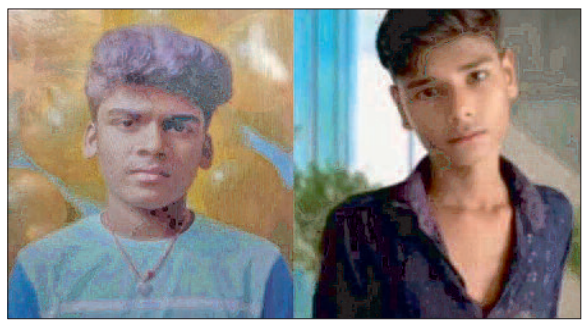


तक चले इस महापर्व में श्रद्धा, भक्ति, उल्लास और अनुशासन का अद्भुत संगम देखने को मिला। व्रतियों ने रविवार शाम अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया था। इसके बाद सोमवार तड़के घाटों पर पहुंचकर उदीयमान सूर्य को अर्घ्य दिया। इसी के साथ 36 घंटे तक चलने वाला निर्जला व्रत पूरा हुआ। व्रतियों ने भगवान भास्कर और छठी मईया से अपने परिवार की सुख-शांति, स्वास्थ्य और समृद्धि की प्रार्थना की। मुजफ्फरपुर के प्रमुख घाटों पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़ छठ पूजा को लेकर मुजफ्फरपुर जिले के प्रमुख घाटों पर विशेष रौनक रही। शहर के सीढ़ी घाट, आश्रम घाट, लकड़ीढही घाट, अखाड़ा घाट और चंदवारा घाट सहित कई स्थानों पर हजारों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। इसके अलावा ब्रह्मपुरा पोखर, तीन पोखरिया, पड़ाव पोखर, साहू पोखर मंदिर तालाब और रामदयालु कॉलेज परिसर स्थित घाटों पर भी श्रद्धालुओं ने पूरे विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। घाटों पर सुबह से ही छठी मईया के जयकारे गूंजते रहे। उगते सूर्य की पहली किरण के साथ श्रद्धालुओं ने पानी में खड़े होकर अर्घ्य दिया। इस दौरान पारंपरिक छठ गीतों की मधुर धुन ने माहौल को और भक्तिमय बना दिया। 'उठे सूर्य भगवान, अंगना में दीहीं दर्शन' जैसे गीतों के बीच व्रतियों ने सूर्य देव की आराधना की। प्रसाद ग्रहण कर एक-दूसरे को दी छठ की शुभकामनाएं पूजा संपन्न होने के बाद व्रतियों ने छठी मईया और भगवान भास्कर को अर्पित प्रसाद ग्रहण किया और निर्जला व्रत का पारण किया। इसके साथ ही श्रद्धालुओं ने एक-दूसरे को छठ महापर्व की शुभकामनाएं दीं। पूरे बिहार में चार दिनों तक चले इस पर्व के दौरान भक्ति और उल्लास का माहौल बना रहा। छठ महापर्व धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक समानता, आपसी भाईचारे और नारी शक्ति के सम्मान का भी प्रतीक है। इस पर्व में समाज के सभी वर्गों के लोग एक साथ घाटों पर पहुंचकर सूर्य उपासना करते हैं।

डूबने से दो दसवीं के छात्रों की मौत, पोखर से मिला एक का शव; दूसरे की तलाश जारी

एजेंसी

पटना। सहरसा जिले में डूबने की दो अलग-अलग घटनाओं में दसवीं कक्षा के दो छात्रों की मौत हो गई। सिमरी बख्तियारपुर के चमराही पोखर में दोस्तों के साथ नहाने गए 17 वर्षीय प्रिंस कुमार की डूबने से मौत हो गई। बिहार के सहरसा जिले में डूबने की दो अलग-अलग घटनाओं में दसवीं कक्षा के दो छात्रों की मौत हो गई। सिमरी बख्तियारपुर में दोस्तों के साथ पोखर में नहाने गए 17 वर्षीय छात्र की डूबने से जान चली गई। वहीं, सलखुआ प्रखंड में छठ घाट बनाने के दौरान कोसी नदी में डूबने से करीब 18 वर्षीय एक अन्य छात्र की मौत हो गई। पहली घटना में गोताखोरों ने छात्र का शव बाहर निकाल लिया, जबकि दूसरी घटना में डूबे छात्र का शव अब तक नहीं मिला है। नदी में उसकी तलाश जारी है। दोनों घटनाओं के बाद मृतकों के परिवारों में मातम पसरा हुआ है। दोस्तों के साथ पोखर में नहाने गया था प्रिंस, गहरे पानी में डूबा पहली घटना सिमरी



बख्तियारपुर थाना क्षेत्र की है। रायपुरा पंचायत के रसूलाबाद वार्ड संख्या-13 निवासी राजा राम साह का 17 वर्षीय बेटा प्रिंस कुमार सोमवार को अपने कुछ दोस्तों के साथ चमराही पोखर में नहाने गया था। परिजनों के मुताबिक, प्रिंस दसवीं कक्षा का छात्र था और तीन भाइयों में सबसे छोटा था। बताया जा रहा है कि पोखर में दोस्तों के साथ तैरने के दौरान वह अचानक गहरे पानी की ओर चला गया और डूबने लगा। जब तक उसके साथ मौजूद दोस्तों को घटना का पता चलता, तब तक वह गहरे पानी में लापता हो चुका था। इसके बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। गोताखोरों ने पोखर से निकाला शव, परिवार में मचा कोहराम घटना की जानकारी मिलने पर स्थानीय ग्रामीण और परिजन मौके पर पहुंचे और किशोर की तलाश शुरू की। काफी देर तक खोजबीन के बाद भी जब उसका पता नहीं चला तो सलखुआ प्रखंड से गोताखोरों को बुलाया गया। गोताखोरों ने काफी मशक्कत के बाद पोखर से प्रिंस का शव बाहर निकाला। शव देखते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई।

छठ के समापन पर 16 साल पुरानी परंपरा का निर्वहन, सामाजिक बुराइयों के प्रतीक रावण का दहन

एजेंसी

पटना। मुजफ्फरपुर के साहू पोखर घाट पर छठ महापर्व के समापन पर रावण दहन किया गया। 16 वर्षों से चली आ रही इस परंपरा के जरिए दहेज, बाल विवाह, नशाखोरी और घरेलू हिंसा जैसी सामाजिक बुराइयों के खिलाफ जागरूकता का संदेश दिया गया। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के ऐतिहासिक साहू पोखर घाट पर छठ महापर्व के समापन के अवसर पर रावण दहन किया गया। शहर के इस घाट पर रावण दहन की अनोखी परंपरा पिछले 16 वर्षों से निभाई जा रही है। इसका उद्देश्य समाज में व्याप्त बुराइयों को समाप्त करने और लोगों को जागरूक करना है। छठ महापर्व के अंतिम दिन उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के बाद रावण रूपी बुराई के प्रतीक का दहन किया गया। इस आयोजन के माध्यम से धार्मिक परंपरा निभाने के साथ ही दहेज प्रथा, बाल विवाह, नशाखोरी, घरेलू हिंसा और भ्रष्टाचार जैसी सामाजिक बुराइयों के खिलाफ संदेश दिया गया। इस वर्ष रावण को दहेज रूपी दंश, बाल विवाह और नशे जैसी सामाजिक बुराइयों का प्रतीक बनाया गया। रावण के हाथों में नशे के लिए इस्तेमाल होने वाले मादक पदार्थों और अन्य आपत्तिजनक वस्तुओं के प्रतीक रखे गए। आयोजकों का कहना है कि इन बुराइयों के कारण युवा पीढ़ी और बच्चे गलत रास्ते पर जा रहे हैं। ऐसे



में रावण दहन के माध्यम से लोगों को इनके खिलाफ जागरूक करने का प्रयास किया गया। भारतीय सेवा दल के अध्यक्ष विक्रम सर्राफ ने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य समाज में व्याप्त बुराइयों का नाश करना है। समाज में दहेज, नशा और घरेलू हिंसा जैसी समस्याएं गंभीर रूप ले रही हैं। इन्हें समाप्त करने के लिए लोगों को जागरूक होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि हमारा और सरकार का लक्ष्य बिहार को नशामुक्त बनाना है। इसी उद्देश्य से हर साल छठ महापर्व के समापन पर रावण दहन का आयोजन किया जाता है। हजारों की संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं और लोगों के बीच इस आयोजन के जरिए बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश दिया गया।

अनंत सिंह पर समधन का अंदाज-ए-बयां, चुटकी लेकर बोलीं

एजेंसी

पटना। मोकामा विधायक अनंत सिंह की बेटी शिवांगी सिंह की शादी 25 नवंबर को होनी है। इससे पहले इंटरनेट मीडिया पर उनकी होने वाली समधन का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें वह विधायक के काले चश्मे और सख्त छवि पर मजाकिया अंदाज में टिप्पणी करती नजर आ रही हैं। मोकामा विधायक अनंत सिंह की बेटी शिवांगी सिंह का विवाह आगामी 25 नवंबर को आयोजित होने जा रहा है, जिसे लेकर तैयारियां बहुत तेजी से चल रही हैं। इस बहुचर्चित विवाह समारोह के बीच इंटरनेट मीडिया पर विधायक की समधन का मजेदार वीडियो वायरल हो रहा है। आमतौर पर सार्वजनिक जीवन में अनंत सिंह के समक्ष लोग बहुत ही



संभलकर और नाप-तोलकर बोलते हैं, लेकिन इस वायरल वीडियो में समधन के सामने विधायक का रौब और दबदबा बिल्कुल काम नहीं आया। समधन ने बिना किसी झिझक के विधायक के पहनावे तथा उनके प्रसिद्ध काले चश्मे पर ऐसी चुटकी ली कि वहां उपस्थित सभी लोग अपनी हंसी रोक नहीं पाए और पूरा माहौल खुशनुमा हो गया। समधन की मजाकिया टिप्पणी इंटरनेट पर वायरल सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहे इस वीडियो में समधन बेझिझक मुस्कुराते हुए यह कहती हुई सुनाई देती हैं कि 'अनंत सिंह का वही हाल है ना जी, गोरे-गोरे मुखड़े पे काला-काला चश्मा।' यह मजाकिया टिप्पणी करने के तुरंत बाद वह खिलखिलाकर हंस पड़ती हैं। उन्होंने विधायक अनंत सिंह की सर्वत्र चर्चित सख्त छवि पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने हंसते हुए कहा कि अन्य लोग भले ही विधायक जी से डरते होंगे, लेकिन समधन होने के नाते भला वह उनसे क्यों डरेंगी। वीडियो में उन्होंने आगे यह भी जानकारी दी कि आने वाली 20 नवंबर को आयोजित होने वाले तिलक समारोह के दौरान वह उनसे व्यक्तिगत रूप से मुलाकात करने वाली हैं। समधी और समधन के बीच हंसी-मजाक के इस सहज रिश्ते की लोग खूब सराहना कर रहे हैं। सेना अधिकारी के बेटे संग विवाह की भव्य तैयारी मोकामा विधायक अनंत सिंह की बेटी शिवांगी सिंह का विवाह 25 नवंबर को सेना अधिकारी रणविजय कुमार के पुत्र ऋषिकेश कुमार के साथ तय हुआ है। इस शादी को यादगार तथा ऐतिहासिक बनाने के उद्देश्य से आयोजकों द्वारा व्यापक स्तर पर कई प्रकार के प्रबंध किए जा रहे हैं। विवाह समारोह में सम्मिलित होने वाले देश-प्रदेश के तमाम विशिष्ट अतिथियों के खान-पान के लिए विभिन्न व्यंजनों और पकवानों की उत्तम व्यवस्था की जा रही है। इसके साथ ही अतिथियों का मनोरंजन करने तथा समारोह की भव्यता बढ़ाने के लिए पारंपरिक घुड़दौड़ और विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन की भी विशेष रूपरेखा तैयार की गई है। बेटी की शादी के निमंत्रण को लेकर भी विधायक अनंत सिंह लगातार चर्चा के केंद्र में बने हुए हैं। वह प्रसिद्ध भोजपुरी अभिनेत्री अक्षरा सिंह के पटना स्थित आवास पर भी छठ पर्व का प्रसाद ग्रहण करने पहुंचे थे। बाहर निकलते ही उन्होंने वहां मौजूद पत्रकारों और आम लोगों से बातचीत की तथा सभी को शादी में शामिल होने का खुला न्यौता दिया। उन्होंने कहा कि 25 तारीख को उनकी बेटी का विवाह है और इसके लिए किसी विशेष कार्ड अथवा निमंत्रण पत्र की आवश्यकता नहीं है। यदि आमंत्रण देने के दौरान कोई भाई छूट गया हो तो वह क्षमा चाहते हैं, लेकिन सभी लोग विवाह में जरूर आएं।

'योगी की पाती' केवल एक लेख या सरकारी संदेश नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग, विशेषकर अन्तिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के साथ आत्मीय संवाद का माध्यम: मुख्यमंत्री

प्रथम पृष्ठ का शेष

यदि पेड़ों की आयु 75 से 100 वर्ष अथवा उससे अधिक है, तो यह प्रमाण है कि वहां उनके पूर्वजों ने उन्हें लगाया था और परिवार लम्बे समय से वहां निवास कर रहे हैं। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्ष 2007-08 में केन्द्र सरकार के स्तर पर वन अधिनियम में संशोधन कराया गया, लेकिन प्रदेश में वर्ष 2017 तक उसे प्रभावी ढंग से लागू नहीं किया गया। वर्ष 2017 में प्रदेश का मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्होंने वनटांगिया परिवारों को अधिकार दिलाने की दिशा में प्राथमिकता से कार्य किया। प्रशासनिक स्तर पर भी इस विषय को लेकर कई बार चर्चा और मतभेद हुए, लेकिन पेड़ों की आयु और परिवारों के लम्बे समय से वहां निवास करने के प्रमाणों के आधार पर उनके अधिकारों की लड़ाई आगे बढ़ाई गई। गोरखपुर की एक बस्ती में बच्चों की शिक्षा के लिए मन्दिर ट्रस्ट की ओर से विद्यालय की व्यवस्था कराई गई थी। वन विभाग के एक शेड की मरम्मत और वहां बैठने की व्यवस्था कराने पर उनके विरुद्ध मुकदमा भी दर्ज किया गया, लेकिन उन्होंने इन परिवारों के अधिकारों की लड़ाई जारी रखी। मुख्यमंत्री जी ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि आज वनटांगिया समाज की 54 बस्तियों से जड़े हजारों परिवारों को नागरिकता और बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। जो परिवार लम्बे समय तक उपेक्षा और अभाव में जीवन जीने को विवश थे, वे आज शासन की विभिन्न सुविधाओं से लाभान्वित हो रहे हैं। 'योगी की पाती' में इस परिवर्तन को स्थान देने का उद्देश्य आमजन को यह बताना है कि समाज के ऐसे वर्गों तक भी शासन की योजनाएं पहुंचाई जा सकती हैं, जिनकी समस्याएं लम्बे समय तक अनसुनी रही हैं। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वनटांगिया समाज के अनुभव से उन्हें मुसहर, थारू, गोंड, चेरो, कोल, बुक्सा और सहरिया जैसी जनजातियों तथा वंचित समुदायों की समस्याओं को समझने और उनके लिए योजनाएं तैयार करने की प्रेरणा मिली। ये समुदाय कभी संसाधनों से सम्पन्न थे, लेकिन समय के साथ विपन्नता और उपेक्षा के कारण बुनियादी सुविधाओं से दूर होते चले गए। शासन का थोड़ा सम्बल और समाज का विश्वास मिलने पर ये समुदाय न केवल सम्मानजनक जीवन जी सकते हैं, बल्कि वन सम्पदा के संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। आज इन समुदायों को शासन की योजनाओं से जोड़ने और उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप सुविधाएं उपलब्ध कराने का कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री जी ने मुसहर समाज की स्थिति का उल्लेख करते हुए कहा कि एक समय जनपद कुशीनगर में मुसहर समुदाय के लोगों की भूख से मौतों की घटनाएं सामने आई थीं। उस समय प्रदेश में खाद्यान्न घोटाले की स्थिति भी थी। उन्होंने इस विषय को लेकर जनपद गोरखपुर और कुशीनगर में आवाज उठाई तथा तत्कालीन राज्यपाल को ज्ञापन देकर मुसहर समाज की दुर्दशा से अवगत कराया। सांसद रहते हुए वह गोरखपुर से ट्रेन के माध्यम से लखनऊ पहुंचे थे और राजभवन जाकर इस विषय पर अपनी बात रखी थी। उन्होंने कहा कि आज प्रसन्नता है कि मुसहर समाज के परिवारों को भूमि के पट्टे, आवास और शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया गया है। समाज के अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति तक योजनाओं को पहुंचाना शासन की जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि भगवान श्रीराम जब चित्रकूट पहुंचे थे, तब वे कोल समाज के लोगों के बीच ठहरे थे। हजारों वर्ष पुरानी इस सांस्कृतिक परम्परा के बावजूद आजादी के बाद भी लम्बे समय तक कोल समाज के लोग बुनियादी सुविधाओं से वंचित रहे। चित्रकूट की बस्तियों में उनके फूस के मकान और मिट्टी की दीवारें थीं। आज मुख्यमंत्री आवास योजना के माध्यम से इन परिवारों को पक्के आवास उपलब्ध कराए गए हैं और उन्हें शासन की अन्य योजनाओं से भी संतृप्त किया गया है। जिसकी आवाज व्यवस्था तक नहीं पहुंच पाती, क्या उन्हें शासन की योजनाओं से वंचित रखा जा सकता है? प्रत्येक व्यक्ति को सम्मानजनक जीवन जीने और सरकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करने का अधिकार है। मुख्यमंत्री जी ने इन्सेफेलाइटिस की समस्या का उल्लेख करते हुए कहा कि पूर्वी उत्तर प्रदेश और गोरखपुर क्षेत्र में लम्बे समय तक यह बीमारी गम्भीर संकट बनी रही। मध्य जुलाई से मध्य नवम्बर तक हजारों बच्चे इसकी चपेट में आते थे और सैकड़ों बच्चों की मृत्यु होती थी। उस समय स्वास्थ्य सेवाओं, स्वच्छता और बुनियादी सुविधाओं का अभाव था। उन्होंने गोरखपुर के बी0आर0डी0 मेडिकल कॉलेज का अपना अनुभव साझा करते हुए बताया कि सांसद बनने के बाद जब वे बीमार बच्चों को देखने वहां पहुंचे तो वार्डों की स्थिति अत्यन्त खराब थी। एक-एक बेड पर कई-कई बच्चे भर्ती थे, उनके साथ बड़ी संख्या में परिजन मौजूद थे, लेकिन वार्ड में बिजली, पंखे और अन्य आवश्यक सुविधाओं का अभाव था। उन्होंने इस स्थिति को देखकर आवश्यक संसाधन जुटाने का प्रयास किया और बच्चों के लिए बेड, बिस्तर, ए0सी0, पंखे तथा बेडशीट की व्यवस्था कराई। मुख्यमंत्री जी ने देवीपाटन मण्डल की घटनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि उस समय इन्सेफेलाइटिस से होने वाली मौतों को कई बार अज्ञात बीमारी बताकर छोड़ दिया जाता था। उन्होंने स्वास्थ्य अधिकारियों से कहा कि जब मेडिकल साइंस इतना आगे बढ़ चुका है, तब बीमारी को अज्ञात बताने के बजाय उसके लक्षणों के आधार पर बच्चों का उपचार सुनिश्चित किया जाना चाहिए। जब उन्हें प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में कार्य करने का अवसर मिला, तब इन्सेफेलाइटिस के विरुद्ध प्रभावी अभियान चलाया गया। आज इस बीमारी से बच्चों की मृत्यु पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित हुआ है। यह किसी पर उपकार नहीं, बल्कि शासन का दायित्व है कि वह प्रत्येक बच्चे को बेहतर स्वास्थ्य और गुणवत्तापूर्ण जीवन उपलब्ध कराए। एक ओर पहले व्यवस्था की संवेदनहीनता के कारण बच्चे पीड़ित होते थे, वहीं दूसरी ओर आज शासन की संवेदनशीलता से उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार आया है। मुख्यमंत्री जी ने बेसिक शिक्षा परिषद की स्थिति में आए बदलाव का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 2017 से पहले अनेक विद्यालय शिक्षकविहीन थे, भवन जर्जर थे और आवश्यक संसाधनों का अभाव था। बड़ी संख्या में बच्चे, विशेषकर बालिकाएं, नंगे पैर विद्यालय जाने को मजबूर थीं। विद्यालय जाने वाली बालिकाओं को जूते-मोजे उपलब्ध कराने के प्रयास से शुरुआत हुई। इसके बाद सभी बच्चों को शामिल करते हुए यूनिफॉर्म, जूते-मोजे, स्कूल बैग और पुस्तकें उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया। आज बेसिक शिक्षा परिषद के लगभग 1.60 करोड़ बालक-बालिकाओं को दो यूनिफॉर्म, बैग, पुस्तकें और जूते-मोजे इत्यादि उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इस व्यवस्था में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए डी0बी0टी0 के माध्यम से धनराशि अभिभावकों के बैंक खातों में भेजी जाती है, ताकि वे बच्चों के लिए निर्धारित यूनिफॉर्म की व्यवस्था कर सकें। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि ऑपरेशन कायाकल्प के माध्यम से जनसहभागिता के साथ परिषदीय विद्यालयों में आधारभूत सुविधाओं को बेहतर बनाया गया है। वर्ष 2017 से पूर्व विद्यालयों में बुनियादी सुविधाओं की संतृप्ति लगभग 30 से 36 प्रतिशत के बीच थी, जो अब बढ़कर लगभग 96 प्रतिशत हो गई है। श्रमिकों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए अटल आवासीय विद्यालय संचालित किए जा रहे हैं। इन विद्यालयों में वैश्विक मानकों के अनुरूप आधारभूत ढांचा और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की व्यवस्था की गई है। इसके साथ ही आधुनिक सुविधाओं से युक्त मुख्यमंत्री कम्पोजिट विद्यालयों को विकसित किया जा रहा है, जहां नर्सरी से कक्षा 12 तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि इन सभी प्रयासों के पीछे शासन की संवेदनशीलता और समाज के अन्तिम व्यक्ति तक सुविधाएं पहुंचाने का संकल्प है। केवल घोषणाएं करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि योजनाओं को जमीन पर उतारकर लोगों के जीवन में वास्तविक परिवर्तन लाना आवश्यक है। 'योगी की पाती' के माध्यम से ऐसे ही कार्यों और अनुभवों को आमजन के सामने रखने का प्रयास किया गया है। इसमें युवाओं, विद्यार्थियों, नारी सम्मान, अन्नदाता किसानों, श्रमिकों और समाज के विभिन्न वर्गों के विषयों को स्थान दिया गया है। साथ ही विरासत और विकास के उन प्रयासों को भी सामने लाया गया है, जो प्रदेश की वास्तविक ताकत हैं। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि किसी भी जनकल्याणकारी योजना की सफलता तभी सुनिश्चित होती है, जब उसकी जानकारी पात्र व्यक्ति तक पहुंचे। कई बार योजनाएं उपलब्ध होने के बावजूद जानकारी के अभाव में लोग उनका लाभ नहीं ले पाते। इसलिए सरकार की योजनाओं के बारे में बार-बार बताना आवश्यक है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि यदि किसी व्यक्ति के पास आयुष्मान कार्ड नहीं है तो उसे इसकी जानकारी देकर कार्ड बनवाने में मदद की जा सकती है। किसी पात्र व्यक्ति के पास राशन कार्ड नहीं है तो उसे राशन कार्ड उपलब्ध कराया जा सकता है। इसी प्रकार निराश्रित महिला को पेंशन का लाभ दिलाया जा सकता है। योजनाओं की जानकारी का निरंतर प्रसार ही पात्र लोगों तक लाभ पहुंचाने का प्रभावी माध्यम है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि 'योगी की पाती' के माध्यम से शासन और आमजन के बीच आत्मीय संवाद को आगे बढ़ाने का प्रयास किया गया है। उन्होंने समाचार पत्रों, विजुअल मीडिया, वरिष्ठ सम्पादकों, रिपोर्टर्स तथा सूचना विभाग के अधिकारियों के योगदान की सराहना करते हुए सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि मीडिया के सहयोग से यह संवाद निरन्तर आगे बढ़ेगा और समाज के प्रत्येक वर्ग तक शासन की योजनाओं, उपलब्धियों और जनहित से जुड़े विषयों की जानकारी पहुंचती रहेगी। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री, गृह एवं सूचना श्री संजय प्रसाद, निदेशक सूचना श्री विशाल सिंह, अपर निदेशक सूचना श्री अरविन्द मिश्र, दैनिक जागरण के राज्य सम्पादक श्री आशुतोष शुक्ला, अमर उजाला के सम्पादक श्री विजय त्रिपाठी, टाइम्स ऑफ इण्डिया के स्थानीय सम्पादक श्री प्रवीण कुमार, हिन्दुस्तान के स्थानीय सम्पादक श्री सुनील द्विवेदी, हिन्दुस्तान टाइम्स के स्थानीय सम्पादक श्री प्रांशु मिश्रा, नवभारत टाइम्स के सम्पादक श्री मनीष श्रीवास्तव, इण्डियन एक्सप्रेस के श्री उपेन्द्र पाण्डेय, न्यू इण्डियन एक्सप्रेस की सुश्री नमिता वाजपेयी तथा श्री राजीव ओझा, श्री अजीत सिंह सहित विभिन्न मीडिया संस्थानों से जुड़े सम्पादक, सह-सम्पादक, वरिष्ठ पत्रकार, रिपोर्टर्स तथा सूचना विभाग के अधिकारीगण उपस्थित थे।

उपनिरीक्षक की शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ मुकदमा; इस संगठन ने ली थी जिम्मेदारी

गाजियाबाद। गाजियाबाद के वसुंधरा पुलिस चौकी पर हुए धमाके के मामले में इंदिरापुरम थाने में अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। चौकी में घटना के समय मौजूद उपनिरीक्षक विकास सिंह ने तहरीर देकर धमाके और उससे हुए नुकसान की जानकारी दी है। उधर, धमाके के बाद तहरीक उल मुजाहिदीन हिंदुस्तान नाम के संगठन ने इसकी जिम्मेदारी ली थी। संगठन की ओर से इस संबंध में एक वीडियो और लिखित संदेश भी जारी किया गया था। जांच एजेंसियां संगठन की ओर से किए गए दावे समेत विभिन्न पहलुओं की पड़ताल कर रही हैं। धमाके के बाद तहरीक उल मुजाहिदीन हिंदुस्तान नाम के संगठन की ओर से सोशल मीडिया पर जिम्मेदारी लेने संबंधी वीडियो और लिखित संदेश जारी किया गया था। इसमें संगठन ने चौकी पर हुए धमाके की जिम्मेदारी ली थी। हालांकि, संगठन के दावे की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। जांच एजेंसियां वीडियो और संदेश की सत्यता के साथ ही इन्हें जारी करने वाले अकाउंट और धमाके से इनके संबंध की जांच कर रही हैं। धमाके के बाद तहरीक-उल-मुजाहिदीन हिंदुस्तान नाम के संगठन की ओर से अंग्रेजी में एक संदेश पोस्ट किया गया। इसमें संगठन ने दावा किया कि उसने गाजियाबाद में पुलिस को निशाना बनाया है। संदेश में सरकार के खिलाफ अभियान चलाने की घोषणा करते हुए अपने कृत्य को धार्मिक और सामुदायिक अधिकारों की रक्षा के नाम पर सही ठहराने की कोशिश की गई है। संगठन ने अपने संदेश में असम के कथित नजरबंदी शिविरों, बुलडोजर कार्रवाई, धार्मिक स्थलों और समुदाय के साथ कथित भेदभाव का उल्लेख किया है। उसने पुलिस, सेना, न्यायपालिका और नगरपालिका सहित सरकारी संस्थाओं को अपने खिलाफ बताते हुए सरकार को अवैध घोषित करने की बात कही है। संदेश में संगठन ने हिंदू समाज को संबोधित करते हुए कहा है कि मुसलमानों पर अत्याचार करने वाले राजनेताओं, अधिकारियों और सुरक्षाकर्मियों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। साथ ही चेतावनी दी गई है कि भविष्य में हिंसा की आंच लोगों के घरों तक पहुंच सकती है।

NAME CHANGE
I, Prashant Sharma S/O Kali Charan Sharma R/O House Number-55 Gali Number-2, Near R.N.T Public School Banwari Nagar, Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201001, have changed the name of my minor son Shaurya Sharma aged 11 years and he shall hereafter be known as Anant

NAME CHANGE
I, Prashant Sharma S/O Kali Charan Sharma R/O House Number-55 Gali Number-2, Near R.N.T Public School Banwari Nagar, Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201001, have changed the name of my minor daughter Shreya Sharma aged 08 years and she shall hereafter be known as Vyomika

NAME CHANGE
I, ARJUN MAJUMDAR S/O MEENA MAJUMDAR, R/O D-504, PARAMOUNT FLORAVILLE, OPPOSITE NOIDA SECTOR-137 METRO STATION, SECTOR-137, NOIDA, GAUTAM BUDDHA NAGAR, UTTAR PRADESH-201301, have changed the name of my minor son ARSH SINGH MAJUMDAR, aged 3 years and he shall hereafter be known as SHIVARTH SINGH MAJUMDAR.

NAME CHANGE
It is for general information that I, PUNNOCKIL KRISHNANKUTTY, S/O P. Raman Menon, R/O D404 Shriram Sahaana, Suryavamsi Layout, Yelahanka, Naganahalli, Bengaluru, Karnataka, 560064, declare that name of mine has been wrongly written as P K KRISHNAKUTTY in my PPO No-0997ASOO1881997 The actual name of mine is PUNNOCKIL KRISHNANKUTTY respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, NO-17008928X, Rank-SEP, Name-SAFI AHMAD S/O ISHA MOHAMMAD R/O VILLAGE GHEGHATA, SARAIYA, BHOJPUR, BIHAR-802313 have change my name from Safi Ahmed to Safi Ahmad and my wife's name Ansari Rasida Begam S to Ansari Rasidabegam S and my father's name Isha Mahammad to Isha Mohammad for infuture all purposes vide Affidavit No. IN-DL47524259429577Y 16.11.2026 before Magistrate Delhi.

NAME CHANGE
I, Babita Sharma D/O B.N Sharma, B-523 b, First Floor Sushant Lok Phase -1 Gurgaon Haryana Pin: 122009 Have Changed My Name To Babita Wahi For All The Future Purposes.

NAME CHANGE
I, Baldev Raj S/o Chiranjibi Bhandari R/o H.No.28-D, Punjab Avenue,Garha,PO Garha, DIST Jalandhar, Punjab, 144022, have changed my name from Baldev Raj to Harish Chandra Bhandari. All concerned please note.

Public Notice
It is for general information that I Kartik Rathi S/O: Pankaj Kumar Rathi, R/O village karhara, karhara, Karhera, PO: Tissa, DIST: Muzaffarnagar, Uttar Pradesh - 251308, declare that name of my father and my Mother have been wrongly written as Pankaj Rathi and Renu Rathi in my 10th and 12th Class educational documents. The actual name of my father and my Mother are Pankaj Kumar Rathi and Renu, respectively which may be amended accordingly.

Public Notice
It is for general information that I Bhumika D/O: Pankaj Kumar Rathi, R/O village karhara, PO: Tissa, DIST: Muzaffarnagar, Uttar Pradesh - 251308, declare that name of my father has been wrongly written as Pankaj Rathi in my 10th and 12th class educational documents .The actual name of my father is Pankaj kumar Rathi,respectively which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
Notice is given on behalf of Mr. Nitin Kumar to inform to the public at large that Mrs. Priyanka Gupta W/o Mr. Nitin Kumar is purchasing the Entire Upper Ground Floor without roof rights, measuring 54.35 Sq. Mtrs. approx., of Property No. S-180-C, Khasra No.297/193, Situated at School Block, Shakarpur, Village Shakarpur Khas, Illaqa Shahdara, Delhi-110092 from Mrs. Sharmila Negi who became owner vide Gift Deed dated 22.06.2023 (Doc. No.4531). Now, the same property will be financed & mortgaged by Hinduja Housing Finance Ltd., Branch-Gandhi Nagar, Delhi. That, (1) Surviving Member Certificate in the name of legal heirs of Late Mr. Dalip Singh Negi & (2) Surviving Member Certificate in the name of legal heirs of Late Mr. Mehar Ban Singh Negi are not available. So, to comply the requirements of BANK/NBFC, we give this public notice that if any Person having any type of claim/right/title/interest/creating mortgage over the said property, may inform in writing, at the address mentioned below, about his objections, within 7 days from today, failing which it shall be presumed that the said property is free from all type of Encumbrances, lien etc.
Advocate Abhishek Singh
B-82, Ground Floor, DLF Dilshad Extn.-II, Bhopura, Ghaziabad, U.P.-201005
Mobile: 7706007066, 9310370510
Email: advabhisingh1993@gmail.com

NAME CHANGE
I, SUDESH KUMARI ANAND W/O ANAND SURINDER KUMAR R/O H NO-577 SECTOR-28 FARIDABAD HARYANA-121008 have changed my name to SUDESH ANAND for all purposes.

NAME CHANGE
I, MANREEN KAUR D/O JAGDEEP SINGH SABHARWAL R/O PLOT NO-6 SITE NO-11 2ND FLOOR WEST PATEL NAGAR DELHI-110008 have changed my name to MANREEN KAUR SABHARWAL for all purposes.

Date of Birth Change
I AWAR KUNDA ANKUSH legally mother of Army no - 2811061L, Rank - SEP, Name - AWAR PARESH, Presently Residing At - Naykachapada, Post- Kinhavli, Teh - Shahapur, Dist - Thane, State - Maharashtra, Pin - 421403 in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 15/05/1972 instead of my correct date of birth as 01/01/1970 Vide Affidavit dated 16/11/2026 before Notary Public Delhi.

Date of Birth Change
I AWAR ANKUSH GANGARAM ANKUSH legally father of Army no - 2811061L, Rank - SEP, Name - AWAR PARESH, Presently Residing At - Naykachapada, Post-Kinhavli, Teh - Shahapur, Dist - Thane, State - Maharashtra, Pin - 421403 in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/06/1965 instead of my correct date of birth as 01/01/1965 Vide Affidavit dated 16/11/2026 before Notary Public Delhi.

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि श्रीमती सारिका देवी पत्नी श्री परमा सिंह, आवासीय रिक्त भूखंड, क्षेत्रफल 50 वर्ग गज, खसरा संख्या 105 में से, स्थित सीताराम कॉलोनी, ग्राम सूरजपुर, तहसील दादरी, जनपद गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश को श्री जयवीर एवं श्री विजय कुमार से क्रय करने की इच्छुक हैं। उक्त श्री जयवीर एवं श्री विजय कुमार ने उक्त संपत्ति श्रीमती गीता देवी एवं श्रीमती लक्ष्मी देवी से दिनांक 15.12.2025 को निष्पादित एवं पंजीकृत विक्रय विलेख, दस्तावेज संख्या 39429 के माध्यम से क्रय की थी। उक्त संपत्ति से संबंधित मूल विक्रय विलेख दिनांक 17.08.2013, दस्तावेज संख्या 20595, बही संख्या 1, जिल्द संख्या 13956, पृष्ठ संख्या 305 से 328, उप-निबंधक कार्यालय (SRO), सदर ग्रेटर नोएडा में पंजीकृत, कहीं खो गया/गुम हो गया है तथा काफी प्रयासों के बावजूद खोजने पर भी प्राप्त नहीं हो रहा है। इस संबंध में उक्त मूल दस्तावेज के गुम होने के संबंध में ऑनलाइन एफआईआर, एल.आर. संख्या 799965/2026, दिनांक 16.11.2026 को पुलिस थाना साउथ ईस्ट/क्राइम ब्रांच, दिल्ली में दर्ज कराई गई है। उक्त संपत्ति का प्रस्तावित क्रय वास्तु हाउसिंग फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड, शाखा – नोएडा, उत्तर प्रदेश से वित्तपोषित किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को इस संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति है, तो कृपया नोटिस की तिथि से 7 दिनों के भीतर लिखित में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति को कृपया नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक द्वारा और ईमेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजें। ऐसा न करने पर, उक्त दावा संबंधित संपत्ति के संबंध में अमान्य माना जाएगा।
[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल- kumarw@wvashwani@gmail.com

NAME CHANGE
I CHETAN SHARMA S/O JASWANT SHARMA R/O C4B /50 FIRST FLOOR MAHARAJA SURAJMAL INSTITUTE JANAKPURI DELHI - 110058 have changed my name to CHETAN SARUP SHARMA Permanently for all future Purposes

NAME CHANGE
I, hitherto known as ANSHIKA GOEL alias ANSHIKA BAINS wife of ADITYA GOEL daughter of SUBHASH KUMAR BAINS residing at Flat No -09023 Pinewoods, Mahagun Mywoods Plot No. GH-04, Sector 16C, Greater Noida West, PO: Sector-1, DIST: Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh 201318 have changed my name and shall hereafter be known as ANSHIKA GOEL

NAME CHANGE
I SUNIL GOSWAMI S/O URBI DUTT GOSWAMI R/O 65/13 NEW ROHTAK ROAD KAROL BAGH CENTRAL DELHI 110005 HAVE CHANGED MY NAME TO SUNIL KUMAR GOSWAMI

NAME CHANGE
I hitherto known as Faiza D/o. Farook Khan, W/o Furkan Ul Haq, R/o. C-7/23, Gali No. 5, Near Haji Ikram Wali Gali, Chauhan Bangar, New Seelampur, North East Delhi, Delhi - 110053 have changed my name and shall hereafter be known as Faiza Khan.

NAME CHANGE
I, FAREEN D/O MOHAMMAD ALI R/O HOUSE NO-321,BLOCK-C,SECTOR-1,ROHINI,NEAR DURGA MANDIR,PO MANGOLPURI N BLOCK,NORTH WEST DELHI,DELHI-110083,HAVE CHANGED MY NAME TO FAREEN KHAN FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I, hitherto known as Sanjay alias Sanjeev Chourasia S/O Bagwan Das Chaurasiya, R/O KHASRA NO-29/13 - 29/18, NEAR CHANCHAL NURSING HOME, AGAR NAGAR, PREM NAGAR PHASE- 3, MUBARK PUR DABAS, PO: Sultanpuri C Block, DIST: North West Delhi, Delhi-110086, have changed my name and shall hereafter be known as Sanjeev Chourasia.

PUBLIC NOTICE
GENERAL PUBLIC IS HEREBY INFORMED THAT MR. NEERAJ RANA IS OWNER AND IN POSSESSION OF "FLAT BEARING NO. SF-05 ON SECOND FLOOR WITHOUT ITS ROOF RIGHTS (LIG FRONT SIDE) HAVING ITS BUILT-UP AREA MEASURING 300 SQ. FOOT (AS PER VALUATION REPORT) BUILT ON PLOT BEARING NO. B-61 OUT OF KHASRA NO. 237-MI. SITUATED IN VILLAGE SAIDULLABAD, PARGANA LONI, TEHSIL & DISTRICT GHAZIABAD, U.P." AND ACQUIRED THE SAID PROPERTY VIDE REGD. GPA, ATS AND WILL DT. 21.06.2019 EXECUTED BY MR. DINESH RANA AND MR. CHETAN SHARMA IN FAVOUR OF MR. NEERAJ RANA. NOW MR. ARJUN IS GOING TO PURCHASE THE SAID PROPERTY, FROM OWNER / SELLER MR. NEERAJ RANA, WHICH WILL BE MORTGAGED WITH TRU HOME FINANCE LIMITED AS SECURITY AGAINST HOUSING LOAN FOR PURCHASING OF SAID PROPERTY. PLEASE CONTACT WITH WRITTEN OBJECTION LETTER AND RELEVANT DOCUMENTS TO UNDERSIGNED IF ANYONE HAS AN OBJECTION IN RESPECT OF SAID PROPERTY WITHIN 10 DAYS OF THIS PUBLICATION.
ADITYA VERMA, ADVOCATE
E-16, E-BLOCK, MANSAROVAR PARK, SHAHDARA, DELHI-110032.
MOBILE NO. 9958996685.

NAME CHANGE
I, MAHESH CHAND SHARMA S/o KARODI LAL SHARMA, R/o F-486B, Nandgraam, Ghaziabad, PO: Ghaziabad, DIST: Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201001, have changed the name of my minor daughter KHUSHI SHARMA, aged 17 years and she shall hereafter be known as KINJAL SHARMA.

NAME CHANGE
I ISLAM KHAN S/O RUSTAM KHAN R/O HIRWARI BAMATHERI (79) PO FEROZEPUR JHIRKA MEWAT NUH 122107 have changed my name to ISLAM Permanently for all future Purposes

NAME CHANGE
Vikrant Sharma S/o Dharm Shing R/o Plot No 102/35, Khaira Village Najafgarh South West Delhi - 110043 HAVE CHANGED MY NAME TO Vikrant FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I, VIPIN KUMAR BAGGA S/O KUNDAN LAL BAGGA R/O D-14, BLOCK-D,, SHAKARPUR, DELHI-110092 have changed my name to VIPIN BAGGA for all future purposes.

NAME CHANGE
UMA SHARMA W/o RAVI DUTT SHARMA R/o UNIT NO D024 INDIABULLS ENIGMA SITUATED SEC 110 PAWLA KHUSRUPUR GURGAON HARYANA-122017 HAVE CHANGED MY NAME TO UMA DEVI FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I, SAJIDA PARVEEN W/O NASIR AHMED R/O H.NO-27, GALI NO-1, EAST LAXMI MARKET, LAXMI NAGAR EAST DELHI 110092, CHANGED MY NAME TO SAJIDA.

PUBLIC NOTICE
Information is hereby given to the general public that our client Ms. Gita Pandit D/o Mr. Boby Pandit is the owner and in possession of a Freehold Residential Plot No. 22, area measuring 100 Sq. Yard, i.e., 83.61 Sq. Mtrs., out of Khasra No. 245, Situated at Mauza Sunrakh Bangar, Tehsil & District Mathura, U.P. Our client acquired the said property by virtue of a Gift Deed dated 02.09.2026 duly registered as Doc. No. 20864, in Book No. 1, Vol. No. 15414, on pages. 247-260, on date 02.09.2026, SR- II Mathura.., in the chain documents below mentioned documents not available i.e. Original Sale Deed dated 07.11.2014 executed by Mr. Khazan Singh S/o Mr. Chiddhi Singh as attorney of Mrs. Dropa D/o Mr. Chotalal W/o Mr. Mohan Singh in favour of Mrs. Varsha Sharma W/o Mr. Keshav Sharma duly registered as Doc. No. 15968, in Book No. 1, Vol. No. 6825, on pages. 303-328, on date 07.11.2014, SR- II Mathura., Therefore, our client hereby declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property., and same property sold to be Mrs. Laxmi and the said property to be financed/ mortgaged with Piramal Finance Ltd., Branch: Laxmi Nagar Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
1/566-A, Ground Floor, Sector-1, Vaishali, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201010.
Contact at 09958871432

NAME CHANGE
I hitherto known as Furqan Choudhary S/o. Choudhary Rihan Ulhaq R/o. C-7/23, Gali No. 5, Near Haji Ikram Wali Gali, Chauhan Bangar, New Seelampur, North East Delhi, Delhi - 110053 have changed my name and shall hereafter be known as Furkan Ul Haq.

NAME CHANGE
I, MUNTAYAJ ANSARI S/O ASHIK ALI R/O H-Block, East Jawahar Nagar, Loni Dehat, PO: Loni, District Ghaziabad,Uttar Pradesh-201102, have changed the name of my minor son ALFAZ aged 13 years and he shall hereafter be known as ALFAIZ.

NAME CHANGE
Vikrant Sharma S/o Dharm Shing R/o Plot No 102/35, Khaira Village Najafgarh South West Delhi - 110043 HAVE CHANGED MY NAME TO Vikrant FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I, VIPIN KUMAR BAGGA S/O KUNDAN LAL BAGGA R/O D-14, BLOCK-D,, SHAKARPUR, DELHI-110092 have changed my name to VIPIN BAGGA for all future purposes.

NAME CHANGE
UMA SHARMA W/o RAVI DUTT SHARMA R/o UNIT NO D024 INDIABULLS ENIGMA SITUATED SEC 110 PAWLA KHUSRUPUR GURGAON HARYANA-122017 HAVE CHANGED MY NAME TO UMA DEVI FOR ALL FUTURE PURPOSES

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा
धारा 82 Cr. P.C देखिए
मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त नामः **महेंद्र सिंह बिष्ट, पुत्रः प्रेम सिंह, निवासीः फ्लैट नंबर 1/15, एमिटी पब्लिक स्कूल, सेक्टर-1, वसुंधरा, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश-201 012** ने अपराध किया है (या किए जाने का संदेह है) इसके विरुद्ध **CT Case No.1860/2019, 1858/2019 & 1862/2019 all U/S 138 NI Act** के तहत एक मामला **थाना फर्श बाज़ार, शाहदरा जिला, दिल्ली** में दर्ज किया गया है और उसके बाद जारी गिरफ्तारी वारंट को यह कहते हुए वापस कर दिया गया है कि अभियुक्त **महेंद्र सिंह बिष्ट** नहीं मिला या मेरी संतुष्टि के लिए दिखाया गया है कि अभियुक्त **महेंद्र सिंह बिष्ट** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।
इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा है कि **CT Case No.1860/2019, 1858/2019 & 1862/2019 all U/S 138 NI Act, थाना फर्श बाज़ार, शाहदरा जिला, दिल्ली** के अभियुक्त **महेंद्र सिंह बिष्ट** को उक्त परिवाद का जवाब देने के लिए दिनांक **23.12.2026** को या उससे पहले अदालत के समक्ष उपस्थित होना आवश्यक है।
आदेशानुसार, **सुश्री मैशा भाऊ**
न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी (एनआई अधिनियम), शाहदरा जिला, कमरा संख्या जी-05, नया न्यायालय भवन, भूतल, कड़कड़डूमा न्यायालय, दिल्ली
DP/16625/SHD/2026
(अदालती मामला)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा
धारा 82 (2) (i) Cr. P.C./ 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता देखें
मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **अखिल जिन्दल पुत्रः** भुवनेश जिन्दल, **निवासः** J-1/20, सागवान हाईट्स, राज नगर एकसटेंशन, गाज़ियाबाद, यूपी ने **Ct. No. 689/2020 U/s 138 NI Act, थानाः भजनपुरा, दिल्ली** के अधीन

संक्षिप्त डायरी

एडवोकेट एंड डीड राइटर्स वेलफेयर एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी घोषित

एजेंसी

ग्रेटर नोएडा। एडवोकेट एंड डीड राइटर्स वेलफेयर एसोसिएशन की आम सभा बैठक सेक्टर गामा दो स्थित उप-निबंधक कार्यालय परिसर में हुई। अध्यक्षता निवर्तमान अध्यक्ष कुलदीप भाटी एडवोकेट ने की, जबकि संचालन सचिव गिर्राज सिंह चपराना एडवोकेट ने किया। बैठक में सर्वसम्मति से 17 सदस्यों की एल्डर कमेटी का गठन किया गया, जिसकी बैठक में वर्ष 2026-27 के लिए नई कार्यकारिणी की निर्विरोध घोषणा की गई। नई कार्यकारिणी में सुरेंद्र सिंह भाटी को अध्यक्ष, मोहित भाटी एवं रोहित शर्मा को उपाध्यक्ष, राज कुमार बैसला को सचिव, राजेश भाटी को सह सचिव,परवेज (गुड्डू) चौधरी को कोषाध्यक्ष, श्वेता सहाय सक्सेना को सांस्कृतिक सचिव की जिम्मेदारी दी गई है। साथ ही संगठन के राष्ट्रीय पदाधिकारियों में राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर रोहतास नागर, राष्ट्रीय संयोजक पद पर कुलदीप भाटी और विधिक सलाहकार पद पर गिर्राज चपराना का नाम घोषित किया गया है। इस मौके पर एल्डर कमेटी के सदस्य जगबीर सिंह बैसला, जयवीर सिंह भाटी, रामवीर नागर, नवीन चौधरी, अरुण जैन, सत्यवीर सिंह (प्रधान), पीयूष गुप्ता, मोनू रांधव, अरविन्द भाटी और देवेन्द्र सक्सेना सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

ग्रेनो में यूपीसीडा के सेक्टरों में बुनियादी सुविधाएं बेहतर होंगी

एजेंसी

ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) के औद्योगिक सेक्टरों में बुनियादी सुविधाओं को और अधिक बेहतर किया जाएगा। करीब 27.82 करोड़ रुपये की लागत से जरूरी विकास कार्य कराए जा रहे हैं। दो सेक्टरों में अपशिष्ट जल उपचार संयंत्र (डब्लूडब्लूटीपी) का निर्माण किया जा रहा है, जो नए साल में चालू हो जाएगा। अधिकारी के मुताबिक अपशिष्ट जल उपचार संयंत्र के तैयार होने से सेक्टर साइट - 5, साइट बी और निर्यात संवर्धन औद्योगिक पार्क (ईपीआईपी) के उद्यमियों के साथ-साथ आसपास की सोसाइटियों के निवासियों को भी राहत मिलेगी। औद्योगिक सेक्टर साइट-5 स्थित ईपीआईपी में डब्लूडब्लूटीपी न होने से गंदा पानी नालियों और सड़कों पर बहता रहता है। इस समस्या के समाधान के लिए यहां 3.6 एमएलडी क्षमता का संयंत्र बनाया जा रहा है। इस पर 9 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसके साथ ही फुटपाथ का निर्माण भी कराया जाएगा। वहीं, सूरजपुर साइट-बी में 6 एमएलडी क्षमता का दूसरा संयंत्र बनाया जा रहा है। दोनों परियोजनाओं का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है। अब तक 80 फीसदी से अधिक काम हो गया है। नए साल तक दोनों संयंत्र को चालू करने का लक्ष्य है। इनके चालू होने से औद्योगिक इकाइयों से निकलने वाले गंदे पानी के निस्तारण में मदद मिलेगी। औद्योगिक क्षेत्रों में धूल प्रदूषण को कम करने के लिए साइट-बी और साइट-सी की मुख्य सड़कों के किनारे इंटरलॉकिंग टाइल्स लगाई जाएंगी। टाइल्स लगने से सड़क किनारे मिट्टी और धूल फैलने पर रोक लगेगी। साथ ही व्यवस्थित पार्किंग की सुविधा भी मिलेगी, जिससे सड़क पर वाहन खड़े नहीं करने पड़ेंगे। इसके अलावा सैक्टर साइट-5 की जर्जर सड़कों को दोबारा बनाने का काम भी शुरू कर दिया गया है। अन्य विकास कार्य और पानी का पुनः उपयोग औद्योगिक इकाइयों में उपयोग किया गया पानी पूरी तरह बर्बाद हो जाता है। इसको पुनः उपयोग में लाने के लिए दो अपशिष्ट जल उपचार संयंत्र लगाए जा रहे हैं। इसके अलावा सड़कों की मरम्मत, फुटपाथ समेत अन्य विकास कार्य कराए जा रहे हैं।

भूखंड के नाम पर 48 लाख रुपये ऐंठे

एजेंसी

ग्रेटर नोएडा। भूखंड बेचने का झांसा देकर 48 लाख रुपये हड़पने और उसी जमीन का दूसरे व्यक्ति के नाम सौदा करने का मामला सामने आया है। फरीदाबाद के दो लोगों ने ग्रेटर नोएडा निवासी एक व्यक्ति को यमुना प्राधिकरण से आवंटित 230 वर्ग मीटर का भूखंड बेचने के नाम पर रकम ली, लेकिन न तो रजिस्ट्री कराई और न ही पैसे लौटाए। पीड़ित की शिकायत पर कोर्ट के आदेश से सेक्टर-20 थाना पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज किया है। तुस्याना गांव निवासी कपिल भाटी वर्ष 2025 में भूखंड खरीदने की तलाश में थे। इसी दौरान उनकी मुलाकात फरीदाबाद के बल्लभगढ़ स्थित तिरखा कॉलोनी निवासी कमलेश और संदीप भाटी से हुई। दोनों ने उन्हें नोएडा के सेक्टर-18 में बातचीत के लिए बुलाया। उन्हें बताया गया कि यमुना प्राधिकरण ने उनकी जमीन अधिग्रहित की थी। इसके बदले अछेजा गांव में 230 वर्ग मीटर का प्लॉट आवंटित हुआ है, जिसे वे बेचना चाहते हैं। 11 जुलाई 2025 को दोनों पक्षों के बीच 55 लाख रुपये में सौदा तय हुआ। इसके बाद कपिल ने अलग-अलग किस्तों में आरोपियों को 48 लाख रुपये दे दिए। शेष रकम रजिस्ट्री के समय देने की बात तय हुई थी।पीड़ित को भरोसा था कि जल्द ही भूखंड उसके नाम हो जाएगा, लेकिन आरोपियों ने तय समय बीतने के बाद भी बैनामा नहीं कराया। इसी बीच कपिल को जानकारी मिली कि जिस भूखंड के लिए उन्होंने लाखों रुपये दिए हैं, उसे आरोपियों ने किसी अन्य व्यक्ति को बेच दिया है। इसके बाद उन्होंने दोनों से संपर्क कर अपनी रकम वापस मांगी। आरोप है कि पैसे लौटाने के बजाय आरोपियों ने उन्हें धमकाना शुरू कर दिया। पीड़ित ने पुलिस से शिकायत की, लेकिन कार्रवाई नहीं होने पर न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। कोर्ट के आदेश पर शनिवार को सेक्टर-20 थाने में मुकदमा दर्ज किया गया। थाना प्रभारी ने बताया कि दोनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस लेनदेन और भूखंड के आवंटन से जुड़े दस्तावेजों की जांच कर रही है। पूछताछ के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

चोरी की बाइक और चाकू संग दो नाबालिग गिरफ्तार

एजेंसी

नोएडा। फेस-3 थाना पुलिस ने चेकिंग के दौरान चोरी की बाइक पर सवार दो नाबालिगों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से चोरी की एक मोटरसाइकिल और दो चाकू बरामद हुए हैं। थाना प्रभारी ने बताया कि शनिवार रात पुलिस टीम सेक्टर-71 के सर्विस रोड पर बैरियर लगाकर चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान बाइक सवार दो युवक पुलिस को देखकर भागने लगे। पुलिसकर्मियों ने घेराबंदी कर दोनों को पकड़ लिया। एक की उम्र 15 जबकि दूसरे की उम्र 16 साल है। एक आरोपी बुलंदशहर का जबकि दूसरा गौतमबुद्धनगर का निवासी है। तलाशी लेने पर दोनों के पास से एक-एक चाकू बरामद हुआ। जांच में मोटरसाइकिल भी चोरी की निकली। आरोपियों ने बताया कि उन्होंने दो-तीन दिन पहले गाजियाबाद के चोरोपुर गांव से बाइक चोरी की थी। उसकी नंबर प्लेट तोड़कर फेंक दी थी। पुलिस ने दोनों को हिरासत में लेकर किशोर न्यायालय के समक्ष पेश करने की कार्रवाई की है। दोनों का आपराधिक इतिहास पता किया जा रहा है।

चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया

एजेंसी

नोएडा। विकास भवन सभागार में रविवार को भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती पर मनाई गई। साथ ही महाराष्ट्र में आयोजित प्रधानमंत्री मोदी के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण दिखाया गया। इस दौरान सीडीओ भाल चंद्र त्रिपाठी ने भगवान बिरसा मुंडा सहित देश के जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों के अद्वितीय योगदान, संघर्ष, त्याग एवं बलिदान को स्मरण करते हुए जनजातीय समाज की समृद्ध संस्कृति और गौरवशाली इतिहास से नई पीढ़ी को परिचित कराया। अन्य सरकारी कार्यालयों में भी जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों में भगवान बिरसा मुंडा एवं अन्य जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके योगदान को नमन किया गया।

निदेशक की नियुक्ति में अटका जीबीयू का एआई सेंटर, 50 करोड़ रुपये की लागत से तैयार हो रहा

एजेंसी

नोएडा। जीबीयू में करीब 50 करोड़ रुपये की लागत से तैयार एआई सेंटर अब तक शुरू नहीं हो सका है। निदेशक की नियुक्ति नहीं होने के कारण पूरा प्रोजेक्ट अटका हुआ है। विश्वविद्यालय में तैयार इस सेंटर को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, कंप्यूटर साइंस, डाटा साइंस और तकनीकी शोध के बड़े केंद्र के रूप में विकसित करने की योजना है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और आधुनिक तकनीक के क्षेत्र में विद्यार्थियों को नई सुविधाएं देने के उद्देश्य से गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय (जीबीयू) में करीब 50 करोड़ रुपये की लागत से तैयार एआई सेंटर अब तक शुरू नहीं हो सका है। सेंटर का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है और इसके शुभारंभ की तैयारी भी शुरू है, लेकिन निदेशक की नियुक्ति नहीं



होने के कारण पूरा प्रोजेक्ट अटका हुआ है। नतीजतन, करोड़ों रुपये की लागत से तैयार इस सेंटर का लाभ अभी तक विद्यार्थियों और शोधार्थियों को नहीं मिल पा रहा है। 2024 में प्रदेश सरकार की ओर से बजट का एलान किया गया था। दो साल बीतने के बाद भी अब तक सेंटर शुरू नहीं हो सका है। विश्वविद्यालय में तैयार इस सेंटर को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, कंप्यूटर साइंस, डाटा साइंस और तकनीकी शोध के बड़े केंद्र के रूप में विकसित करने की योजना है। यहां सुपर कंप्यूटर के साथ नई और पुरानी पीढ़ी के अत्याधुनिक कंप्यूटर उपलब्ध कराए गए हैं। इनके माध्यम से विद्यार्थी आधुनिक तकनीक पर आधारित प्रोजेक्ट, शोध और नवाचार से जुड़ी गतिविधियां कर सकेंगे। हालांकि एक बार की प्रकिया हो चुकी है। उसमें योग्य डायरेक्टर नहीं मिल सका है। अब दूसरे चरण में फिर से डायरेक्टर की खोज शुरू की जाएगी। डायरेक्टर के मिलते ही दिसंबर में केंद्र के शुरू होने की योजना है। कुलसचिव प्रो. चंदर कुमार सिंह ने बताया कि डायरेक्टर की नियुक्ति की प्रकिया चल रही है। नियुक्ति होते ही एआई सेंटर शुरू हो जाएगा। रिसर्च और तकनीकी शिक्षा को मिलना था बढ़ावा एआई सेंटर शुरू होने से विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, सुपर कंप्यूटिंग और आधुनिक तकनीकी शोध के क्षेत्र में काम करने का अवसर मिलने की उम्मीद है। इसके अलावा शोधार्थियों को जटिल डाटा का विश्लेषण करने और नई तकनीक विकसित करने के लिए बेहतर संसाधन उपलब्ध हो सकेंगे। इन प्रक्रियाओं में होगी आसानी इन लैब में छात्र विभिन्न टूल और तकनीक का प्रयोग कर सकेंगे।

संगठन की मजबूती के लिए कार्यकर्ता निभाएं अहम भूमिका: डॉ. अर्चना गुप्ता

एजेंसी

गुरुग्राम। रविवार को यहां भाजपा कार्यालय गुरुकमल में प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता ने भाजपा गुरुग्राम महानगर के कार्यालय का उद्घाटन किया। जिला स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने हवन-यज्ञ में आहुति अर्पित कर पूजा-अर्चना की तथा संगठन की मजबूती और जनकल्याण की मंगलकामना की। अपने संबोधन में प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के संगठन की वास्तविक शक्ति उसके समर्पित, निष्ठावान और सक्रिय कार्यकर्ता हैं। कार्यकताओं के सामूहिक प्रयास, अनुशासन और संगठन के प्रति समर्पण से ही पार्टी की विचारधारा तथा जनसेवा का संकल्प समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचता है। उन्होंने कार्यकताओं से संगठन गढ़े चलो, सुपथ पर बढ़े चलो के मंत्र को आत्मसात करते हुए संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक मजबूत बनाने का आह्वान किया। समाज के प्रत्येक वर्ग से निरंतर संवाद स्थापित करने को प्रेरित किया। डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का कार्यालय केवल बैठकों और प्रशासनिक गतिविधियों का स्थान नहीं, बल्कि संगठनात्मक समन्वय, कार्यकताओं के बीच संवाद, विचार-विमर्श, योजना निर्माण और जनसेवा के संकल्प को आगे बढ़ाने का महत्वपूर्ण केंद्र होता है। प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण एवं उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रही हैं। केंद्र और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, नीतियों तथा उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाना भाजपा के प्रत्येक कार्यकर्ता की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि राष्ट्र प्रथम, अंत्योदय और जनसेवा भारतीय जनता पार्टी की वैचारिक पहचान और संगठन की कार्य संस्कृति का मूल आधार है।

मुठभेड़ में दो गो-तस्कर ढेर, एक आरोपी व पुलिस कर्मी घायल

एजेंसी

नूंह। नूंह जिले के फिरोजपुर झिरका क्षेत्र में रविवार तड़के गो-तस्करी के खिलाफ कार्रवाई के दौरान पुलिस व गो-तस्करों के बीच मुठभेड़ हुई। दोनों तरफ से हुई गोलीबारी में दो आरोपियों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य आरोपी और एक पुलिसकर्मी गोली लगने से घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए नल्हड़ स्थित शहीद हसन खान मेवाती राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मौके से सात गोवंशों को मुक्त कराने के साथ तस्करी में इस्तेमाल की जा रही पिकअप गाड़ी और अवैध हथियार भी बरामद किए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, थाना सदर फिरोजपुर झिरका क्षेत्र में रविवार सुबह करीब साढ़े चार बजे सीएस स्टाफ की टीम गो-तस्करी के खिलाफ कार्रवाई कर रही थी। इसी दौरान कथित गो-तस्करों और पुलिस टीम के बीच मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ के दौरान हुई गोलीबारी में तीन आरोपी घायल हो गए। पुलिस तीनों को उपचार के लिए नल्हड़ मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंची, जहां उपचार के दौरान साबिर निवासी फोंदाबास बीवां और गब्बर उर्फ हाड़िया निवासी शालमपुर, राजस्थान की मौत हो गई। वहीं, ताहिर पुत्र अहमद निवासी घाटमीका, जिला डीग (राजस्थान) घायल है। इस दौरान एक पुलिसकर्मी भी गोली लगने से घायल हुआ है। घटना के बाद पुलिस ने मौके से राजस्थान नंबर की पिकअप गाड़ी बरामद की। पिकअप में सात गोवंश लदे हुए थे, जिन्हें पुलिस ने मुक्त कराया। इसके अलावा घटनास्थल से तीन देसी कट्टे 315 बोर, तीन जिंदा कारतूस और पांच खाली कारतूस भी बरामद किए गए हैं। पुलिस ने बरामद पिकअप, गोवंश और हथियारों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अब मुठभेड़ के दौरान हुई गोलीबारी, घटनाक्रम और उससे जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि आरोपियों का गो-तस्करी और अवैध हथियारों से जुड़े मामलों में कोई पुराना आपराधिक रिकॉर्ड है या नहीं।

नौकरी की आड़ में धर्मांतरण कराने में लगी चार महिलाएं गिरफ्तार

एजेंसी

गुरुग्राम। स्थानीय पुलिस ने धर्मांतरण संबंधी गतिविधियों में संलिप्त होने के आरोप में चार महिलाओं को गिरफ्तार किया है। पुलिस थाना सेक्टर-56 की टीम ने गांव घाटा में रेड के दौरान चारों महिलाओं को मौके से काबू किया। सहायक पुलिस आयुक्त (सदर) कपिल अहलावत ने रविवार को बताया कि मौके से एक सीसीटीवी कैमरा व एक मोबाइल फोन भी बरामद किया गया है। गिरफ्तार की गई महिलाओं की पहचान सुमन कुमारी (उम्र-21 वर्ष) पुत्री विनोद शाह निवासी कोसलपुरी आजादपुर दिल्ली, राजकुमारी चाओबा सिंह (उम्र-36 वर्ष) पुत्री राजकुमार चाओबा निवासी जिला विष्णुपुर मणिपुर (वर्तमान निवासी सेक्टर-86, गुरुग्राम), अशमिता चाहार (उम्र-35 वर्ष) पुत्री दलबहादुर निवासी नेपाल (वर्तमान निवासी कोटला दिल्ली) तथा ललनपुई (उम्र-31 वर्ष) पुत्री वी. ललपनलियाना निवासी आइजोल मिजोरम (वर्तमान निवासी द्वारका, दिल्ली) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार 14 नवंबर 2026 को एक



व्यक्ति ने पुलिस थाना सेक्टर-56 की पुलिस टीम को शिकायत देकर कहा कि गांव घाटा में एसपीआर रोड स्थित सर्विस स्टेशन के नजदीक बनी झुग्गी-झोपड़ियों एवं कच्चे कमरों में कुछ अज्ञात व्यक्ति व महिलाएं गरीब परिवारों के छोटे बच्चों के लिए निजी पाठशाला संचालित कर रहे हैं। आरोप था कि बच्चों को खाने-पीने की वस्तुएं एवं अन्य जरूरी सामान वितरित करने के साथ-साथ धर्मांतरण संबंधी गतिविधियां भी संचालित की जा रही हैं। उन लोगों द्वारा पाठशाला संचालित करके तथा खाने-पीने की वस्तुएं वितरित करके बच्चों को धर्म परिवर्तन के लिए प्रेरित करने का प्रयास किया जा रहा है। इस शिकायत पर संज्ञान लेते हुए थाना सेक्टर-56 की पुलिस टीम द्वारा एसएचओ सुखपाल के नेतृत्व में एक रेडिंग पार्टी तैयार की गई। गांव घाटा स्थित बताए गए स्थान पर रेड की गई। पुलिस टीम को मौके पर चार महिलाएं मिलीं, जिन्होंने पूछताछ के दौरान अपनी पहचान ललनपुई, अशमिता चाहार, राजकुमारी चाओबा सिंह एवं सुमन कुमारी के रूप में बताई। पुलिस टीम द्वारा चारों महिलाओं को काबू किया गया। शिकायत एवं प्रारंभिक जांच के आधार पर आरोपी महिलाओं के विरुद्ध धर्मांतरण के प्रयास से संबंधित अपराध पाए जाने पर थाना सेक्टर-56 में केस दर्ज किया गया। चारों आरोपित महिलाओं को गिरफ्तार किया गया। एक महिला कंपनी में एचआर, एक लीड एनालिस्ट आरोपितों से पुलिस पूछताछ में खुलासा हुआ है कि आरोपित ललनपुई एक निजी कंपनी में एचआर के पद पर कार्य करती है। अशमिता चाहार एक हॉस्पिटल में कैंसर मरीजों के लिए स्वयंसेवक के रूप में कार्य करती है। राजकुमारी चाओबा सिंह एक निजी कंपनी में लीड एनालिस्ट के पद पर कार्यरत है तथा आरोपित युवती सुमन ने गत वर्ष ही ग्रेजुएशन की है। वह अभी बीएड के लिए तैयारी कर रही है। पुलिस के अनुसार ये सभी महिलाएं करीब पिछले एक साल से शनिवार के दिन दिल्ली से गुरुग्राम में आकर बच्चों को शिक्षा व खाने-पीने की वस्तुएं देने के नाम पर निजी पाठशाला संचालित करते हुए उन्हें ईसाई धर्म अपनाने की प्रेरणा दे रही थीं। पुलिस टीम द्वारा घटनास्थल से एक सीसीटीवी कैमरा तथा आरोपिता सुमन कुमारी के कब्जे से एक मोबाइल फोन बरामद किया गया है।

जमानत पर बाहर आकर चेन लूट करने लगा बदमाश, मुठभेड़ के बाद साथी संग गिरफ्तार

एजेंसी

नोएडा। बदमाशों की पहचान दीपू उर्फ पप्पू निवासी बडेसरा पाली अलीगढ़ और मोनू निवासी घटकना मौदहा हमीरपुर के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि दोनों चेन स्नेचर हैं। ग्रेटर नोएडा की बीटा-2 कोतवाली पुलिस ने मुठभेड़ के बाद दो इनामी बदमाशों को गिरफ्तार किया है। दोनों के पैर में गोली लगी है। बदमाशों को अस्पताल में भर्ती कराया है। एक पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित था। एक बदमाश जमानत पर जेल से बाहर आकर अपराध कर रहा था तो दूसरा पूर्व में मुठभेड़ के दौरान भागने में सफल रहा था। दोनों पर विभिन्न थानों में चोरी, लूट आदि के मुकदमें दर्ज हैं। बीटा-2 कोतवाली के प्रभारी विनोद कुमार ने बताया कि रविवार देर रात कोतवाली पुलिस ढकिया बाबा गोल चक्कर के पास चेंकिंग कर रही थी। तभी बाइक सवार दो युवकों को रुकने का इशारा



किया लेकिन पुलिस को देखकर दोनों ने भागने का प्रयास किया। पुलिस ने पीछा किया तो आरोपियों की बाइक फिसल गई। गिरने के बाद दोनों ने पुलिस ने फायरिंग की। जवाब में पुलिस ने फायरिंग की। जिसमें दोनों पैर में गोली लगने से घायल हो गए। पुलिस ने दोनों को दबोच लिया। बदमाशों की पहचान दीपू उर्फ पप्पू निवासी बडेसरा पाली अलीगढ़ और मोनू निवासी घटकना मौदहा हमीरपुर के रूप में हुई है। इस समय दीपू ग्रेटर नोएडा के हल्दौनी गांव और मोनू भंगेल में रह रहा था। दोनों के पास से चोरी की एक बाइक और अवैध हथियार बरामद किए हैं। पुलिस ने बताया कि दोनों चेन स्नेचर हैं। मोनू चेन स्नेचिंग में जेल जा चुका है। इस समय जमानत पर जेल से बाहर चल रहा था। वहीं जून माह में मुठभेड़ के दौरान दीपू फरार हो गया था। तब उसका साथ राजेंद्र उर्फ लल्लू लूट की चेन के साथ गिरफ्तार हुआ था। उस पर 25 हजार का ईनाम घोषित था। दीपू पर 8 मुकदमें और मोनू पर 19 मुकदमें दर्ज हैं।

ओखला झील का पानी होगा साफ, नक्षत्र वाटिका भी स्थापित होगी; जल शक्ति मंत्री ने प्लांट का किया उद्घाटन

एजेंसी

नोएडा। सिंचाई विभाग की तरफ से स्थापित किए गए प्लांट का रविवार को प्रदेश के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने उद्घाटन किया। मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने बताया कि इस संयंत्र की स्थापना का मुख्य उद्देश्य झील के जल का प्रभावी शोधन एवं शुद्धिकरण सुनिश्चित करना है। दिल्ली-नोएडा के बीच कालिंदी कुंज के पास यूपी सिंचाई विभाग की ओखला झील का पानी



साफ होगा। इसके लिए सिंचाई विभाग की तरफ से स्थापित किए गए प्लांट का रविवार को प्रदेश के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने उद्घाटन किया। इसके साथ ही सिंचाई विभाग के परिसर में नक्षत्र वाटिका भी बनेगी। इस वाटिका में भी अलग-अलग नक्षत्रों के प्रतीक 27 प्रजातियों के पौधे मंत्री व विभाग के अधिकारियों ने लगाए। मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने बताया कि इस संयंत्र की स्थापना का मुख्य उद्देश्य झील के जल का प्रभावी शोधन एवं शुद्धिकरण सुनिश्चित करना है। इसके संचालन से झील के पानी की गुणवत्ता में सुधार लाने, जल संसाधनों के बेहतर प्रबंधन तथा पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में सहायता मिलेगी। वहीं नक्षत्र वाटिका प्रकृति से जोड़ने का एक अभिनव प्रयास है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता के संवर्धन एवं हरित परिसर के विकास की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण पहल है। मंत्री ने विभाग के अधिकारियों से जल संसाधनों के संरक्षण, जल की गुणवत्ता बनाए रखने तथा आधुनिक तकनीक के माध्यम से जल शोधन व्यवस्था को सुदृढ़ करने के महत्व पर बल दिया। कार्यक्रम में सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के प्रमुख सचिव अनिल गर्ग, मुख्य अभियंता (सज्जा एवं सामग्री प्रबंधन) उपेन्द्र सिंह, मुख्य अभियंता, यमुना संगठन दिनेश सिंह समेत अन्य मौजूद रहे।

सड़कों के लिए जमीन अधिग्रहण से पहले सामाजिक प्रभाव अध्ययन होगा

एजेंसी

गुरुग्राम। मिलेनियम सिटी के नौ सेक्टरों में प्रस्तावित 24 मीटर चौड़ी सड़कों के लिए जमीन अधिग्रहण से पूर्व सामाजिक प्रभाव अध्ययन किया जाएगा। नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग के निदेशक ने चएसआईआईडीसी के प्रबंध निदेशक से अध्ययन करवाने का आग्रह किया है। इस अध्ययन के बाद भूमि अधिग्रहण अधिनियम के तहत जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया को शुरू किया जाएगा। जमीन अधिग्रहण से पहले होगा सामाजिक प्रभाव अध्ययन सेक्टर-81 से लेकर सेक्टर-86 और सेक्टर-104 में 24 मीटर चौड़ी सड़कों के निर्माण को लेकर नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग ने सर्वे किया था। इस सर्वे में सामने आया था कि गांव गुड़गांव गांव,



धनवापुर, लखनौला, नवादा फतेहपुर, मानेसर, शिकोहपुर, सिकंदरपुर बढ़ा, सिंही, खेड़की दौला, बामडौली और बढ़ा में करीब 107 एकड़ जमीन की जरूरत थी। इसमें से 10.74 एकड़ जमीन के अधिग्रहण की आवश्यकता है। बची जमीन पर बिल्डरों को ट्रांसफरेबल डिवेलपमेंट राइट्स (टीडीआर) जारी किया जा चुका है। भूमि अधिग्रहण अधिनियम के तहत जमीन अधिग्रहण करने से पहले सामाजिक प्रभाव अध्ययन करना अनिवार्य है। ऐसे में इस अध्ययन की जिम्मेदारी एचएसआईआईडीसी को सौंपी गई है। पायलेट प्रोजेक्ट के तहत इन सेक्टरों का चयन हुआ मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इन सड़कों के अभाव के कारण सैकड़ों सोसाइटी और कॉलोनी निवासियों की असुविधाओं को देखते हुए जमीन अधिग्रहण करके निर्माण करने के आदेश जारी किए थे। सेक्टर-58 से लेकर सेक्टर-115 तक 24 मीटर चौड़ी सड़कों के निर्माण के लिए करीब 1158 एकड़ जमीन की जरूरत है। पायलेट प्रोजेक्ट के तहत इन नौ सेक्टरों की जमीन का अधिग्रहण का फैसला हुआ है। सड़कों का निर्माण नहीं होने से लाखों परिवार परेशान इन सड़कों का निर्माण नहीं होने की वजह लाखों लोग परेशान हैं। सेक्टर-104 स्थित गोदरेज समिट सोसाइटी के निवासी बजरंग जैन ने बताया कि राजस्व रास्ते से आना-जाना पड़ता है। इसकी चौड़ाई कम है। गांववासी और आसपास लगती कॉलोनियों के निवासी भी इस रास्ते से आते-जाते हैं। ऐसे में इन सड़कों का निर्माण बहुत आवश्यक है। द्वारका एक्सप्रेसवे वेलफेयर एसोसिएशन के उप संयोजक सुनील सरीन के मुताबिक सड़कों के अभाव में द्वारका एक्सप्रेसवे पर विकसित सभी सेक्टरों में विकसित सोसाइटी और कॉलोनी के निवासी परेशान हैं। उन्हें आवागमन के लिए गांव के कच्चे रास्तों से निकलना पड़ता है। बारिश में तो स्थिति बदतर हो जाती है। पायलेट प्रोजेक्ट के तहत नौ सेक्टरों में 24 मीटर चौड़ी सड़कों के जमीन अधिग्रहण का चयन हुआ है। एचएसआईआईडीसी से सामाजिक प्रभाव अध्ययन करने का आग्रह किया है। इसके पश्चात सड़कों के अधिग्रहण की प्रक्रिया को शुरू किया जाएगा।

डिजिटल पेमेंट को मिलेगी रफ्तार, दुकानदारों को इंसेंटिव देगी एनपीसीआई

मुंबई ।

नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) ने डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के लिए एक नई स्कीम शुरू की है। छोटे दुकानदारों को अब यूपीआई क्यूआर कोड और साउंड बॉक्स लगाने पर वित्तीय प्रोत्साहन मिलेगा, जिससे डिजिटल लेनदेन को जमीनी स्तर पर बढ़ावा मिलेगा। एनपीसीआई द्वारा शुरू की गई इस योजना के तहत, नए दुकानदारों को पहली बार यूपीआई क्यूआर कोड स्थापित करने पर 300 रुपये का इंसेंटिव मिलेगा। वहीं भुगतान अलर्ट के लिए साउंड बॉक्स लगाने पर 750 रुपये तक का प्रोत्साहन दिया जाएगा। दो हजार रुपये तक के पात्र यूपीआई लेनदेन भी इस योजना में शामिल होंगे। इस पहल का सीधा लाभ किराना दुकानदारों, फेरीवालों और छोटे रिटेल व्यापारियों को मिलेगा। इसका मुख्य उद्देश्य छोटे शहरों और दूर-दराज के इलाकों में डिजिटल भुगतान के इस्तेमाल को बढ़ाना है। यह योजना डिजिटल इंडिया के सपने को साकार करने में अहम भूमिका निभाएगी।

उज्ज्वला लाभार्थियों को 625 में मिल रहा रसोई गैस सिलेंडर

नई दिल्ली ।

घरेलू और कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में सोमवार को कोई बदलाव नहीं किया गया है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को सरकार की ओर से बड़ी सब्सिडी जारी है, जिसके चलते दिल्ली में उन्हें घरेलू सिलेंडर मात्र 642 रुपए में मिल रहा है। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन की रिपोर्ट के अनुसार, एक एलपीजी सिलेंडर के उत्पादन पर कंपनी का खर्च 1,267.24 रुपए है। उज्ज्वला योजना के तहत केंद्र सरकार इस लागत और लाभार्थी द्वारा चुकाई जाने वाली राशि के बीच 625.24 रुपए का बड़ा अंतर वहन करती है। इस योजना का लाभ जारी रखने के लिए लाभार्थियों को ई-केवाईसी प्रक्रिया पूरी करना अनिवार्य है, जिसे गैस कंपनी के मोबाइल ऐप या नजदीकी गैस एजेंसी पर जाकर किया जा सकता है। देश के प्रमुख शहरों में घरेलू और कमर्शियल सिलेंडर की कीमतें स्थिर हैं। दिल्ली में 14.2 किलोग्राम वाला घरेलू एलपीजी सिलेंडर 942.50 रुपए और 19 किलोग्राम वाला कमर्शियल सिलेंडर 2,820 रुपए में उपलब्ध है। अन्य शहरों में भी कीमतें लगभग इसी स्तर पर बनी हुई हैं।

मिस्र ने भारतीय कंपनियों को विशेष निवेश क्षेत्र स्थापित करने का न्योता दिया

काहिरा ।

मिस्र ने भारत के साथ आर्थिक संबंधों को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की इच्छा व्यक्त करते हुए भारतीय कंपनियों से अपने देश में विशेष निवेश क्षेत्र या मुक्त व्यापार क्षेत्र स्थापित करने का आग्रह किया है। मिस्र ने इसके लिए जमीन और हरसंभव मदद की पेशकश की है, जिसका वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने स्वागत किया। मिस्र के निवेश एवं विदेशी व्यापार मंत्री मोहम्मद फरीद सालेह ने भारतीय कारोबारियों से स्वेज नहर और गोल्डन ट्रायंगल जैसे आर्थिक क्षेत्रों में निवेश करने का आह्वान किया। उन्होंने विशेष रूप से भारत के लिए एक ऐसा क्षेत्र बनाने का सुझाव दिया, जहाँ दोनों देशों की कंपनियाँ मिलकर उत्पादन और व्यापार कर सकें तथा एक साझा व्यावसायिक संस्कृति विकसित कर सकें। सालेह ने जमीन की उपलब्धता और सरकारी सहायता का आश्वासन दिया। यह पहल ऐसे समय में आई है जब भारत और मिस्र विनिर्माण, बुनियादी ढांचे और आपूर्ति श्रृंखला जैसे क्षेत्रों में आर्थिक सहयोग बढ़ाने पर विचार कर रहे हैं।

श्रीलंका की कंपनी को अंडमान में बिजली संयंत्र बनाने का 7.5 करोड़ डॉलर का ठेका

ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक विकास को मिलेगा बढ़ावा

कोलंबो ।

अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह की बिजली आपूर्ति को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए, श्रीलंका की कंपनी लखदनवी को 57 मेगावाट का बिजली संयंत्र स्थापित करने के लिए 7.5 करोड़ डॉलर (लगभग 625 करोड़ रुपये) का ठेका मिला है। यह परियोजना भारत और श्रीलंका के बीच बढ़ते आर्थिक सहयोग का भी प्रतीक है। कंपनी ने सोमवार को बयान जारी कर इसकी जानकारी दी। लखदनवी ने 21 सितंबर को इस परियोजना के लिए भारत की राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम (एनटीपीसी) के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। यह संयंत्र पोर्ट ब्लेयर के होप टाउन में स्थापित किया जाएगा। इस परियोजना से द्वीपों के बिजली बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, एलएनजी (तरलीकृत प्राकृतिक गैस) के माध्यम से दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने और भविष्य में आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 512, निफ्टी 146 अंक ऊपर आया

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दूनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी होने से आया है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 512.34 अंक बढ़कर 82,104.79 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 146.80 अंक उछलकर 25,291.10 पर पहुंच गया।

हालांकि व्यापक बाजारों का प्रदर्शन प्रमुख बेंचमार्कों से कमजोर रहा, जिनमें निफ्टी मिडकैप 100 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 में क्रमशः 0.51 फीसदी और 1.10 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। क्षेत्रवार देखे तो निफ्टी एफएमसीजी और निफ्टी बैंक में सबसे ज़्यादा तेजी देखने को मिली, जिनमें 1.87फीसदी और 0.89 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई, जबकि निफ्टी ऑटो, निफ्टी रियल्टी और निफ्टी फार्मा का प्रदर्शन खराब रहा है।

मिड-कैप और स्मॉल-कैप शेयरों में प्रॉफिट बुकिंग के कारण व्यापक बाजारों का प्रदर्शन कमजोर रहा, जो ऊंचे स्तरों पर निवेशकों के सतर्क रुख को दिखाता है। इस बीच, लगातार खरीदारी के चलते दिग्गज शेयरों और बैंकिंग शेयरों में तेजी आई।

आज क्षेत्रीय सूचकांकों में मिला-जुला रुख देखने को मिला। निफ्टी एफएमसीजी इंडेक्स 1.2 फीसदी की जोरदार बढ़त के साथ



सबसे आगे रहा। इसके अलावा निफ्टी बैंक, प्राइवेट बैंक, मीडिया, इंफ्रा और पीएसयू बैंक इंडेक्स में भी 0.3फीसदी से 0.6फीसदी तक की तेजी दर्ज की गई। दूसरी ओर, रियल्टी इंडेक्स में 1.9फीसदी, फार्मा में 1.7फीसदी, मेटल में 1.5फीसदी, ऑटो में 1.5फीसदी और एनर्जी इंडेक्स में 0.6फीसदीकी गिरावट देखने को मिली।

वहीं इससे पहले आज सुबह शेयर बाजार की जोरदार बढ़त के साथ शुरुआत

हुई। कमजोर वैश्विक संकेतों को दरकिनार करते हुए घरेलू बाजार हरे निशान में खुला। आज सुबह सेंसेक्स 560 अंकों से अधिक उछल गया, जबकि एनएसई निफ्टी भी 140.30 अंक चढ़कर 25,284.60 पर कारोबार करता दिखा। बाजार को पीएसयू बैंकों और हेल्थकेयर शेयरों में आई तेजी से मजबूत सहारा मिला।

रुपया गिरावट के साथ बंद



मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 25 पैसे की गिरावट के साथ ही 93.94 पर बंद हुआ। रुपया सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन शुरुआती कारोबार में छह पैसे की बढ़त के साथ ही 94.13 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और घरेलू बाजारों में सकारात्मक रुख से भी रुपये को बल मिला। अमेरिका और ईरान के बीच अनिश्चितता के बीच डॉलर में मजबूती और अमेरिकी कोष बॉन्ड प्रतिफल में वृद्धि ने रुपये की बढ़त को सीमित किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.22 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान यह 94.13 के उच्च स्तर और 94.25 के निचले स्तर तक गया। रुपया शुक्रवार को सात पैसे टूटकर 94.19 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.03 फीसदी की बढ़त के साथ 103.44 पर रहा।

आईडीबीआई बैंक निजीकरण पर घमासान, डील रोकने आरबीआई से लगाई गुहार

यूनियन ने कनाडाई कंपनी फेयरफैक्स की क्षमता और हितों के टकराव पर उठाए सवाल

नई दिल्ली ।

आईडीबीआई बैंक के प्रस्तावित निजीकरण को लेकर विवाद और गहरा गया है। बैंक अधिकारियों और कर्मचारियों के संगठन ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से बैंक की बिक्री प्रक्रिया पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है। वे कनाडाई कंपनी फेयरफैक्स फाइनेंशियल होल्डिंग्स को बैंक बेचने के प्रस्ताव पर सवाल उठाते हुए पूरे सौदे की स्वतंत्र जांच कराने की अपील कर रहे हैं। यूनाइटेड फोरम ऑफ आईडीबीआई ऑफिसर्स एंड एम्प्लॉइज ने आरबीआई गवर्नर से 52,878 करोड़ रुपये के प्रस्तावित सौदे को रोकने की अपील की है।

यूनियन ने आरबीआई से सरकार और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को इस विनिवेश प्रक्रिया को रद्द करने की सलाह देने का भी आग्रह किया है। अक्टूबर 2026 में, आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने फेयरफैक्स की सहायक कंपनी को आईडीबीआई बैंक के रणनीतिक खरीदार के रूप में मंजूरी दी थी, जिसके तहत केंद्र और एलआईसी अपनी कुल 60.72 फीसदी हिस्सेदारी बेचेंगे। हालांकि, यूनियन ने फेयरफैक्स की बैंकिंग क्षेत्र में विशेषज्ञता और इतने बड़े बैंक को संभालने की क्षमता पर गंभीर सवाल उठाए हैं।

टेक्नोलॉजी का जादू-एआई के दम पर दौड़ेगी दुनिया की अर्थव्यवस्था रिपोर्ट

2027 में भारत की वृद्धि दर 7.2 फीसदी रहने का अनुमान

नई दिल्ली ।

गोल्डमैन सैक्स ने अपनी नवीनतम ग्लोबल इकोनॉमिक आउटलुक 2027 रिपोर्ट में वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण पेश किया है।

रिपोर्ट के अनुसार, 2027 में वैश्विक अर्थव्यवस्था 2.8 फीसदी की दर से बढ़ने का अनुमान है, जो 2026 के अनुमानित 2.7 फीसदी की वृद्धि से थोड़ा अधिक है।

ऊर्जा कीमतों में कमी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) में लगातार निवेश इस वृद्धि के मुख्य आधार होंगे, जो सख्त वित्तीय स्थितियों और सरकारी खर्च में कमी के प्रभाव को संतुलित करेंगे। गोल्डमैन सैक्स के एक मुख्य अर्थशास्त्री के अनुसार, 2027 में सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि ठोस लेकिन सामान्य रहेगी। रिपोर्ट बताती है कि 2026 में वैश्विक आर्थिक वृद्धि पर दबाव डालने वाली ऊर्जा कीमतें, 2027 में इनका मामूली असर पड़ेगा। गोल्डमैन सैक्स के कमोडिटी विश्लेषकों का अनुमान है कि ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतें 2027 के अंत तक 78 डॉलर प्रति बैरल तक गिर जाएंगी। वैश्विक तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की कीमतों में भी इसी तरह की कमी आएगी, जिससे आर्थिक गतिविधियों को बल मिलेगा। एआई निवेश और प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं का प्रदर्शन कृत्रिम बुद्धिमत्ता में निवेश 2027 में बढ़कर 1.8 ट्रिलियन डॉलर होने का अनुमान है, जो 2026 में 1.1 ट्रिलियन डॉलर था।

अकेले एआई निवेश 2027 में वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि में 0.4 प्रतिशत अंक का योगदान दे सकता है। प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में, भारत की वृद्धि 2027 में 7.2 फीसदी रहने का अनुमान है, जो हालांकि 2026 के 7.9 फीसदी से कम है, लेकिन 6.8 फीसदी के आम सहमति अनुमान से अधिक है। चीन की अर्थव्यवस्था 4.5 फीसदी और अमेरिका की अर्थव्यवस्था 2.4 फीसदी की दर से बढ़ने की उम्मीद है।

गोल्डमैन सैक्स को उम्मीद है कि ऊर्जा कीमतों में गिरावट से वैश्विक महंगाई कम होगी। अमेरिका में, व्यक्तिगत उपभोग व्यय सूचकांक द्वारा मापी गई मुख्य महंगाई 2027 के अंत तक 2.4 फीसदी तक गिरने का अनुमान है, जो 2026 के अंत में 3.2 फीसदी थी।

हालांकि, रिपोर्ट ने वैश्विक वृद्धि परिदृश्य के लिए नकारात्मक जोखिमों की चेतावनी भी दी है। इनमें ईरान युद्ध का फिर से बढ़ना, बड़े सरकारी घाटे से बढ़ती उधार लागत, और क्षमता बाधाओं या कमजोर मांग के कारण एआई निवेश का उम्मीद से कम होना शामिल है, जो वैश्विक आर्थिक वृद्धि पर असर डाल सकते हैं।

मंगलम और आदित्य बिड़ला की दो कंपनियां चीन की होंगी, 265 मिलियन डॉलर में हुई डील

नई दिल्ली।

भारत के अरबपति कुमार मंगलम बिड़ला की आदित्य बिड़ला ग्रुप की कंपनी हिंडाल्को इंडस्ट्रीज की सब्सिडियरी नोवेलिस चीन में अपनी दो कंपनियों को बेचने का फैसला किया है। ये डील 14 नवंबर को हुई। डील की कुल कीमत करीब 265 मिलियन डॉलर यानी करीब 2,497.50 करोड़ रुपए है। हालांकि अगर सौदे से जुड़ी कुछ शर्तें पूरी होने पर 10 मिलियन डॉलर का अतिरिक्त भुगतान भी मिल सकता है।

हिंडाल्को का कहना है कि इस कदम का मकसद अपने वैश्विक कारोबार को बेहतर तरीके से व्यवस्थित करना और भविष्य की रणनीति के मुताबिक कारोबार पर ध्यान केंद्रित करना है। इस डील के तहत हिंडाल्को की सब्सिडियरी नोवेलिस अपनी दो पूर्ण स्वामित्व वाली चीनी सब्सिडियरी कंपनियों को बेचेगी। ये दोनों कंपनियां चीन में नोवेलिस के कारोबार का हिस्सा हैं। नोवेलिस, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज की सब्सिडियरी है। इस तरह इन कंपनियों का अप्रत्यक्ष संबंध आदित्य बिड़ला ग्रुप से है।

हिंडाल्को ने एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि इन दोनों कंपनियों को खरीदने वाली कंपनी उसकी सहयोगी कंपनियां हैं। यह सौदा 14 नवंबर 2026 को फाइनल एग्रीमेंट के जरिए किया गया। हालांकि, इसे पूरा होने में अभी समय लगेगा। कंपनी के मुताबिक जरूरी नियामकीय मंजूरियां मिलने के बाद अगले 12 महीनों के अंदर यह डील पूरी होने की उम्मीद है। हिंडाल्को ने बताया कि खरीदार का संबंध हिंडाल्को के प्रमोटर ग्रुप या उसकी ग्रुप कंपनियों से नहीं है। इसलिए इस सौदे को संबंधित पक्षों के बीच होने वाला लेनदेन नहीं माना जाएगा।

चीन की इन दोनों कंपनियों का हिंडाल्को के कुल कारोबार में योगदान भी रहा है। वित्त वर्ष 2026 में इन कंपनियों ने करीब 376 मिलियन डॉलर यानी करीब 3,319 करोड़ रुपए की नेट सेल्स दर्ज की थी।

यह हिंडाल्को की कुल नेट सेल्स का करीब एक फीसदी था। वहीं, इन कंपनियों का योगदान हिंडाल्को की नेटवर्थ में भी रहा। वित्त वर्ष 2026 के आखिरी में इनकी नेटवर्थ करीब 259 मिलियन डॉलर यानी करीब 2,420 करोड़ रुपए थी। यह हिंडाल्को की कुल नेटवर्थ का करीब 2 फीसदी हिस्सा था।

निवेशकों की पहली पसंद बने लार्ज एंड मिडकैप फंड्स

अक्टूबर में दोगुना हुआ इनफ्लो, इन 3 स्कीम्स ने दिया 11 फीसदी से अधिक का रिटर्न

मुंबई ।

म्यूचुअल फंड निवेशकों के बीच लार्ज एंड मिडकैप फंड्स की लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है। अक्टूबर 2026 में इक्विटी म्यूचुअल फंड की सभी कैटेगरी में इन्होंने सबसे ज्यादा निवेश आकर्षित किया, जो निवेशकों के बढ़ते भरोसे को दर्शाता है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के आंकड़ों के अनुसार, इस कैटेगरी में अक्टूबर में 8,484.23 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड नेट इनफ्लो दर्ज किया गया, जो सितंबर के 4,271.22 करोड़ रुपये से लगभग दोगुना है।

यह दर्शाता है कि निवेशक इस कैटेगरी में अपना भरोसा बढ़ा रहे हैं। सिर्फ इनफ्लो ही नहीं, रिटर्न के मामले में भी इन फंड्स ने निवेशकों को निराश नहीं किया। एक साल के रिटर्न के लिहाज से टॉप 3 स्कीम्स ने 11 फीसदी से अधिक का रिटर्न दिया है। इनमें इनवेस्को इंडिया लार्ज एंड मिड कैप फंड, एचएसबीसी लार्ज एंड मिडकैप फंड और क्वांट लार्ज एंड मिड कैप फंड शामिल हैं। इन तीनों का कुल एयूएम 23,800 करोड़ रुपये से अधिक है।

थोक मुद्रास्फीति में बड़ा उछाल, अक्टूबर में 12.29 फीसदी पहुंची

ईंधन-बिजली, खाद्य पदार्थों और खनिजों की ऊंची कीमतों ने दिया जोर

नई दिल्ली ।

अक्टूबर में थोक मुद्रास्फीति एक बार फिर बढ़कर 12.29 प्रतिशत पर पहुंच गई है, जो सितंबर के 11.39 प्रतिशत से काफी अधिक है। ईंधन एवं बिजली, खाद्य पदार्थों, खनिजों और गैर-खाद्य वस्तुओं की कीमतों में भारी उछाल इस वृद्धि के प्रमुख कारण रहे हैं, जिससे आम जनता और उद्योगों दोनों पर दबाव बढ़ रहा है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, ईंधन एवं बिजली की महंगाई अक्टूबर में 32.84 प्रतिशत रही, जो सितंबर में 25.85 प्रतिशत थी। इसी तरह, खाद्य पदार्थों की महंगाई दर भी बढ़कर 8.26 प्रतिशत हो गई, जबकि पिछले महीने यह 8.14 प्रतिशत थी। खनिजों में कीमतों में वृद्धि की दर 12.64 प्रतिशत रही, जो सितंबर में 9.51 प्रतिशत थी।



कुल मिलाकर, प्राथमिक वस्तुओं की श्रेणी में थोक महंगाई अक्टूबर में बढ़कर 9.24 प्रतिशत तक पहुंच गई, जो पिछले महीने 8.67 प्रतिशत थी। मंत्रालय ने बताया कि खनिज तेल, कच्चा पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस, बिजली, बुनियादी धातुओं का विनिर्माण, रसायन एवं रासायनिक उत्पादों और खाद्य उत्पादों का विनिर्माण सहित विभिन्न वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी ने थोक महंगाई को बढ़ावा दिया है।

भारत-मिस्र का महत्वाकांक्षी लक्ष्य, 12 अरब डॉलर व्यापार का रोडमैप

संयुक्त कार्य समूह गठित करने का निर्णय, गैर-शुल्क बाधाएं हटाने और बाजार पहुंच बेहतर करने पर जोर

काहिरा ।

भारत और मिस्र ने द्विपक्षीय व्यापार को मौजूदा 6.5 अरब डॉलर से बढ़ाकर 12 अरब डॉलर तक पहुंचाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किया है।

इसके लिए दोनों देशों ने गैर-शुल्क बाधाओं को कम करने, सीमा शुल्क प्रक्रियाओं को सुगम बनाने और बाजार तक पहुंच बेहतर करने जैसे मुद्दों पर चर्चा की। सोमवार को जारी एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। यह विचार-विमर्श रविवार को हुई भारत-मिस्र संयुक्त व्यापार समिति (जेटीसी) की बैठक में हुआ, जिसकी सह-अध्यक्षता वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और मिस्र के निवेश एवं विदेश व्यापार मंत्री मोहम्मद फरीद सालेह ने की। द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए दोनों देशों ने एक तरजीही व्यापार समझौते या मुक्त व्यापार समझौते की संभावनाओं पर विचार करने हेतु एक संयुक्त कार्य समूह गठित करने का निर्णय लिया है। इसके अतिरिक्त, उत्पादों के पंजीकरण और व्यापार संबंधी नियामकीय प्रक्रियाओं सहित कारोबारी गतिविधियों को प्रभावित करने वाले मुद्दों के समाधान पर भी गहन विचार-विमर्श हुआ। दोनों पक्षों ने मौजूदा व्यापार संबंधों की समीक्षा करते हुए इसे 12 अरब डॉलर तक ले जाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई, साथ ही व्यापार में विविधता लाने, मूल्यवर्धित निर्यात को बढ़ावा देने और व्यापार संबंधी चुनौतियों का समाधान करने पर जोर दिया।

प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में दवा एवं चिकित्सा उपकरण, इंजीनियरिंग, बिजली उपकरण, उर्वरक, कपड़ा, नवीकरणीय ऊर्जा और उभरती प्रौद्योगिकियां शामिल हैं।

दोनों देशों ने संयुक्त विनिर्माण और निवेश को प्रोत्साहित करने पर भी ध्यान केंद्रित किया।

मिस्र के औद्योगिक क्षेत्रों में भारतीय निवेश और भारत के तेजी से बढ़ते विनिर्माण एवं सेवा क्षेत्रों में मिस्र के निवेश के अवसरों पर महत्वपूर्ण चर्चा हुई। 'इन्वेस्ट इंडिया' और मिस्र के निवेश एवं मुक्त क्षेत्र प्राधिकरण के बीच एक रूपरेखा समझौते को मजबूत करने में भी रुचि दिखाई गई, जिसमें एक प्रस्तावित डिजिटल मंच भी शामिल है।

माइक्रोसॉफ्ट आउटेज से बिगड़ा काम, जानिए कैसे मिलेगा सेवा बाधित होने का क्रेडिट

आउटलुक, टीम्स, वनड्राइव और को-पायलट जैसी महत्वपूर्ण सेवाओं के प्रभावित होने से कर्मचारियों का काम रुका

मुंबई ।

हाल ही में माइक्रोसॉफ्ट की वैश्विक तकनीकी खराबी ने दुनियाभर के दफ्तरों और कारोबारों को घंटों तक ठप कर दिया। आउटलुक, टीम्स, वनड्राइव और को-पायलट जैसी महत्वपूर्ण सेवाओं के प्रभावित होने से कर्मचारियों का काम रुक गया और कंपनियों को भारी परेशानी उठानी पड़ी। अब सवाल यह है कि अपनी पसंदीदा माइक्रोसॉफ्ट 365 और ऑफिस 365 सेवाओं के लिए नियमित भुगतान करने वाले बिजनेस ग्राहकों को इस व्यवधान के लिए क्या कोई मुआवजा मिलेगा? माइक्रोसॉफ्ट अपने बिजनेस ग्राहकों के साथ सर्विस लेवल एग्रीमेंट (एसएलए) करती है, जिसके तहत वह मासिक आधार पर 99.9 फीसदी अपटाइम का लक्ष्य रखती है। यदि किसी सेवा का अपटाइम इस निर्धारित सीमा से कम होता है, तो पात्र बिजनेस ग्राहक बिल क्रेडिट के लिए आवेदन कर सकते हैं। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि सभी ग्राहकों को पूरा पैसा वापस मिलेगा, क्योंकि क्रेडिट की राशि कई कारकों पर निर्भर करती है। कंपनी प्रभावित यूजर्स की संख्या और उनके काम में हुई कुल रुकावट (यूजर मिनट्स) का हिसाब लगाती है। क्रेडिट की राशि भी उस विशिष्ट सेवा पर निर्भर करेगी जिसमें खराबी आई थी। उदाहरण के लिए, यदि केवल आउटलुक बाधित हुआ था और माइक्रोसॉफ्ट 365 की अन्य सेवाएं सामान्य रूप से काम कर रही थीं, तो ग्राहक को केवल आउटलुक के हिस्से का ही मामूली क्रेडिट मिल पाएगा। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि यह सुविधा मुख्य रूप से उन बिजनेस ग्राहकों के लिए है जिन्होंने माइक्रोसॉफ्ट सेवाओं के लाइसेंस खरीदे हैं; व्यक्तिगत कर्मचारी सीधे मुआवजे का दावा नहीं कर सकते। क्रेडिट पाने के लिए प्रभावित कंपनियों को स्वयं दावा करना होगा, क्योंकि माइक्रोसॉफ्ट स्वचालित रूप से क्रेडिट जारी नहीं करती।

महानदी कोलफील्ड्स का आईपीओ 19 नवंबर को खुलेगा

मूल्य दायरा 129-136 रुपये प्रति शेयर तय

नई दिल्ली ।

कोल इंडिया की अनुषंगी कंपनी महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड (एमसीएल) अपने 8,981 करोड़ रुपये के महत्वाकांक्षी आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के साथ बाजार में उतरने की तैयारी में है। ओडिशा स्थित इस कंपनी ने अपने शेयरों के लिए 129-136 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। यह निर्गम 19 नवंबर को अभिदान के लिए खुलेगा और 23 नवंबर को बंद हो जाएगा, जिससे निवेशकों के लिए एक नया अवसर पैदा होगा। महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड का यह आईपीओ पूरी तरह से बिक्री पेशकश (ओएफएस) पर आधारित है। इसके तहत प्रवर्तक कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड अपनी 66.18 करोड़ इक्विटी शेयर बेचकर पूंजी जुटाएगी। चूंकि यह एक ओएफएस है, इसलिए आईपीओ से मिलने वाली पूरी राशि एमसीएल के बजाय शेयर बेचने वाली कंपनी कोल इंडिया को प्राप्त होगी।

एंकर निवेशकों के लिए बोली प्रक्रिया 18 नवंबर को शुरू होगी। सफल निर्गम के बाद, कंपनी के शेयर 27 नवंबर को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर सूचीबद्ध होने की संभावना है। यह सूचीबद्धता कोल इंडिया के लिए विनिवेश प्रक्रिया में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो देश के घरेलू कोयला उत्पादन में 80 प्रतिशत से अधिक का योगदान करती है।

भारत के आर्थिक विकास में राज्यों को बढ़ानी होगी अपनी हिस्सेदारी



प्रहलाद सबनानी

वर्तमान में जनसंख्या की दृष्टि से उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश एवं राजस्थान सबसे बड़े राज्यों की श्रेणी में गिने जाते हैं। परंतु, 1980 के दशक में इन राज्यों को 'बीमारु' राज्य की संज्ञा दी गई थी, क्योंकि इन राज्यों की जनसंख्या सबसे अधिक थी, भारत के 10 में से 4 नागरिक इन राज्यों में निवास करते थे।

भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए देश के समस्त राज्यों को देश के आर्थिक विकास में अपनी भागीदारी बढ़ानी होगी। विशेष रूप से उन राज्यों को, जिनकी आर्थिक विकास दर देश की औसत आर्थिक विकास दर से नीचे है। भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लिए औसतन 10 प्रतिशत प्रतिवर्ष की आर्थिक विकास दर हासिल करना आवश्यक है।

वर्तमान में जनसंख्या की दृष्टि से उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश एवं राजस्थान सबसे बड़े राज्यों की श्रेणी में गिने जाते हैं। परंतु, 1980 के दशक में इन राज्यों को ÷बीमारु÷ राज्य की संज्ञा दी गई थी, क्योंकि इन राज्यों की जनसंख्या सबसे अधिक थी, भारत के 10 में से 4 नागरिक इन राज्यों में निवास करते थे। साथ ही, इन राज्यों की आर्थिक विकास दर तुलनात्मक रूप से बहुत कम थी जिससे इन राज्यों की प्रति व्यक्ति आय भी बहुत कम थी।

वर्ष 2000-01 में उत्तरप्रदेश, बिहार, मध्यप्रदेश एवं राजस्थान का भारत के सकल घरेलू उत्पाद में कुल योगदान 22 प्रतिशत था जो वर्ष 2034-24 में घटकर 21 प्रतिशत हो गया। पिछले, लगभग 25 वर्षों के दौरान देश के इन चारों बड़े राज्यों का देश के सकल घरेलू उत्पाद में योगदान लगभग उसी स्तर पर बना रहा है, जो एक चिन्तनीय विषय होना चाहिए। यदि देश के सबसे बड़े राज्यों का देश के आर्थिक विकास में योगदान नहीं बढ़ेगा तो भारत एक विकसित राष्ट्र की श्रेणी में किस प्रकार शामिल हो सकता है। अतः उक्त बड़े चारों राज्यों को अपने आर्थिक विकास को गति देना अब एक आवश्यक आवश्यकता बन गया है।

वर्ष 2024-25 के प्रति व्यक्ति आय (ल्स्ब्क्क) के आंकड़ों पर यदि नजर डालें तो ध्यान में आता है कि भारत में प्रति व्यक्ति आय का स्तर 234,859 रुपए प्रतिवर्ष था। जबकि बिहार में प्रति व्यक्ति आय 76,000 रुपए प्रतिवर्ष थी, उत्तर प्रदेश में यह 126,304 रुपए थी, मध्य प्रदेश में 170,320 रुपए थी एवं राजस्थान में 206,440 रुपए थी। भारत में प्रति व्यक्ति आय बिहार में प्रति व्यक्ति आय की तुलना में तीन गुणा अधिक है। जबकि उत्तर प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय की तुलना में भी भारत में प्रति व्यक्ति आय लगभग दोगुनी है। मध्य प्रदेश एवं राजस्थान में प्रति व्यक्ति आय की तुलना में भी भारत में प्रति व्यक्ति आय बहुत अधिक है। पूरे भारत में बेरोजगारी की दर 5.1 प्रतिशत है जबकि, राजस्थान में 7.7 प्रतिशत एवं बिहार में 7.3 प्रतिशत है। विशेष रूप से बिहार एवं उत्तर प्रदेश से रोजगार पाने के उद्देश्य से नागरिकों का देश के अन्य प्रदेशों में पलायन 37 प्रतिशत है। अर्थात, पूरे देश में एक राज्य से



दूसरे राज्यों में होने वाले नागरिकों के पलायन का 37 प्रतिशत हिस्सा केवल बिहार एवं उत्तर प्रदेश का होता है। क्योंकि, इन राज्यों में रोजगार के पर्याप्त अवसर निर्मित नहीं हो रहे हैं एवं इन प्रदेशों के नागरिक मजबूरी में अन्य राज्यों को पलायन करते हैं ताकि उन्हें अन्य राज्यों में रोजगार प्राप्त हो सके।

उक्त कारणों के चलते ही, उक्त चारो राज्यों को ÷बीमारु÷ राज्यों की संज्ञा दी गई थी। परंतु, हाल ही के समय में इन राज्यों में, विशेष रूप से, आर्थिक क्षेत्र में, परिस्थितियां तेजी से बदल रही हैं। उक्त चारों राज्यों के सकल घरेलू उत्पाद में कृषि क्षेत्र का योगदान, भारत में कृषि के औसत योगदान की तुलना में, बहुत अधिक है। अर्थात इन राज्यों में उद्योगों का विकास नहीं हो पाया है। मध्यप्रदेश के सकल घरेलू उत्पाद में कृषि क्षेत्र का योगदान 47 प्रतिशत है, जबकि उद्योग क्षेत्र का योगदान 20 प्रतिशत एवं सेवा क्षेत्र का योगदान 33 प्रतिशत है। प्रदेश की अधिकतम आबादी ग्रामीण इलाकों में निवास करती है एवं अपने रोजगार के लिए कृषि क्षेत्र पर निर्भर है। अधिक आबादी के कृषि क्षेत्र पर निर्भर होने के चलते प्रदेश में प्रति व्यक्ति आय भी कम हो जाती है। उद्योग एवं सेवा क्षेत्र के विकसित नहीं होने के चलते इन क्षेत्रों में रोजगार के कम अवसर निर्मित होते हैं एवं मजबूरी में प्रदेश की अधिकतम जनसंख्या को कृषि क्षेत्र पर निर्भर होना पड़ता है अथवा रोजगार के लिए अन्य प्रदेशों को पलायन करना होता है। इसी प्रकार, राजस्थान में भी कुल सकल घरेलू उत्पाद का 31 प्रतिशत हिस्सा कृषि क्षेत्र से आता है, 26 प्रतिशत उद्योग क्षेत्र से एवं 43 प्रतिशत सेवा क्षेत्र से आता है। उत्तर प्रदेश के कुल सकल घरेलू उत्पाद में 28 प्रतिशत कृषि क्षेत्र, 28 प्रतिशत उद्योग क्षेत्र एवं 44 प्रतिशत सेवा क्षेत्र से आता है। बिहार में भी कुल सकल घरेलू उत्पाद का 25 प्रतिशत कृषि क्षेत्र से, 18 प्रतिशत उद्योग क्षेत्र से एवं 57 प्रतिशत सेवा क्षेत्र से आता है। जबकि, भारत के कुल सकल घरेलू उत्पाद में कृषि क्षेत्र का योगदान लगभग 16 से 18 प्रतिशत, उद्योग क्षेत्र का योगदान लगभग 18 से 20 प्रतिशत एवं सेवा क्षेत्र का योगदान लगभग 62 से 64 प्रतिशत है।

हाल ही के समय में, उक्त चारों राज्यों में औद्योगिक विकास के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। जैसे उत्तर प्रदेश ने मोबाइल उत्पादन के क्षेत्र में प्रथम स्थान प्राप्त कर लिया है। मध्य प्रदेश, ऑटोमोबाईल उत्पादन के क्षेत्र में एक हब के रूप में विकसित हो चुका है। इंदौर के आसपास विकसित किए गए ऑटोमोबाईल हब में 10 से अधिक चार पहिया उत्पादन करने वाली इकाईयां स्थापित हो गई हैं एवं 200 से अधिक ऑटो कम्पोनेंट का उत्पादन करने वाली इकाईयां स्थापित हो गई हैं। बिहार शिक्षा के क्षेत्र में अव्वल माना जाता है एवं मखाना उत्पादन के क्षेत्र में बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है। बिहार ने गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहे नागरिकों की संख्या को बहुत बड़ी मात्रा में तेजी से कम करने में सफलता प्राप्त कर ली है। राजस्थान भी 10 वर्ष पूर्व ही गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या को कम करने में सफल रहा है। सकल घरेलू उत्पाद के मामले में आज उत्तर प्रदेश, देश में तीसरे स्थान पर आ गया है। राजस्थान 6ठे स्थान पर, मध्य प्रदेश 10वें स्थान पर एवं बिहार 14वें स्थान पर आ गए हैं।

हाल ही के समय में उक्त चारों राज्यों में आर्थिक विकास ने कुछ गति जरूर पकड़ी है परंतु यह पर्याप्त नहीं है क्योंकि इन चारों राज्यों की तुलना में गुजरात, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक, आन्ध्र प्रदेश, दिल्ली आदि राज्य तुलनात्मक रूप से बहुत तेज गति से आगे बढ़ रहे हैं। विशेष रूप से औद्योगिक विकास के क्षेत्र में मध्य प्रदेश, राजस्थान एवं बिहार को विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। उद्योग जगत के लिए मित्रवत नीतियों को बनाकर औद्योगिक इकाईयों की स्थापना को इन राज्यों को बढ़ावा देना होगा, ताकि इन राज्यों में कृषि के क्षेत्र पर दबाव कम हो एवं उद्योग एवं सेवा क्षेत्रों का योगदान न केवल सकल घरेलू उत्पाद में बल्कि रोजगार के नए अवसर निर्मित करने में भी बढ़े।

आज, उक्त चारों राज्य ÷बीमारु÷ राज्य की श्रेणी से तो बाहर निकल आए हैं, परंतु भारत को विकसित राष्ट्र बनाने हेतु अपने योगदान को बढ़ाने के लिए इन राज्यों को विशेष प्रयास करने होंगे। इन राज्यों के नागरिकों को आगे आने वाले कुछ वर्षों तक केवल अपने प्रदेश के आर्थिक विकास पर ही ध्यान देने की आवश्यकता है। इन राज्यों में विभिन्न समाजों को विशेष प्रयास करते हुए, प्रदेश में किसी भी प्रकार का आंदोलन नहीं होने देना चाहिए। दरअसल, भारत आज विकास के उस चक्र में पहुंच गया है, जहां किसी भी प्रकार का आंदोलन देश के आर्थिक विकास की गति को विपरीत रूप से प्रभावित कर सकता है। अतः समाज की सज्जन शक्ति को इस ओर विशेष ध्यान देकर समस्त समाज के नागरिकों को अपने कर्तव्यों के प्रति सचेत करते हुए प्रदेश में शांति स्थापित करने के प्रयास तेज करने की आवश्यकता है। प्रदेश की सरकारें तो आर्थिक नीतियों को लागू करने के प्रयास कर ही रही हैं परंतु, समाज को भी संगठित होकर अपने नागरिक कर्तव्यों का अनुपालन सुनिश्चित करने की महती आवश्यकता है। प्रदेश का आर्थिक विकास की गति को बढ़ाना, अर्थात मां भारती को पुनः विश्व गुरु के रूप में आरूढ़ करने की ओर एक कदम बढ़ाने का प्रयास माना जाना चाहिए। आज उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक, गुजरात द्वारा अपने प्रदेश की अर्थव्यवस्था के आकार को एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर ले जाने के भरपूर प्रयास किया जा रहे हैं। इसी प्रकार के प्रयास, मध्यप्रदेश, राजस्थान एवं बिहार राज्यों द्वारा भी किए जाने चाहिए, ताकि शीघ्र ही भारत की अर्थव्यवस्था के आकार को 5 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर के ऊपर लाया जा सके एवं भारत की अर्थव्यवस्था को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाया जा सके।

संपादकीय

मुश्किलों के डेटा सेंटर

आज चारों तरफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का हौवा नजर आता है, जिसके लिए मानव की नैसर्गिक प्रतिभा और जीवन के जरूरी अवयवों को नजरअंदाज किया जा रहा है। माना कि एआई के विस्तार से आर्थिक विकास के नए अवसर पैदा हो रहे हैं, जिसके लिए डेटा सेंटरों का तेजी से अंधाधुंध विस्तार हो रहा है। वहीं दूसरी ओर, अमेरिका, यूरोप और भारत में इनके खिलाफ बढ़ता विरोध एक अहम चेतावनी भी है। निस्संदेह, तकनीकी प्रगति होनी चाहिए, लेकिन इसकी कीमत समाज और पर्यावरण को नहीं चुकानी चाहिए। अमेरिका में हालिया मध्यावधि चुनावों में डेटा सेंटर परियोजनाओं को लेकर लोगों का गुस्सा भी सामने आया है। वास्तव में, दुनिया भर के लोग डेटा सेंटरों को चलाने में इस्तेमाल होने वाली भारी-भरकम बिजली और पानी के बेतहाशा इस्तेमाल को लेकर नाराज हैं। वे स्थानीय संसाधनों पर पड़ने वाले इनके नकारात्मक प्रभावों को लेकर चिंतित हैं। यही वजह है कि अमेरिका के टेक्सास में पानी की घटती आपूर्ति को लेकर किसानों का गुस्सा वहां एक राजनीतिक मुद्दा बन गया है। कमोबेश ऐसा ही गुस्सा अमेरिका के अन्य राज्यों और कुछ यूरोपीय देशों में भी देखने को आ रहा है। इस विरोध का संदेश साफ है कि लोग अब उन बड़े फैसलों पर अपनी राय रखना चाहते हैं, जिनका असर उनके जीवन पर सीधा पड़ता है। इसी तरह, भारत में भी महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना जैसे राज्य आज इस मुद्दे को लेकर अहम मोड़ पर खड़े नजर आते हैं।

निस्संदेह, बड़े डेटा सेंटर प्रस्ताव निवेश की महत्वाकांक्षी पहल के साथ डिजिटल बुनियादी ढांचे को मजबूत कर सकते हैं। इससे रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे। लेकिन इसके बावजूद कंपनियों को संसाधनों के प्रबंधन के जवाबदेह तौर-तरीकों को प्राथमिकता देनी चाहिए। हर डेटा सेंटर परियोजना में तीन मुख्य पहलुओं पर ध्यान देना चाहिए, जिनमें व्यापार, समुदाय और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाया जाए। कंपनियों को ऊर्जा की खपत कम करने वाली तकनीकों, नवीकरणीय ऊर्जा और टिकाऊ कूलिंग सिस्टम को प्राथमिकता देनी चाहिए। वहीं, कम-से-कम पानी की खपत करने वाली तकनीकों में निवेश करना चाहिए। आंध्र प्रदेश के भोगापुरम में हालिया स्थानीय निकाय चुनावों में दो किसान जीते, जिसकी मुख्य वजह यह थी कि डेटा सेंटरों को लेकर उनकी चिंताएं मतदाताओं को तार्किक लगीं। किसी भी परियोजना को मंजूरी मिलने से पहले वहां के निवासियों को संसाधनों की खपत, पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव और परियोजना से होने वाले आर्थिक लाभों की जानकारी दी जानी चाहिए। विकास कार्यों में स्थानीय लोगों को केवल मूकदर्शक मानने के बजाय उनकी अहम हिस्सेदारी होनी चाहिए। निस्संदेह, डेटा सेंटर भारत के डिजिटल भविष्य को गति देने में योगदान कर सकते हैं। लेकिन इनकी सफलता को केवल निवेश के आंकड़ों या कंप्यूटिंग क्षमता से ही नहीं मापा जा सकता। वास्तव में, यह देखा जाना चाहिए कि स्थानीय लोगों को कितने रोजगार मिले, वहां कितने संसाधनों की बचत की गई और इससे स्थानीय समुदायों को कितना संबल मिला। सही मायने में, किसी भी विकास का लाभ सभी हितधारकों को मिलना चाहिए, न कि केवल बड़ी तकनीकी कंपनियों को।

चिंतन-मनन

वैतन्यता जरूरी

स्मृति और विस्मृति दोनों संतुलन अपेक्षित हैं। कुछेक व्यक्तियों में विस्मृति की बड़ी मात्रा होती है। वह हमारी चेतना की स्थिति को बहुत स्पष्ट करता है। एक व्यंग्य है। दो बहनें मिलीं। एक स्त्री ने कहा, मेरा पति बहुत भुलक्कड़ है। एक दिन बाजार में गया सब्जी लाने के लिए। बाजार में घूम-घामकर घर लौटा। आते ही पूछा, अरे! मैं बाजार गया था, पर याद नहीं रहा कि मैं बाजार क्यों गया हूं? कितना भुलक्कड़! दूसरी स्त्री बोली, अरे! बस इतना ही भुलक्कड़! मेरा पति इससे बहुत आगे है। उसके भुलक्कड़पन की बात सुनोगी तो आश्चर्यचकित रह जाओगी। एक दिन की बात है। वह मित्रों के साथ बाजार में घूम रहा था। अकस्मात् ऐसा योग मिल गया कि मैं उधर से निकली। मुझे देखते ही उसने कहा, बहनजी! नमस्ते। आपको कहीं देखा है। आपकी सूरत परिचित-सी लगती है। कितनी विस्मृति! विस्मृति एक व्यापक बीमारी है। कुछेक लोग इसके शिकार हो जाते हैं। उन्हें अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। जीवन में स्मृति और विस्मृति का संतुलन होना चाहिए। हम याद भी रख सकें और भूल भी सकें। याद रखना ही पर्याप्त नहीं होता, भूलना भी आवश्यक होता है। जीवन की अनेक घटनाएं ऐसी होती हैं जिनको भूल जाना ही श्रेयस्कर होता है। कुछ प्रिय घटनाएं भी भूलने योग्य होती हैं और अप्रिय घटनाएं भी भूलने योग्य होती हैं। यदि उनका भार ढोते ही जाएं तो दुख का कहीं अन्त नहीं होगा।

महंगाई में आर्थिक संतुलन समझने की जरूरत



कांतिलाल मांडोत

त्योहारों में बढ़ती मांग और बाजार की हलचल से कीमतों में उछाल स्वाभाविक लेकिन आम आदमी की जेब का ध्यान रखना भी जरूरी

देश में खुदरा महंगाई दर का अक्टूबर में बढ़कर 6.09 प्रतिशत तक पहुंचना अर्थव्यवस्था और आम उपभोक्ता दोनों के लिए चर्चा का विषय बन गया है। सितंबर में खुदरा महंगाई 5.54 प्रतिशत थी, जो अक्टूबर में बढ़कर भारतीय रिजर्व बैंक की निर्धारित छह प्रतिशत की ऊपरी सीमा को भी पार कर गई। पिछले बारह महीनों के आंकड़ों पर नजर डालें तो महंगाई में लगातार बढ़ोतरी का रुझान दिखाई देता है। प्याज, लहसुन, दूध, अंडे और डेयरी उत्पादों सहित रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुओं के दाम बढ़ने से घरेलू बजट पर दबाव पड़ा है। इसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव भी महंगाई को प्रभावित कर रहा है। हालांकि महंगाई के इस आंकड़े को केवल नकारात्मक दृष्टि से देखने के बजाय इसके पीछे बाजार की परिस्थितियों, मांग और आपूर्ति के संतुलन को भी समझना आवश्यक है।

भारत जैसे विशाल देश में महंगाई का संबंध केवल उत्पादन लागत से नहीं होता, बल्कि त्योहारों, मौसम, परिवहन, अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों और उपभोक्ताओं की खरीद क्षमता से भी जुड़ा होता है। दीपावली जैसे महान पर्व पर बाजारों में जिस प्रकार रौनक दिखाई देती है, वह भारतीय अर्थव्यवस्था की जीवंतता का प्रमाण है। दीपावली के अवसर पर देश के प्रत्येक वर्ग में खरीदारी का उत्साह रहता है। घरों की सजावट, कपड़े, आभूषण, मिठाइयां, इलेक्ट्रॉनिक सामान, वाहन और घरेलू उपयोग की वस्तुओं की मांग अचानक बढ़ जाती है। व्यापारियों से लेकर छोटे दुकानदारों और कारीगरों तक सभी के कारोबार में तेजी आती है। ऐसे समय में वस्तुओं की मांग बढ़ना स्वाभाविक है और यदि मांग के अनुरूप आपूर्ति नहीं हो पाती तो कीमतों में बढ़ोतरी होना भी बाजार के सामान्य नियमों में शामिल है। दीपावली केवल धार्मिक और सांस्कृतिक पर्व नहीं है, बल्कि यह देश की आर्थिक गतिविधियों को गति देने वाला अवसर भी है। इस समय लोगों के हाथों में धन का प्रवाह बढ़ता है। वे पूरे वर्ष की जरूरतों और इच्छाओं को पूरा करने के लिए खरीदारी करते हैं। उद्योगों में उत्पादन बढ़ता है, परिवहन व्यवसाय को काम मिलता है, बाजारों में व्यापार बढ़ता है और रोजगार के नए अवसर पैदा होते हैं। विशेष रूप से सूरत जैसे औद्योगिक और व्यापारिक शहरों में दीपावली का आर्थिक महत्व और भी अधिक है। यहां कपड़ा, हीरा, निर्माण, छोटे उद्योगों और विभिन्न सेवा क्षेत्रों से लाखों लोग जुड़े हुए हैं। त्योहारों के दौरान इन क्षेत्रों में होने वाली आर्थिक गतिविधियां स्थानीय व्यापार और रोजगार को मजबूती प्रदान करती हैं।

महंगाई को समझने के लिए मांग और आपूर्ति का सिद्धांत महत्वपूर्ण है। जब किसी वस्तु की मांग बढ़ती है और बाजार में उसकी उपलब्धता सीमित रहती है तो कीमतों में वृद्धि होती है। इसके विपरीत उत्पादन अधिक हो और मांग कम हो तो कीमतों में गिरावट आने लगती है। इसलिए दीपावली के दौरान कुछ वस्तुओं के दाम बढ़ने को बाजार की परिस्थितियों से अलग करके नहीं देखा जा सकता। हालांकि त्योहारों के नाम पर अनावश्यक मूल्य वृद्धि, जमाखोरी और कालाबाजारी को उचित नहीं ठहराया जा सकता। मांग बढ़ने का अर्थ यह नहीं है कि व्यापारी मनमाने दाम वसूलें। बाजार में पारदर्शिता और उचित मूल्य व्यवस्था बनाए रखना भी उतना ही आवश्यक है।

अक्टूबर में ग्रामीण महंगाई का 6.63 प्रतिशत और शहरी महंगाई का 5.41 प्रतिशत तक पहुंचना भी महत्वपूर्ण संकेत है। ग्रामीण क्षेत्रों में परिवार अपनी आय का बड़ा हिस्सा खाद्यान्न, सब्जियों और दैनिक जरूरतों पर खर्च करते हैं। इसलिए खाद्य वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि का सीधा असर उनके घरेलू बजट पर पड़ता है। शहरों में किराया, शिक्षा, चिकित्सा और परिवहन जैसे खर्च भी परिवार की आर्थिक स्थिति को प्रभावित करते हैं। इस कारण महंगाई का प्रभाव दोनों क्षेत्रों में अलग-अलग दिखाई देता है, लेकिन सबसे अधिक परेशानी सीमित आय वाले परिवारों को होती है। भारतीय रिजर्व बैंक महंगाई को नियंत्रित रखने के लिए मौद्रिक नीतियों का सहारा लेता है। आवश्यकता पड़ने पर ब्याज दरों में वृद्धि करके बाजार में कर्ज और खर्च की गति को नियंत्रित करने का प्रयास किया जाता है। लेकिन ब्याज दरें बढ़ने से गृह ऋण, वाहन ऋण और अन्य कर्ज भी महंगे हो सकते हैं। इसका बोझ मध्यम वर्ग और छोटे कारोबारियों पर पड़ता है। इसलिए महंगाई पर नियंत्रण के लिए केवल ब्याज दरों में बदलाव पर्याप्त नहीं है। कृषि उत्पादन बढ़ाने, खाद्य पदार्थों की आपूर्ति मजबूत करने, भंडारण व्यवस्था सुधारने और परिवहन लागत कम करने जैसे उपाय भी जरूरी हैं। अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियां भी भारत की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करती हैं। मध्य पूर्व में तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव का असर पेट्रोलियम उत्पादों, परिवहन और उत्पादन लागत पर पड़ता है। यदि कच्चे तेल की कीमतें घटती हैं तो महंगाई के दबाव में राहत मिल सकती है। इसके विपरीत तेल महंगा होने पर वस्तुओं की ढुलाई और निर्माण लागत बढ़ सकती है, जिसका असर अंततः उपभोक्ताओं की जेब पर पड़ता है।

वास्तविक आवश्यकता महंगाई से घबराने की नहीं, बल्कि उसके कारणों को समझकर संतुलित आर्थिक व्यवस्था बनाने की है। त्योहारों में बाजार की बढ़ती गतिविधियां अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक हैं, लेकिन आवश्यक वस्तुओं की कीमतें आम आदमी की पहुंच से बाहर नहीं होनी चाहिए। सरकार को जमाखोरी पर निगरानी रखनी चाहिए और उत्पादन तथा आपूर्ति के बीच संतुलन बनाए रखना चाहिए। व्यापारियों को भी सामाजिक जिम्मेदारी निभानी चाहिए। उपभोक्ताओं को अपनी आय के अनुसार समझदारी से खर्च करना चाहिए। आर्थिक विकास तभी सार्थक होगा जब बाजार में रौनक के साथ आम परिवारों के घरों में भी खुशहाली बनी रहे। महंगाई का वास्तविक समाधान उत्पादन, आपूर्ति, पारदर्शिता और जनहित के बीच उचित संतुलन स्थापित करने में ही निहित है।

गोपाष्टमी : आस्था के बीच गौवंश के अस्तित्व और गौशालाओं की चिंता



कुमार कृष्णन

गोपाष्टमी का पर्व आते ही भारतीय समाज में गाय के प्रति श्रद्धा और आस्था का भाव मुखर हो उठता है। कार्तिक शुक्ल पक्ष की अष्टमी को मनाया जाने वाला यह पर्व गाय और बछड़ों की पूजा-अर्चना, सेवा तथा उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है। भारतीय कृषि और ग्रामीण जीवन में गाय का ऐतिहासिक महत्व रहा है। उसने केवल दूध ही नहीं दिया, बल्कि खेती-किसानी, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और पारिवारिक जीवन को भी सहारा दिया है। भारतीय लोकजीवन में गाय का स्थान इसी कारण विशेष रहा है। लेकिन गोपाष्टमी के अवसर पर एक सवाल हमारी सामूहिक चेतना के सामने खड़ा होता है–जिस गाय की हम पूजा करते हैं, क्या उसके अस्तित्व, जीवन और सम्मान की रक्षा भी करते हैं?

धार्मिक अनुष्ठानों में गाय को तिलक लगाया जाता है, फूलों की माला पहनाई जाती है और उसे गुड़ तथा हरा चारा खिलाया जाता है। मंदिरों और गौशालाओं में विशेष आयोजन होते हैं। लोग गौसेवा का संकल्प लेते हैं। लेकिन पर्व समाप्त होते ही क्या यह संकल्प भी समाप्त हो जाता है? क्या हमारी चिंता उन गायों तक पहुंचती है, जो सड़कों पर कचरे के ढेर में भोजन तलाशती हैं, प्लास्टिक खाती हैं, दुर्घटनाओं का शिकार होती हैं या गौशालाओं में पर्याप्त चारे और पानी के अभाव में जीवन बिताती हैं? यह सवाल इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि आज गौवंश का अस्तित्व केवल उपेक्षा और कुपोषण से ही नहीं, बल्कि बदलती कृषि व्यवस्था, देशी नस्लों के संरक्षण की कमी और पशुपालन के आर्थिक संकट से भी प्रभावित हो रहा है।

गौशालाओं की स्थिति इस प्रश्न को और गंभीर बनाती है। देश के अनेक हिस्सों में गौशालाएं धार्मिक और सामाजिक संस्थाओं द्वारा संचालित हैं। कुछ संस्थाएं निष्ठा और समर्पण के साथ बेसहारा तथा बीमार पशुओं की देखभाल करती हैं। लेकिन कई स्थानों पर गौशालाओं के सामने संसाधनों की कमी, अपर्याप्त भूमि, चारे की अनुपलब्धता, पशु चिकित्सा सुविधाओं का अभाव और आर्थिक संकट जैसी समस्याएं हैं। कहीं पशुओं की संख्या उपलब्ध संसाधनों से अधिक है, तो कहीं स्वच्छता और उचित देखरेख की व्यवस्था कमजोर है। कई गौशालाओं में पशुओं को रखने की जगह तो है, लेकिन उनके लिए पर्याप्त भोजन, स्वच्छ पानी और नियमित चिकित्सा की व्यवस्था नहीं है।

गौशाला का अर्थ केवल गायों को एक परिसर में बंद कर देना नहीं है। उसका वास्तविक उद्देश्य पशुओं को सुरक्षित, स्वच्छ और सम्मानजनक जीवन उपलब्ध कराना है। इसके लिए पर्याप्त जगह, पौष्टिक चारा, स्वच्छ पेयजल, नियमित स्वास्थ्य जांच, बीमार पशुओं के लिए अलग व्यवस्था और प्रशिक्षित देखभालकर्ताओं की जरूरत होती है। यदि इन बुनियादी सुविधाओं का अभाव है तो गौशाला का अस्तित्व अपने उद्देश्य से भटक जाता है। गौशालाओं की सफलता का मूल्यांकन वहां रखे गए पशुओं की संख्या से नहीं, बल्कि उनकी सेहत, पोषण और जीवन की गुणवत्ता से होना चाहिए।

आज गौवंश के अस्तित्व पर मंडराता संकट एक व्यापक चिंता का विषय है। देशी गोवंश की अनेक नस्लों के संरक्षण का सवाल गंभीर होता जा रहा है। आधुनिक पशुपालन में अधिक दूध देने वाली नस्लों और संकर प्रजातियों पर बढ़ते जोर के बीच देशी नस्लों की पहचान, उपयोगिता और उनके संरक्षण को अपेक्षित प्राथमिकता नहीं मिल पा रही है। देशी नस्लें केवल पशुधन नहीं, बल्कि भारतीय कृषि, जलवायु और ग्रामीण जीवन के अनुभवों से विकसित हुई जैविक विरासत हैं। उनकी अनदेखी का अर्थ इस विरासत के एक महत्वपूर्ण हिस्से को खोने का खतरा भी है।

दूसरी ओर, खेती में मशीनीकरण, चरागाहों का सिमटना, पशुपालन की बढ़ती लागत और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में आए बदलावों ने गाय की पारंपरिक भूमिका को प्रभावित किया है। गांवों में कभी पशुओं के लिए सामुदायिक चरागाह और पर्याप्त खुली जमीन उपलब्ध होती थी। अब जमीन पर बढ़ते दबाव, शहरीकरण और अन्य उपयोगों के कारण चराई के पारंपरिक संसाधन लगातार सीमित हो रहे हैं। पशुपालकों के सामने चारा जुटाना भी कठिन होता जा रहा है। ऐसे में गौवंश का संरक्षण केवल धार्मिक भावना का विषय नहीं रह जाता, बल्कि भूमि, कृषि, पर्यावरण और ग्रामीण आजीविका से जुड़ा प्रश्न बन जाता है।

एक बड़ी समस्या उन गायों की भी है, जो दूध देना बंद कर देती हैं या उम्र और बीमारी के कारण आर्थिक रूप से अनुपयोगी समझी जाने लगती हैं। पशुपालन की व्यावसायिक व्यवस्था में जब किसी पशु की आर्थिक उपयोगिता समाप्त हो जाती है, तब उसके पालन-पोषण का प्रश्न खड़ा होता है। कई पशुपालक आर्थिक विवशता में ऐसे पशुओं को छोड़ देते हैं। परिणामस्वरूप वे सड़कों, खेतों और बाजारों में भटकती हैं। खेतों में खड़ी फसल को नुकसान पहुंचाने के कारण ग्रामीणों और किसानों के साथ उनका टकराव भी बढ़ता है। इस समस्या का समाधान केवल भावनात्मक अपील से नहीं, बल्कि ऐसी व्यवस्था से संभव है जिसमें पशुपालकों, स्थानीय निकायों और सरकार की जिम्मेदारी स्पष्ट हो।

शहरी क्षेत्रों में आवारा पशुओं की समस्या भी इसी संकट का हिस्सा है। सड़कों पर घूमती गायें यातायात दुर्घटनाओं का कारण बनती हैं और स्वयं भी घायल होती हैं। कूड़े के ढेर से भोजन तलाशते हुए उनके पेट में प्लास्टिक और अन्य हानिकारक पदार्थ पहुंच जाते हैं। प्लास्टिक का सेवन उनके स्वास्थ्य और जीवन के लिए गंभीर खतरा बनता है। यह केवल पशु कल्याण का मामला नहीं, बल्कि शहरी प्रशासन, कचरा प्रबंधन और सार्वजनिक सुरक्षा से भी जुड़ा प्रश्न है। नगर निकायों को आवारा पशुओं के लिए सुरक्षित आश्रय, पशु चिकित्सा और चारे की व्यवस्था के साथ-साथ कचरा प्रबंधन को भी प्राथमिकता देनी चाहिए।

गौशालाओं की बदहाली के पीछे आर्थिक संसाधनों का संकट भी एक बड़ा कारण है। कई गौशालाएं दान और समाज के सहयोग पर निर्भर हैं। नियमित आय का स्रोत नहीं होने के कारण उनके सामने पशुओं के चारे, दवाइयों और कर्मचारियों के वेतन का खर्च उठाना कठिन हो जाता है। सरकारी अनुदान की व्यवस्था जहां उपलब्ध है, वहां उसकी पारदर्शिता और समय पर उपलब्धता भी महत्वपूर्ण है। केवल गौशाला खोल देना पर्याप्त नहीं है। यह देखना भी जरूरी है कि वहां कितने पशु हैं, उनके लिए कितनी जगह उपलब्ध है, उन्हें कितना चारा मिल रहा है और उनकी चिकित्सा की क्या व्यवस्था है।

सरकार की जिम्मेदारी है कि वह गौशालाओं के संचालन के लिए स्पष्ट मानक बनाए और उनका नियमित निरीक्षण सुनिश्चित करे। अनुदान देने के साथ यह भी देखा जाना चाहिए कि धन का उपयोग वास्तव में पशुओं की देखभाल पर हो रहा है या नहीं। गौशालाओं की स्थिति, पशुओं की संख्या, स्वास्थ्य सुविधाओं और उपलब्ध संसाधनों की जानकारी सार्वजनिक होनी चाहिए। स्थानीय पंचायतों, नगर निकायों और पशुपालन विभाग के बीच समन्वय से इस व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। देशी नस्लों के संरक्षण के लिए वैज्ञानिक प्रजनन कार्यक्रम, पशु चिकित्सा सुविधाएं और पशुपालकों को प्रोत्साहन भी जरूरी हैं। चरागाहों के संरक्षण और विकास को ग्रामीण विकास की योजनाओं से जोड़ा जाना चाहिए। इसके साथ ही समाज की भूमिका को भी कम करके नहीं आंका जा सकता। गौसेवा केवल किसी धार्मिक आयोजन या दान तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। स्थानीय समुदाय नियमित रूप से गौशालाओं की स्थिति का जायजा ले सकते हैं। पशुओं के लिए चारा, पानी और दवाइयों की व्यवस्था में सहयोग कर सकते हैं।

वल्कन रॉकेट धमाके में उड़ा : अमेजन के 40 सैटेलाइट तबाह

● यूएलए का 20 साल में पहला मिशन फेल

कैपकेनवेरल,एजेंसी। फ्लोरिडा से लांच किया गया अमेरिका का वल्कन रॉकेट अपनी उड़ान के महज 10 मिनट बाद ही धमाके के साथ फट गया। इस दुर्घटना में रॉकेट में ले जाए जा रहे अमेजन के 40 लियो ब्रॉडबैंड इंटरनेट सैटेलाइट पूरी तरह नष्ट हुए। यह बोइंग और लॉकहीड मार्टिन की संयुक्त कंपनी यूनाइटेड लांच अलायंस (यूएलए) के 20 साल के इतिहास में पहला ऐसा मिशन फेलियर है, जिसमें पूरी तरह विफलता मिली हो। वल्कन रॉकेट की यह मात्र पांचवीं उड़ान थी, और नौ महीने के अंतराल के बाद यह उसकी पहली उड़ान थी। इससे पहले भी इसकी दो उड़ानों में सॉलिड बूस्टर के नोजल में तकनीकी दिक्कतें आ चुकी थीं, जिन्हें ठीक करने में खासा वक्त लगा था। इस विफलता से अमेजन को बड़ा झटका लगा है। कंपनी को जुलाई 2029 तक कुल 3,232 सैटेलाइट ऑर्बिट में स्थापित करने हैं। अब तक अमेजन ने सिर्फ 396 सैटेलाइट ही लांच किए हैं, यह मिशन सफल होता, तब यह संख्या 436 तक पहुंच जाती और वल्कन के साथ 38 लांच की डील भी शुरू हो जाती। अमेजन ने 2026 के अंत तक अमेरिका और ब्रिटेन में अपनी लियो (लिया) सेवा शुरू करने की योजना बनाई है, लेकिन अब यह शेड्यूल जांच के नतीजों पर निर्भर करेगा। 2006 में स्थापित यूएलए बोइंग और लॉकहीड मार्टिन का एक संयुक्त उद्यम है। वल्कन रॉकेट को कंपनी के पुराने एटलस-5 रॉकेट की जगह लेने के लिए विकसित किया गया था। इस गंभीर विफलता के बाद, वल्कन रॉकेट को लंबे समय तक ग्राउंडेड रहना पड़ सकता है, जब तक इंजीनियर टेलीमेट्री डेटा की गहन जांच कर खराबी का पता नहीं लगा लेते।

अफगानिस्तान में 5.1 तीव्रता का आया भूकंप

● दुनिया में बढ़ रहीं हैं भूकंप की घटनाएं

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत सहित दुनिया के कई देशों में हाल के समय में भूकंप की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। इस प्राकृतिक आपदा ने बीते कुछ समय में हजारों लोगों की जान ली है, जिससे लोगों के मन में भूकंप को लेकर भय बढ़ रहा है। इसी क्रम में भारत के पड़ोसी देश अफगानिस्तान में भी हाल ही में सोमवार को तड़के धरती भूकंप के झटकों से हिल उठी। यह झटका 5.1 तीव्रता का था, जिसने एक बार फिर वैश्विक चिंता को बढ़ा दिया है। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के अनुसार, यह भूकंप सोमवार सुबह 3 बजकर 7 मिनट पर आया। रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 5.1 मापी गई। भूकंप का केंद्र धरती से 179 किलोमीटर की गहराई पर स्थित था। राहत की बात यह है कि अब तक इस भूकंप के कारण किसी भी तरह के जान-माल के नुकसान की कोई खबर सामने नहीं आई है। यह पहला मौका नहीं है जब अफगानिस्तान में भूकंप के झटके महसूस किए गए हों। इससे पहले, सितंबर महीने में भी दो बार देश में धरती हिली थी। 7 सितंबर को आए भूकंप की तीव्रता 4.1 थी, जिसका केंद्र धरती से 130 किलोमीटर नीचे था। इसके दो दिन बाद, 9 सितंबर को भी 4.2 तीव्रता का एक और भूकंप अफगानिस्तान में दर्ज किया गया था, जिसने लगातार बढ़ती भूकंपीय गतिविधियों की ओर इशारा किया था।

सऊदी अरब में हूती हमलों का दावा, मक्का पर आरोपों की जंग

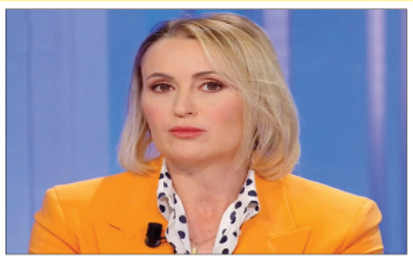
रियाद। यमन के हूती विद्रोहियों ने रविवार शाम सऊदी अरब की राजधानी रियाद में किंग खालिद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को दो बैलिस्टिक मिसाइलों से निशाना बनाने का दावा किया। सऊदी अधिकारियों ने अब तक इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है। हूती सैन्य प्रवक्ता याह्या सरी ने यह भी बताया कि उनके समूह ने रियाद के पास सऊदी अरब की ईस्ट-वेस्ट तेल पाइपलाइन के दो पंपिंग स्टेशनों पर भी ड्रोन हमले किए। यह दावा ऐसे समय आया है जब सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन ने मक्का और मदीना की ओर बढ़ रहे तीन ड्रोन मार गिराने की बात कही थी। गठबंधन के प्रवक्ता तुर्की अल-मालिकी ने हूतियों पर मक्का को निशाना बनाने की कोशिश का आरोप लगाया।

किसी मित्र देश के आंतरिक मामलों में विदेशी राजनीतिक को दखल नहीं देना चाहिए

इटली की सांसद बर्गमिनी ने की फिलिबेक के वोट चोर, गद्दी छोड़ नारा लगाने की आलोचना

रोम, एजेंसी। इटली की सांसद डेबोरा बर्गमिनी ने पार्टी ऑफ यूरोपियन सोशलिस्ट्स के महासचिव जियाकोमो फिलिबेक के बीजेपी पर निशाना साधते हुए वोट चोर, गद्दी छोड़ के नारे लगाने की आलोचना की है। बर्गमिनी ने कहा कि किसी मित्र देश के आंतरिक राजनीतिक मामलों में विदेशी राजनीतिक प्रतिनिधियों को दखल नहीं देना चाहिए। एक्स पर एक पोस्ट में इटली सांसद बर्गमिनी ने कहा कि भारत के पास अपने आंतरिक राजनीतिक विवादों को सुलझाने के लिए अपनी राजनीतिक संस्थाएं और न्यायपालिका मौजूद हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बर्गमिनी ने इटली और भारत के बीच विशेष रणनीतिक साझेदारी का भी जिक्र किया और कहा कि यूरोपीय प्रतिनिधियों का भारत को लोकतंत्र पर सीख देना सही नहीं है। डेबोरा बर्गमिनी फोर्जा इटालिया की सदस्य और राष्ट्रीय उप-महासचिव हैं। यह एक मध्य-दक्षिणपंथी राजनीतिक दल है, जो इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी की सरकार का समर्थन करने वाले गठबंधन का हिस्सा है। बर्गमिनी की यह टिप्पणी तब आई है, जब फिलिबेक ने हैदराबाद में कांग्रेस द्वारा आयोजित भारत समिट 2026 में हिस्सा लेते हुए बीजेपी के नेतृत्व वाली सरकार पर लोकतंत्र को कमजोर करने का आरोप लगाया।



उन्होंने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस के प्रति अपना समर्थन भी जताया। यूरोपियन सोशलिस्ट्स एंड डेमोक्रेट्स समूह के एक इतालवी प्रतिनिधि ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस द्वारा आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लेते हुए पीएम मोदी और बीजेपी पर हमला बोला और कहा- वोट चोरों, गद्दी छोड़। बर्गमिनी ने कहा कि यह मामला भारतीय विपक्ष द्वारा सत्ताधारी दल की आलोचना से जुड़ा है। यह आलोचना मतदाता सूची में लंबे समय से लंबित संशोधन को लेकर है एक ऐसी प्रक्रिया जिसका उद्देश्य दोहरी प्रविष्टियों, मृत व्यक्तियों के नामों और अपनी जगह बदल चुके लोगों के नामों को सूची से हटाना है।

उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि लोकतंत्र में हर किसी को अपनी बात रखने या आरोप लगाने की पूरी आजादी है बशर्ते वे अपने दावों को सही साबित कर सकें। भारत के पास अपनी राजनीतिक संस्थाएं और न्यायपालिका है; किसी भी तरह के टकराव या विवाद का समाधान लोकतंत्र के स्थापित नियमों के अनुसार ही किया जाना चाहिए।

बता दें हैदराबाद में आयोजित भारत समिट 2026 से शुरू होता है। जहां राहुल गांधी समेत कई विदेशी नेता भी शामिल हुए थे। इस कार्यक्रम में फिलिबेक ने राहुल गांधी का समर्थन किया था। फिलिबेक ने कहा था कि भारतीय लोकतंत्र के सामने मौजूद चुनौतियों की ओर दुनिया का ध्यान खींचने के लिए अंतरराष्ट्रीय मंच अहम हैं। इन टिप्पणियों की भाजपा नेताओं ने आलोचना की। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने भारत के आंतरिक मामलों में विदेशी राजनीतिक हस्तियों के दखल को लेकर कांग्रेस पर परोक्ष रूप से निशाना साधा। उन्होंने एक्स पर लिखा- क्या आपने कभी किसी को तब हंसते हुए देखा है, जब कोई विदेशी भारत का अपमान करता हो? मैं यह नहीं पूछ रहा कि कौन सा भारतीय विदेश जाकर भारत का अपमान करता है। तेलंगाना बीजेपी अध्यक्ष एन रामचंद्र राव ने भी शिखर सम्मेलन में लोकतंत्र पर राहुल गांधी की टिप्पणी की आलोचना की और उनसे माफी की मांग की।

नियमों के उल्लंघन पर मेटा पर लगा 8,360 करोड़ रुपए का जुर्माना

● बिना मंजूरी लिए यूजर्स की फोटो और वीडियो देखने का है आरोप

रोम,एजेंसी। फेसबुक और इंस्टाग्राम की पैरेंट कंपनी मेटा की मुश्किलें बढ़ गई हैं। इटली की डेटा प्रोटेक्शन अथॉरिटी ने फेसबुक के गैलरी एक्सेस फीचर पर नियमों के उल्लंघन के चलते मेटा पर 805 मिलियन यूरो यानी करीब 8,360 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया है। इटली की डेटा प्रोटेक्शन अथॉरिटी ने कंपनी पर 805 मिलियन यूरो यानी करीब 8,360 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। आरोप है कि फेसबुक ऐप के एक फीचर के जरिए एंड्राइड यूजर्स के फोन की निजी फोटो और वीडियो तक पहुंच बनाई गई, जबकि इसके लिए यूजर्स से अलग और साफ मंजूरी नहीं ली गई थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस मामले से इटली के करीब 2 करोड़ एंड्राइड यूजर्स प्रभावित हो सकते हैं। यह जुर्माना मेटा के ग्लोबल रेवेन्यू का करीब 0.47 फीसदी है। यह मामला फेसबुक ऐप के गेट सिच्युएशन फार्म गैलेरी फीचर से जुड़ा है। इस फीचर का काम यूजर्स को उनके फोन की गैलरी में मौजूद फोटो और वीडियो पोस्ट करने के लिए सुझाना था। मीडिया रिपोर्ट में इटली की अथॉरिटी के मुताबिक यह फीचर डिफॉल्ट रूप से चालू था। फेसबुक ने पूरे ऐप के लिए एक ही परमिशन मांगी थी, लेकिन यूजर्स को साफ तौर पर नहीं बताया गया कि इस परमिशन से ऐप उनकी निजी गैलरी के फोटो और वीडियो के आधार पर सुझाव भी तैयार करेगा। इटली की डेटा प्रोटेक्शन अथॉरिटी ने मेटा को 60 दिन का समय दिया है। कंपनी को इस फीचर को डिफॉल्ट रूप से बंद करना होगा, साथ ही इसे इस्तेमाल करने से पहले यूजर्स से अलग और मंजूरी लेनी होगी। अथॉरिटी ने कहा है कि वह मेटा के एक दूसरे फीचर की भी अलग से जांच कर सकती है। यह फीचर 2026 में लॉन्च हुआ था और यूजर्स की गैलरी के कंटेंट को क्लाउड पर प्रोसेस करता है। मेटा ने इस फैसले से असहमति जताई और इसके खिलाफ अपील करने की बात कही है। कंपनी का कहना है कि यह एक सामान्य फीचर है, जो लोगों को फेसबुक पर फोटो और वीडियो पोस्ट करने में मदद करता है। कंपनी के मुताबिक यूजर्स अपने फोन की सेटिंग में जाकर इसकी परमिशन बदल सकते हैं। इस मामले की जांच में यह पता नहीं लगाया गया कि यूजर्स की फोटो और वीडियो का इस्तेमाल एआई मॉडल को ट्रेन करने के लिए हुआ था या नहीं। मेटा ने ऐसे इस्तेमाल से इनकार किया है।

ब्रिटेन के प्रिंस हैरी ने की युद्ध में यूक्रेन के घायल पूर्व सैनिकों के जज्बे की सराहना

कीव,एजेंसी। ब्रिटेन के प्रिंस हैरी ने यूक्रेन के घायल पूर्व सैनिकों की रविवार को सराहना करते हुए उन्हें समाज के लिए आदर्श बताया और कहा कि कीव को इन सैनिकों को लगातार सहयोग देना चाहिए। हैरी ने युद्धग्रस्त यूक्रेन की अपनी अघोषित सप्ताहांत यात्रा पूरी की। युद्ध शुरू होने के बाद हैरी की यह यूक्रेन की चौथी यात्रा थी। वहीं पश्चिमी शहर लीव का उनका यह दूसरा दौरा था। उन्होंने लीव में 'सुपरह्यूमन्स सेंटर' में मरीजों और कर्मचारियों से मुलाकात की। यह एक हड्डी रोग एवं पुनर्वास केंद्र है, जहां घायल सैन्यकर्मियों और आम नागरिकों का इलाज किया जाता है। हैरी ने 'इन्विक्टस गेम्स' के लिए चयन ट्रायल के दौरान कहा कि हमने इन सैनिकों के वर्दी पहनने से पहले ही उनमें निवेश किया है और जब वे वर्दी उतार दें, तब भी हमें उनका साथ देना और उन पर निवेश करना जारी रखना चाहिए।



'इन्विक्टस गेम्स' पैरालंपिक खेलों की तर्ज पर आयोजित होने वाला एक खेल आयोजन है। इसकी शुरुआत हैरी ने दुनिया भर के पूर्व सैनिकों को युद्ध में लगी चोटों से उबरने और जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से की थी। अफगानिस्तान में सेवा दे चुके ब्रिटिश सेना के पूर्व सैनिक हैरी ने शनिवार को व्हीलचेयर पर बैठे रग्बी के खिलाड़ियों के बीच मुकाबला देखा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने पिकलबॉल खिलाड़ियों का मुकाबला भी देखा। इनमें से कई खिलाड़ी कृत्रिम अंगों का इस्तेमाल करते हैं। ये खिलाड़ी अगले साल इंग्लैंड के बर्मिंघम में होने वाले 'इन्विक्टस गेम्स' में यूक्रेन का प्रतिनिधित्व करने के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे थे। 'ड्यूक ऑफ ससेक्स' हैरी ने यूक्रेन के लोगों के धैर्य और मुश्किल हालात का सामना करने की उनकी क्षमता की सराहना की। उन्होंने उम्मीद जताई कि युद्ध जल्द ही समाप्त होगा। उन्होंने कहा कि दुनिया के बाकी देश आपका समर्थन करते रहेंगे।

भारत और सोमालिया के बीच 'विदेश कार्यालय परामर्श' बैठक का पहला दौर खत्म

दोनों देशों ने व्यापार, स्वास्थ्य, रक्षा और समुद्री सुरक्षा में सहयोग बढ़ाने संभावनाएं तलाशीं

मोगादिशु, एजेंसी। भारत और सोमालिया ने रविवार को मोगादिशु में 'विदेश कार्यालय परामर्श' बैठक का पहला दौर आयोजित हुआ। इस दौरान दोनों देशों ने द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा की और व्यापार, स्वास्थ्य, रक्षा और समुद्री सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की संभावनाएं तलाशीं। विदेश मंत्रालय के एक बयान के मुताबिक बैठक की सह-अध्यक्षता विदेश मंत्रालय में संयुक्त सचिव सुरेश कुमार एम और सोमालिया के विदेश एवं अंतरराष्ट्रीय सहयोग मंत्रालय के स्थायी सचिव हमजा अदन हादू ने की।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नई दिल्ली और मोगादिशु ने शनिवार को सोमालिया की राजधानी में एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इसके तहत द्विपक्षीय संबंधों की नियमित समीक्षा के लिए एक व्यवस्थित तंत्र स्थापित किया गया। इस समझौते पर हस्ताक्षर के बाद रविवार को 'विदेश कार्यालय परामर्श' बैठक का पहला दौर हुआ। बयान में कहा गया है कि बैठक में दोनों पक्षों ने व्यापार एवं निवेश, स्वास्थ्य एवं दवा, एसएमई,



विकास साझेदारी, रक्षा, सुरक्षा, वाणिज्य दूतावास संबंधी मामलों, संस्कृति और लोगों के बीच आपसी संपर्क समेत द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा की। इसमें कहा गया कि चर्चा के दौरान क्षेत्र में समुद्री डकैती की बढ़ती घटनाओं से प्रभावी ढंग से निपटने और जहाजों और नाविकों की सुरक्षा को लेकर विचार-विमर्श किया गया।

बयान के मुताबिक दोनों पक्षों ने आतंकवाद की स्पष्ट रूप से निंदा की। दोनों देशों ने आपसी हित के क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र और अन्य बहुपक्षीय मंचों पर अपने करीबी समन्वय और सहयोग की सराहना की। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत और सोमालिया के बीच लंबे समय से मैत्रीपूर्ण संबंध हैं। भारत सोमालिया के शीर्ष तीन व्यापारिक साझेदारों में शामिल है। इसने कहा कि भारत एक भरोसेमंद विकास साझेदार भी है और चिकित्सा उपचार और उच्च शिक्षा के लिए सोमालिया के नागरिकों की पसंदीदा जगह है। दोनों पक्षों ने 'विदेश कार्यालय परामर्श' बैठक का अगला दौर आपसी सहमति से तय तारीख पर भारत में आयोजित करने पर सहमति जताई। यह बैठक विदेश मंत्रालय में सचिव रंगनाथन की सोमालिया यात्रा का हिस्सा थी।

रिपोर्ट के मुताबिक रंगनाथन ने सोमालिया के रक्षा मंत्री अहमद मुअल्लिम फिकी से भी मुलाकात की और विशेष रूप से समुद्री सुरक्षा, आतंकवाद से मुकाबले तथा क्षमता निर्माण के क्षेत्रों में रक्षा सहयोग मजबूत करने पर चर्चा की। उन्होंने उपविदेश मंत्री हसन मोहम्मद अली से भी मुलाकात की। इस दौरान व्यापार, चिकित्सा सहयोग, शिक्षा, क्षमता निर्माण और क्षेत्र के हालिया भू-राजनीतिक घटनाक्रमों पर चर्चा हुई। रंगनाथन ने मोगादिशु में भारतीय समुदाय के सदस्यों से भी बातचीत की और उन्हें आश्वासन दिया कि सरकार भारतीय प्रवासियों के कल्याण के लिए पूरा सहयोग देगी।

धरती की पुकार और गरीबों की पुकार को एक-दूसरे से अलग नहीं किया जा सकता

पोप लियो ने अमेजन के जंगलों की रक्षा करते मारे गए लोगों के लिए मांगा न्याय

पुकाल्पा, एजेंसी। 14वें पोप लियो ने अमेजन के जंगलों की रक्षा करते हुए मारे गए पर्यावरण कार्यकर्ताओं के लिए रविवार को न्याय की मांग की और स्थानीय आदिवासी समुदायों की उन कोशिशों का समर्थन किया जिनका उद्देश्य उनकी जमीन को पेड़ों की कटाई, अवैध खनन एवं ''वर्चस्व कायम करने की कभी न खत्म होने वाली लालसा'' से होने वाले नुकसान से बचाना है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दक्षिण अमेरिका की अपनी यात्रा के अंतिम चरण में पोप लियो पेरू के अमेजन वर्षावन क्षेत्र पहुंचे। इस दौरान उन्होंने पोप फ्रांसिस की उन प्रमुख शिक्षाओं को दोहराया जिनमें समाज के सबसे कमजोर वर्गों की देखभाल को ईश्वर की सृष्टि की रक्षा करने के समान बताया। पोप लियो ने पुकाल्पा शहर में उकायाली नदी के किनारे एकत्र आदिवासी समुदायों के प्रतिनिधियों और मिशनरियों को संबोधित करते हुए कहा कि धरती की पुकार और गरीबों की पुकार को एक-दूसरे से अलग नहीं किया जा सकता।

रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने कहा कि वह न्याय और शांति की तलाश कर रहे आदिवासी समुदायों का समर्थन करने के लिए पुकाल्पा आए हैं। उन्होंने पर्यावरण संगठनों के अनुमानों का हवाला देते हुए कहा कि 2010 से 2024 के बीच पर्यावरण की रक्षा करने वाले 57 कार्यकर्ताओं की हत्या की गई। पोप लियो ने कहा कि इन भाइयों का खून ईश्वर से न्याय की गुहार लगा रहा है। उनकी इस टिप्पणी पर वहां मौजूद लोगों ने तालियां बजाईं। अमेजन में दशकों से जारी वनों की कटाई के अलावा सोने का अवैध खनन तेजी से मुनाफे वाला कारोबार बन गया है। कटाई से जंगलों को भारी नुकसान पहुंच रहा है और नदियां प्रदूषित हो रही हैं। खनन करने वाले सोना निकालने के लिए अस्थायी उपकरणों और पारे जैसी जहरीली धातु का इस्तेमाल करते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक आदिवासी समुदायों के साथ मुलाकात और इसके बाद पुकाल्पा में आयोजित प्रार्थना सभा में पोप लियो ने आर्थिक विकास का ऐसा मॉडल अपनाने का आह्वान किया जो बाहरी लोगों द्वारा प्राकृतिक संसाधनों के ''गैरजिम्मेदाराना दोहन'' के बजाय धरती और उसकी देखभाल करने वाले आदिवासी समुदायों का सम्मान करे। उन्होंने कहा कि बुराइयों का सामना करते हुए हमें ईश्वर के उपहारों को व्यर्थ नहीं जाने देना चाहिए, क्योंकि वही हमें वर्चस्व कायम करने की कभी न खत्म होने वाली लालसा से पैदा हुई पीड़ा को दूर करने और नुकसान की भरपाई करने की शक्ति देते हैं। पोप लियो ने उत्तरी अमेजन के कोंडोरकानकी प्रांत में अवाजुन और वाम्पिस आदिवासी समुदायों की स्कूली छात्राओं के खिलाफ यौन हिंसा के मामलों में हुई चिंताजनक वृद्धि का भी उल्लेख किया।



ऑस्ट्रेलिया में मना छठ महापर्व, दो हजार से ज्यादा प्रवासी बिहारी परिवार हुए शामिल

भारतीय संस्कृति, लोक आस्था और बिहार की समृद्ध परंपराओं की अनूठी छाप छोड़ी

सिडनी,एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में बसे प्रवासी बिहारी समुदाय ने छठ महापर्व को पूरे उत्साह, श्रद्धा और पारंपरिक उल्लास के साथ मनाया। बिहार झारखंड कम्युनिटी ऑस्ट्रेलिया (बीजेसीए) के सहयोग से सिडनी में 25 से ज्यादा स्थानों पर छठ पूजा का आयोजन किया गया। इस आयोजन में दो हजार से ज्यादा बिहारी परिवारों ने भाग लिया। इस आयोजन ने ऑस्ट्रेलिया की धरती पर भारतीय संस्कृति, लोक आस्था और बिहार की समृद्ध परंपराओं की अनूठी छाप छोड़ी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बीजेसीए समिति के सदस्यों ने आयोजन को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई। समिति की



सदस्य ने कहा कि छठ पर्व बिहारियों के दिलों में बसता है। सिडनी में बिहारी परिवारों का एकजुट होकर इस पर्व को मनाना हमारी संस्कृति और परंपरा की ताकत को दर्शाता है। वैश्विक बिहारी समुदाय के नेता ने छठ को बिहारी पहचान और अस्मिता का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि सिडनी में जिस भव्यता और श्रद्धा के साथ छठ मनाया गया, वह साबित करता है कि बिहारी दुनिया के किसी भी कोने में रहें, बिहार हमेशा उनके दिल में बसता है।

बीजेसीए सिडनी के बिहारी परिवारों का प्रतिनिधित्व करने वाला प्रमुख सामुदायिक संगठन बन चुका है। संगठन बिहार, पूर्वांचल और झारखंड की सांस्कृतिक विरासत को ऑस्ट्रेलिया में आगे बढ़ाने के लिए काम कर रहा है। बता दें छठ पर्व भारत के सबसे पवित्र और कठिन लोक पर्वों में से एक है, जो मुख्य रूप से बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश और नेपाल के तराई क्षेत्रों में मनाया जाता है। यह पर्व सूर्य देव और छठी माता को समर्पित है। इसमें डूबते और उगते सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है, जो प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और अटूट आस्था का अनूठा प्रतीक है।

थाईलैंड के फुकेट में लगी आग, 11 की जिंदा जलकर मौत, 36 घायल

बैंकॉक , एजेंसी। थाईलैंड के लोकप्रिय पर्यटक स्थल फुकेट के पातोंग में तड़के भीषण आग लगने से कम से कम 11 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई है, जबकि 36 लोग घायल हुए हैं। यह दर्दनाक हादसा तड़के करीब 3:20 बजे फांग मुआंग साई कोर रोड स्थित एक कमर्शियल बिल्डिंग में हुआ। आग इतनी तेजी से फैली कि गहरी नींद में सो रहे लोगों को संभलने का मौका तक नहीं मिला और इसने देखते ही देखते आसपास की अन्य इमारतों को भी अपनी चपेट में ले लिया। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की गाड़ियां तुरंत मौके पर पहुंचीं। दमकलकर्मियों ने लगभग 40 से 50 मिनट की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया। सभी घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। स्थानीय प्रशासन और पुलिस ने आग लगने के सटीक कारणों का पता लगाने के लिए गहन जांच शुरू कर दी है।

हसीना के पैतृक गृह जिले गोपालगंज में हिंसा, डीसी,एसपी का तबादला

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के पैतृक जिले गोपालगंज में प्रतिबंधित आवामी लीग और उससे जुड़े संगठनों के समर्थकों के प्रदर्शनों के बाद हिंसा और अशांति की कई घटनाएं सामने आई हैं। शेख हसीना और आवामी लीग से जुड़े होने के कारण इस जिले का राजनीतिक महत्व काफी है। हाल ही में यहां रैलियां, तोड़फोड़ और झड़पें हुई हैं, जिनमें प्रदर्शनकारियों को कथित तौर पर लाठी और चाकू जैसे स्थानीय हथियारों से लैस देखा गया। इन घटनाओं के बाद, बांग्लादेश सरकार ने गोपालगंज के डिप्टी कमिश्नर (डीसी) और सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस (एसपी) का तबादला कर दिया है। एक स्थानीय अखबार ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से आवामी लीग के नेता और कार्यकर्ता गोपालगंज में सड़कें ब्लॉक कर रहे हैं और जुलूस निकाल रहे हैं। रविवार को उन्हें डंडे और चप्पू सहित कई लोकल हथियारों से लैस होकर विरोध मार्च और रैलियां करते देखा गया। रिपोर्ट में आगे कहा गया कि इन जुलूसों में से एक पुलिस आर्मर्ड पर्सनल कैरियर (एपीसी) और एक पुलिस बॉक्स में तोड़फोड़ की गई। पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने जुलाई मॉन्यूमेंट और हादी स्क्वायर की पट्टिकाओं को भी क्षतिग्रस्त किया। सरकार ने स्थिति नियंत्रण में लाने के लिए गोपालगंज में बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) के छह टुकड़ियों को तैनात किया है। अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के दिसंबर में बांग्लादेश लौटने की घोषणा के बाद, गोपालगंज में आवामी लीग की गतिविधियां बढ़ी हैं। बांग्लादेश के कानून मंत्री मोहम्मद असदुज्जमां ने कहा है कि शेख हसीना की वापसी प्रत्यर्पण संधि के तहत कानूनी प्रक्रिया से होगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल के फैसले के खिलाफ अपील की निर्धारित समयसीमा समाप्त होने के बाद देरी माफ करने का कोई कानूनी प्रावधान नहीं है। ट्रिब्यूनल के मुख्य अभियोजक अमीनुल इस्लाम के मुताबिक, फैसले के प्रकाशन के 30 दिनों के भीतर अपील दाखिल करने का प्रावधान है। गौरतलब है कि 17 नवंबर 2025 को इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल-1 ने जुलाई 2024 के विद्रोह के दौरान मानवता के खिलाफ अपराधों से जुड़े मामले में शेख हसीना को मौत की सजा सुनाई थी, जिसका पूरा विवरण 13 जनवरी 2026 को प्रकाशित किया गया था।

रात में 2 घंटे की गहरी नींद है आपके लिए बेहद जरूरी, इसी दौरान होती है मस्तिष्क की 'सफाई'

आपकी कुल नींद का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा गहरी नींद होना चाहिए। गहरी नींद आपको दिमागी चिंता, तनाव आदि से छुटकारा दिलाती है और दिमाग में भरी 'फालतू' की यादों और बातों को भुलाने में मदद करती है।

दुनियाभर में लोग नींद की कमी से जूझ रहे हैं। देर रात तक जागने और जरूरत से कम नींद लेने के कारण लोगों में मानसिक बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। हमारे शरीर और स्वास्थ्य के लिए 24 घंटे में से कम से कम 7-8 घंटे की नींद बहुत जरूरी है। दरअसल हमारा शरीर एक प्रकार की मशीन है, जिसके लिए लगातार काम करना संभव नहीं है। नींद द्वारा शरीर की मांसपेशियां रिचार्ज होती हैं और दोबारा काम करने के लिए तैयार होती हैं।



आपको रोजाना कितनी नींद लेनी चाहिए, नींद का आपकी सेहत पर क्या प्रभाव पड़ता है और नींद कैसी होनी चाहिए- इन विषयों पर आए दिन वैज्ञानिक शोध होते रहते हैं। इसका कारण यह है कि इन दिनों युवाओं में नींद की कमी एक बड़ी समस्या है।

कितनी गहरी नींद है जरूरी?

आमतौर पर जब हम रात में सोते हैं, तो कुछ समय गहरी नींद में होते हैं, जिसे डीप स्लीप (Deep Sleep) कहा जाता है और कुछ समय उथली या हल्की नींद में होते हैं, जिसे लाइट स्लीप (Light Sleep) कहा जाता है। न्यू हेल्थ एडवाइजर पर छपी एक रिपोर्ट के अनुसार 18 साल से ज्यादा उम्र के लोगों को रोजाना रात में अपनी कुल नींद का लगभग 20प्रतिशत हिस्सा गहरी नींद लेना चाहिए। लेख के अनुसार वयस्कों के लिए कम से कम 1.5 से 1.8 घंटे (लगभग 2 घंटे) की गहरी नींद बेहद जरूरी है।

गहरी नींद से कम होता है तनाव

हाल में ही नेचर ह्यूमन बिहैवियर नाम की जर्नल में एक रिसर्च छापी गई, जिसमें बताया गया कि गहरी नींद आपको हर तरह के तनाव से छुटकारा दिलाने में बहुत कारगर है। इस रिसर्च के अनुसार अगर आप रात में ठीक ढंग से नहीं सो पाते हैं, तो आपके तनाव की समस्या 30 प्रतिशत तक बढ़ सकती है। रिसर्च के अनुसार आप जितना ज्यादा गहरी नींद सोएंगे, उतना ही आपका मस्तिष्क स्वस्थ रहेगा और आप उठने के बाद फ्रेश महसूस करेंगे। ये रिसर्च यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया के साइकोलॉजी (न्यूरोसाइंस) विभाग के प्रोफेसर मैथ्यू वॉकर ने लिखा है।

क्या कहते हैं हेल्थ एक्सर्ट?

सिद्धार्थ नगर के मेडिकल ऑफिसर और मनोरोग विशेषज्ञ डॉक्टर राम आशीष बताते हैं कि वयस्कों के लिए 7-9 घंटे की नींद बहुत जरूरी है, जबकि बच्चों के लिए 9 से 11 घंटे सोना जरूरी है। मगर आजकल स्मार्टफोन, टीवी और सोशल मीडिया में बिजी रहने के कारण लोग पर्याप्त नींद नहीं ले पा रहे हैं। इसका असर उनके मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा पड़ रहा है। नई उम्र के बच्चे-बच्चियां जब मेरे पास डिप्रेशन, तनाव की समस्या लेकर आते हैं, तो सबसे पहले मैं उनकी नींद के बारे में पूछता हूं। ज्यादातर मामलों में यही सुनने को मिलता है कि वे पर्याप्त नींद नहीं ले रहे हैं। दरअसल नींद के दौरान पूरा शरीर एक तरह से रिस्टोर (Restore) होता है और दिनभर काम कर रहे अंगों को थोड़ा आराम का मौका मिलता है। अगर कोई व्यक्ति कम सोता है, तो उसका दिमाग पूरी तरह रिस्टोर नहीं हो पाता है। इसके साथ ही डॉ. आशीष ने बताया कि लंबे समय तक नींद की कमी से मोटापे, याददाश्त में कमी, देर रात तक जागने वालों में हाई ब्लड प्रेशर की समस्या, दिल की बीमारियों और स्ट्रोक का खतरा होता है। नींद आपके सैकड़ों रोगों का एक आसान सा इलाज है। इसलिए नींद से समझौता नहीं करना चाहिए। अगर आपको नींद आने में समस्या हो रही है या कोशिश के बाद भी आपको जल्दी नींद नहीं आती है, तो डॉक्टर से मिलें और उचित सलाह लें, मगर इसे नजरअंदाज न करें।

नींद करती है फालतू की बातें भुलाने में मदद

पिछले दिनों आई एक अन्य रिसर्च में भी कुछ इसी तरह की बात का जिक्र किया गया है। इस रिसर्च में वैज्ञानिकों ने बताया है कि अगर आप रात में गहरी नींद सोते हैं, तो इससे दिनभर में हुई अनावश्यक बातों और घटनाओं को भुलाने में आपको मदद मिलती है। दिमाग के लिए जो चीजें फालतू होती हैं, दिमाग नींद के दौरान उन्हें मस्तिष्क से हटा देता है। इस तरह अगले दिन सोकर उठने के बाद आपके पास सिर्फ उन्हीं जानकारियों और चीजों की याद बचती है, जो आपके लिए जरूरी होती हैं। ये रिसर्च 'साइंस' पत्रिका के इसी माह के अंक में छापी गई है।

विटामिन डी की कमी बुढ़ापे में बना सकती है लाचार



आप यह सुनिश्चित कर लें कि आपके भोजन में विटामिन डी पर्याप्त मात्रा में हो अन्यथा उम्र बढ़ने के साथ ही आपकी सोचने समझने की क्षमता कम होती जाएगी।

शोधकर्ताओं ने एक अध्ययन के दौरान पाया जो लोग कम मात्रा में विटामिन डी लेते हैं उनकी उम्र बढ़ने पर सोचने, सीखने या याद रखने की क्षमता कम हो जाती है। यह अध्ययन आर्काइव्स ऑफ इंटरनल मेडिसिन में प्रकाशित हुआ है।

शोधकर्ताओं के अनुसार, विटामिन डी की तंत्रिका कोशिकाओं के निर्माण में अहम भूमिका होती है। तंत्रिका कोशिकाओं का निर्माण कर विटामिन डी मस्तिष्क के उत्तकों के क्षरण को रोकता है। इसके अलावा, विटामिन डी शरीर में कैल्शियम के स्तर को बनाए रखता है तथा अल्जाइमर से संबद्ध पदार्थ बीटा अमीलॉयड को हटाता है।

डेविड जे लेवेल्लयन की अगुवाई में एक्जीटर विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं के दल ने 65 वर्ष से अधिक उम्र के 858 लोगों पर यह अध्ययन किया है।

रेसिपी



सूपी पास्ता

सामग्री

■ पास्ता: 1 कटोरी उबला हुआ ■ प्याज: 1 छोटे टुकड़ों में कटे हुए ■ टमाटर : 1 बारीक कटा हुआ ■ गाजर: 1/4 कप ■ शिमला मिर्च: 1 चौथाई कप ■ मशरूम: 2 बारीक कटी ■ पत्ता गोभी: 1/2 कप ■ पास्ता पिजा सॉस: 2 टेबलस्पून ■ हरा धनिया बारीक कटा ■ काली मिर्च पाउडर: 1/2 टीस्पून ■ नमक: स्वाद के अनुसार ■ कॉर्न फ्लोर: 1 टेबलस्पून ■ बटर: 2 टेबलस्पून

विधि

एक पैन में बटर डालकर गर्म करें। अब इसमें लहसुन डालकर 30 सेकंड तक भूनें, फिर इसमें प्याज डालकर एक मिनट चलाते हुए फ्राई कर लें। गोल्डेन ब्राउन होने पर सारी सब्जियों को पैन में चलाते हुए मीडियम आंच पर पकाएं। थोड़ा सा नमक और तकरीबन 1/2 लीटर पानी डाल दें। अब इसमें पिज्जा सॉस डालें। पानी में अच्छी तरह मिक्स हो जाने के बाद इसमें उबला हुआ पास्ता डालकर अच्छे से मिला लें। 2-3 मिनट उबलने के बाद इसमें काली मिर्च पाउडर डाल दें। कॉर्न फ्लोर मे पानी डालकर इसका घोल बनाएं और इस घोल को पास्ते में डालकर मिलाएं। मीडियम आंच पर 2 मिनट और पकाएं। तैयार है आपका टेस्टी सूपी पास्ता।



अचारी मठरी

सामग्री

■ मैदा: 2कप ■ मेथी दाना: 1/4 टीस्पून ■ पीली राई पाउडर: 1/2 टीस्पून ■ सौंफ पाउडर: 1 छोटा टीस्पून ■ धनिया पाउडर: 1 छोटा टीस्पून ■ अदरक पेस्ट: 1/2 टीस्पून ■ जीरा: 1/2 टीस्पून ■ हींग: 1/4 टीस्पून ■ नमक: स्वाद के अनुसार ■ अमचूर पाउडर: डेढ़ टीस्पून ■ काली मिर्च पाउडर: 1/4 टीस्पून ■ लाल मिर्च पाउडर: 1/2 टीस्पून ■ अजवाइन: 1/2 टीस्पून ■ तेल: 2 टेबलस्पून ■ नींबू का रस: 2 टीस्पून ■ सरसों का तेल: 1/2 कप ■ बेसन: आधा कप (भूना हुआ) ■ रिफाइंड ऑयल: तलने के लिए

विधि

एक बाउल में मैदा, नमक, अजवाइन और तेल डालकर सख्त आटा गूंथ लें। फिर ढंककर 20 मिनट रख दें। मसाले के लिए पैन में 1 टेबलस्पून तेल गर्म करें। इसमें हींग, जीरा पाउडर, हल्दी, मेथी पाउडर, अदरक का पेस्ट डालकर भून लें। फिर इसमें धनिया, सौंफ पाउडर, राई का पाउडर, काली मिर्च पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, अमचूर और नमक डालकर अच्छे से मिक्स करें और धीमी आंच पर एक मिनट भून लें। फिर इसमें बेसन और नींबू का रस मिक्स कर लें। आटे को हल्का मसल लें और छोटी लोइयां बनाकर दो इंच मोटा बेल लें। इसके ऊपर आधा टी-स्पून मसाला रखें और चारों ओर से बंद कर दें और हल्का सा बेल लें। इसके दोनों ओर फोर्क से छेदकर कर दें। कढ़ाई में तेल गरम करें। तेल जब मीडियम गरम हो जाए, तब इसमें मठरी डालें और धीमी आंच पर दोनों ओर से गोल्डन ब्राउन होने तक सेंक लें। इन्हें चाय के साथ सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)

धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। कार्यक्षेत्र में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-2-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)

घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। हाथ में आने वाला धन भी किसी अवरोध का शिकार हो जाएगा। व्यापार में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। धार्मिक यात्रा का योग है। शुभांक-5-7-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)

चापलूस मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। सब्र का फल मीठा होता है अत:धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। शुभांक-4-6-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)

थोड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। घर-परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। शुभ कार्यों का तत्काल फल मिलेगा। शुभांक-5-7-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)

पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-6-8-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित लाभ होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-7-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)

कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। माता-पिता के स्वास्थ्य की चिन्ता रहेगी। शुभांक-5-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)

व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-1-3-5

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)

शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रख। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। शुभांक-2-4-6

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)

रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। राजकीय कार्यों से लाभ। शुभांक-3-5-7

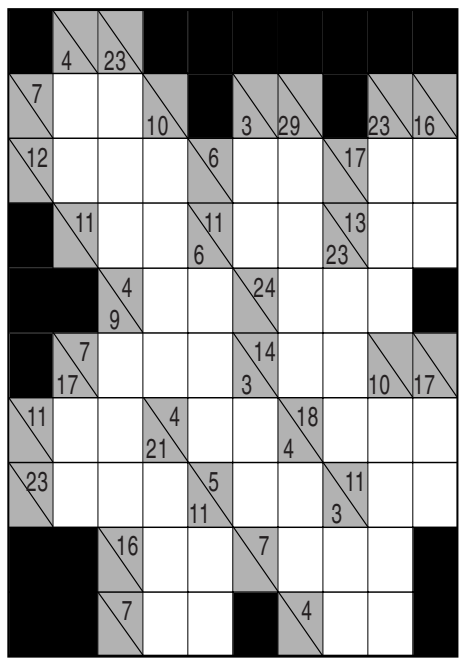
कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)

समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-4-7-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)

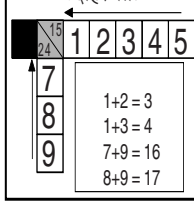
महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-4-8-9

काकुरो पहेली - 2649

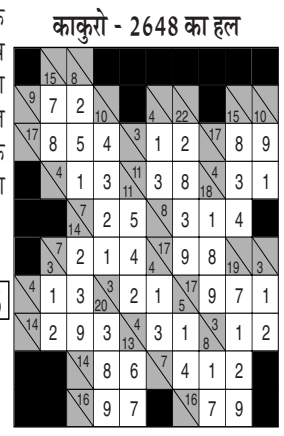


खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः



काकुरो - 2648 का हल



हंसी के फव्वारें

एक कवि की कविताएं कोई नहीं सुनता था आखिरकार एक दिन जब एक व्यक्ति ने उनकी कविता सुनी तो कवि ने उसका आभार मानते हुए कहा कि'आप पहले ऐसे महानुभाव है जिन्होंने कि मेरी कविताएं इतने ध्यान से सुनी हैं.'

दूसरा व्यक्ति-'जरा जोर से बोलिए मैं थोड़ा ऊंचा सुनता हूँ.'

□ □ □

एक कैदी से मिलने जेल में कोई नहीं आता था,यह देख कर जेलर को उस पर दया आ गई उसने कैदी को बुलाकर पूछा कि 'क्या बात है तुमसे मिलने तुम्हारा कोई रिश्तेदार जेल में क्यों नहीं आता है ?'

कैदी-'क्योंकि साहब वे सब भी तो यहीं ही है !'

□ □ □

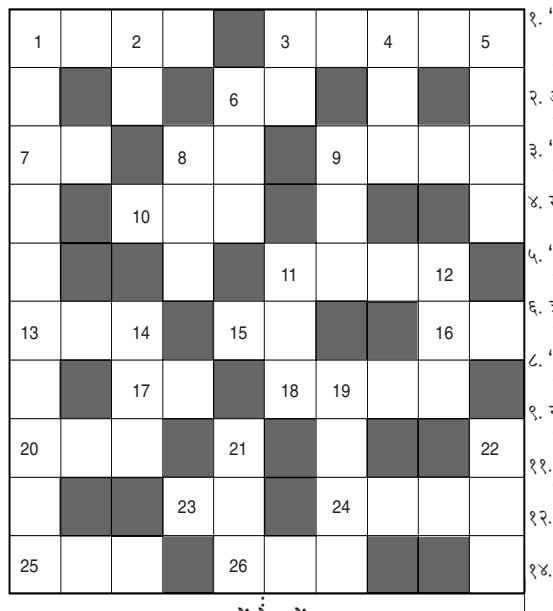
दो मित्र आपस में बातें कर रहे थे. एक बोला-'क्या यह ताजुब की बात नहीं कि रमेश के भाग्य ने उसका आखिर तक साथ दिया.'

'वह कैसे ?'

'खाना खाते हुए वह एक मोती निगल गया था.' मित्र ने पूरी बात बताते हुए कहा -'जब उसका ऑपरेशन करके वह मोती निकाला गया तो वह इतना कीमती निकला कि उसकी कीमत से न केवल आपरेशन का बिल ही चुक गया, बल्कि उसका क्रिया-कर्म भी ठाठ से सम्पन्न हुआ.'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 2649



बायें से दायें:-

१. इमरान हाशमी, दीपल शॉ की 'क्योंकि इतना प्यार' गीत वाली फिल्म-४
३. 'सौ दर्द हैं सौ राहतें' गीत वाली प्रीती, सलमान, अक्षय की फिल्म-२,१,२
६. आमिर खान, माधुरी दीक्षित की 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-२
७. 'आजा गुफाओं में' गीत वाली अमिताभ, मनोज की फिल्म-२
८. मोहित अहलावत, निशा की 'धीमी धीमी सी जिंदगी' गीतवाली फिल्म-२
९. 'ये मुलाकात एक बहाना है' गीत वाली जीतेंद्र, सुलक्षणा की फिल्म-४
१०. अनिलकपूर, स्मिता की 'आसमान छत हो मेरी' गीत वाली फिल्म-३
११. 'एक था बचपन' गीत वाली अशोक कुमार, संजीव, सुमिता की फिल्म-४
१३. सनी, मीनाक्षी शेशाद्रि की 'गवाह हैं चाँद तारे' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'सारे मोहल्ले में हल्ला' गीत वाली सुनील शेट्टी, पूजा बत्रा की फिल्म-२
१६. नसीर, जैकी, शिल्पा, की 'लड़का लड़की से' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'मैं ऐसा क्यों हूँ' गीत वाली अमिताभ, ऋतिक की फिल्म-२
१८. जीतेंद्र, लीना की 'दुनिया ने मुझको समझा नाकारा' गीत वाली फिल्म-४
२०. 'मिली तेरे प्यार की छाँव' गीत वाली अनिलकपूर, पूनम की फिल्म-३
२३. संजयदत्त, उर्मिला की 'ये जान ले ले रे' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'प्यार मुझसे जो किया' गीत वाली फारूख शेख, दीप्ति की फिल्म-२,२
२५. अमिताभ, हेमा मालिनी की 'दूल्हा दुल्हन की जोड़ी' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'चोरी चोरी जब नजरें मिली' गीत वाली बॉबी देओल, नेहा की फिल्म-३

ऊपर से नीचेः-

१. 'मितवा, कहे धड़कने तुझसे' गीत वाली अमिताभ, शाहरूख, जॉन, अभिषेक, काजोल की फिल्म-२,४,१,३
२. अजय, अभिषेक, रानी, करीना, 'कभी नीम नीम कभी शहद शहद' गीत वाली फिल्म-२
३. 'एक लड़की बस गई' गीत वाली सनी देओल, तब्बू, रीमा सेन की फिल्म-२
४. राहुल खन्ना, जॉन, मिथुन, लारा, अमीषा की 'बेचैन मेरा दिल' गीत वाली फिल्म-३
५. 'कश पे कश लगाने दे' गीत वाली शरदकुमार, नंदा की फिल्म-२,२
६. ऋषि कपूर, शाहरूख, दिव्या की 'ऐसी दीवानगी देखी नहीं' गीत वाली फिल्म-३
८. 'तुम्हारे प्यार में' गीत वाली धर्मेन्द्र, संजीव कुमार, आशा की फिल्म-३
९. नाना, सलमान, मनीषा, सीमा की 'आज मैं ऊपर आसमां नीचे' गीत वाली फिल्म-३
११. 'मेरी बन्नो की आएगी' गीत वाली जैकी, जूही, अमृतासिंह की फिल्म-३
१२. अक्षय खन्ना, सोनाली बेंद्रे की 'सावन बरसे तरसे दिल' गीत वाली फिल्म-३
१४. फिल्म 'दूध का कर्ज' में जैकी श्रॉफ के साथ नायिका कौन थी ?-३
१९. जैकी श्रॉफ मोहसिन खान, नीलम की 'दे दो दे दो मुझे दिल' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'रहने को घर नहीं है' गीत वाली संजय दत्त, पूजा भट्ट की फिल्म-३
२२. गिरीश कर्नाड, स्मिता पाटिल की 'म्हारो गाँव काथिया पारे' गीत वाली श्याम बेनेगल निर्देशित फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 2648

म	र्या	दा	■	ब	व	ड	र	■	औ
हा	■	दी	वा	ना	■	र	ख	वा	ला
न	ई	माँ	■	र	क्त	■	वा	■	द
■	श्व	■	द	स	■	पा	ले	खाँ	■
स	र	ग	म	■	खा	की	■	■	ध
ड़	■	द	■	श	■	जा	न	व	र
क	श्मी	र	की	क	ली	■	क्श	■	ती
■	■	■	म	■	ला	खा	■	ना	■
इ	जा	ज	त	■	■	मो	ह	रा	■
श्क	■	ख्मी	■	त	ला	शी	■	ज	ख्म

सूडोकु -2649

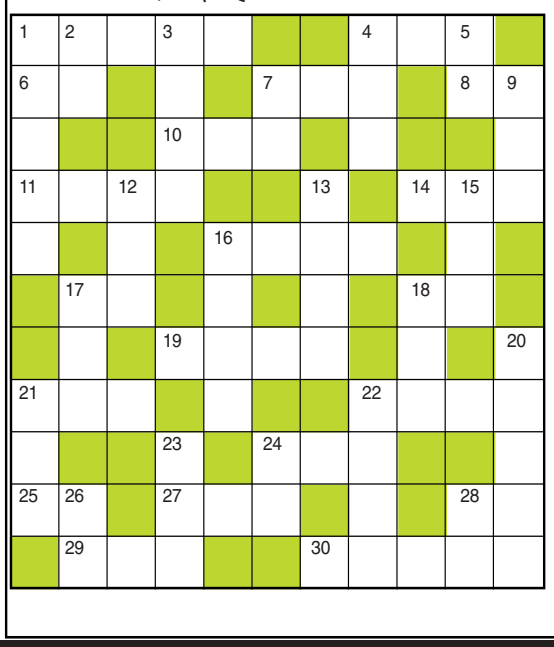
4	6		3		8	9		7
	1		9		6		5	4
						8		
	4		5				8	
2		5		4		6		1
	3				1		7	
		3						
5	9		7		2		6	
7		6	4		3		9	2

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2648 का हल

5	7	2	3	8	4	1	9	6
8	6	1	9	2	5	7	3	4
3	9	4	1	6	7	5	8	2
2	5	7	4	1	3	8	6	9
4	8	6	5	9	2	3	7	1
1	3	9	6	7	8	4	2	5
6	2	3	7	4	1	9	5	8
9	4	5	8	3	6	2	1	7
7	1	8	2	5	9	6	4	3

शब्द पहेली - 2649



बाएँ से दाएँ

1.उड़ीसा का शहर जहां इस्पात फैक्ट्रियां हैं-5
4.कराह,टीस,लालसा-3
6.हानि,आपत्ति-2
7.दुश्मनी,बैर-3
8.इंसाफ-2
10.साठवीं जयंती-3
11.जलाऊ लकड़ी-4
14.छोटा भाई-3
16.निरंकुश,आवारा-4
17.ठाठ-बाट-2
18.आफत,मुसीबत-2
19.शैतानी,बदमाशी-4
21.सहायता-3
22.इच्छा,लालसा-4
24.कवि,गजलकार-3
25.जरा,थोड़ा-2
27.मुलायम,नाजुक-3
28.गुफा,खोह-2
29.प्रियतम,सनम-3
30.मन मोहने वाला-5

ऊपर से नीचे

1.सार्वजनिक मार्ग, आम रास्ता-5
2.उत्साह.शक्ति-2
3.बिना बाल वारा,गंजा-4
4.पंक्ति,लाइन-3
5.लड़की,पुत्री,बेटी-2
7.वहम,संदेह-2
9.जुड़वा-3
12.प्रतिज्ञा,कसम-3
13.गंगा का पानी-4
15.तीखा,तीक्ष्ण-3
16.आतुर,धैर्यहीन-4
17.संभवतः-3
18.मर्कट,कपि-3
20.गोविंदा,खुशबू की फिल्म-5
21.पानी रखने का चमड़े का पात्र-3
22.मनोकामना -4
23.साजन,प्रेमी-3
24.संध्या,सांझ-2
26.आनंद-2
28.महीना,मास-2

शब्द पहेली -2648 का हल

■	प	रा	या	प	न	■	म	च	ल	ना
सां	ग	■	च	■	का	ली	न	■	त	ट
ब	■	त	क	रा	र	■	का	ल	■	की
ला	चा	र	■	■	दे	श	■	त	न	य
प	■	ती	■	पा	ना	■	गा	■	क	■
न	क	ब	ज	न	■	चा	ल	च	ल	न
■	हा	■	मा	■	च	र	■	ह	■	म
म	र	ना	■	द	म	■	■	क	स	क
र	■	श	क	■	क	रा	ह	ना	■	या
दू	ब	■	ल	बा	दा	■	रा	■	या	ञा
द	या	क	र	■	र	च	ना	का	र	■

लाल किला कार बम ब्लास्ट मामले से जुड़े दो केस दिल्ली ट्रांसफर

● सुप्रीम कोर्ट ने जम्मू-कश्मीर और हरियाणा के मामलों को विशेष एनआईए अदालत में भेजा

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास हुए कार बम विस्फोट मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की ट्रांसफर याचिका मंजूर कर ली है। अदालत ने जम्मू-कश्मीर और हरियाणा में दर्ज दो मामलों को दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट स्थित विशेष एनआईए अदालत में स्थानांतरित करने का आदेश दिया है। साथ ही तीन एफआईआर को एक साथ जोड़कर सुनवाई की अनुमति दी गई है। जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा और जस्टिस श्रीचंद्रशेखर की पीठ ने सोमवार को यह आदेश दिया। एनआईए ने अदालत में दलील दी थी कि तीनों एफआईआर लाल किला विस्फोट से जुड़ी कथित बड़ी साजिश और 'डॉक्टर मॉड्यूल' की जांच का हिस्सा हैं। एजेंसी के अनुसार, जम्मू-कश्मीर, हरियाणा और दिल्ली में फैले कथित 'व्हाइट कॉलर टेरर मॉड्यूल' की जांच में ये मामले आपस में जुड़े हुए हैं। मामला 10 नवंबर 2025 को लाल किला मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर तीन के पास हुए कार विस्फोट से जुड़ा है। विस्फोट में 13 लोगों की मौत हुई थी। जांच के अनुसार कार को फरीदाबाद स्थित अल-फलाह यूनिवर्सिटी के डॉ. उमर नबी चला रहा था, जिसकी भी धमाके में मौत हो गई थी। एनआईए ने उसे कथित मुख्य साजिशकर्ता और आत्मघाती हमलावर बताया है।

अंदरुनी जासूसी और साइबर हमले से सेना को सबसे बड़ा खतरा : एयरफोर्स चीफ

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय वायुसेना प्रमुख आशुतोष दीक्षित ने चेतावनी दी है कि सेना को विदेशी जासूसी नेटवर्क से नहीं, बल्कि अंदरुनी लोगों से सबसे ज्यादा खतरा है। उन्होंने कहा कि ये नेटवर्क अब केवल हनी ट्रैप तक सीमित नहीं हैं, बल्कि साइबर जासूसी, सोशल मीडिया पर प्यार का झांसा, मल्टीलेवल मार्केटिंग और कर्ज के जाल में फंसाकर संवेदनशील जानकारी हासिल करने की कोशिश करते हैं। इस साल हनी ट्रैप के चार मामले सामने आए हैं। इन बढ़ते खतरों से निपटने के लिए सेना ने तकनीकी और संस्थागत स्तर पर कई कदम उठाए हैं। ये सुरक्षा व्यवस्था सरकारी क्षेत्र, डीआरडीओ की लैब और निजी रक्षा कंपनियों पर लागू होती है। वायुसेना प्रमुख दीक्षित ने बताया कि निजी रक्षा कंपनियों को नेटवर्क के सुरक्षित इस्तेमाल और सही सॉफ्टवेयर के चयन के लिए विशेष एजेंसी सलाह दे रही है। उन्होंने कंपनियों को इन सलाहों का पालन करने, जिससे ज्यादातर साइबर सुरक्षा खतरों से बचा जा सकता है।



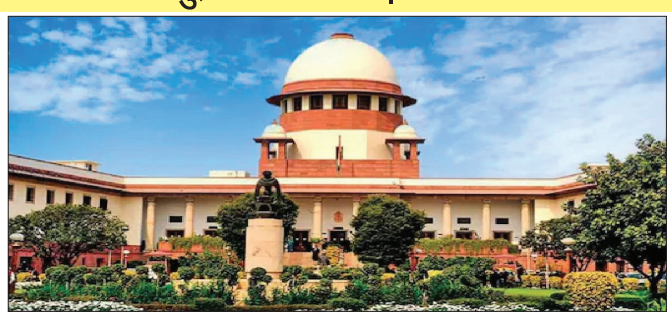
कुंडा में धीरेंद्र शास्त्री की श्रीराम कथा : सुरक्षा के कड़े इंतजाम

● 500 पाकिस्तानी हिंदू शरणार्थी होंगे शामिल

प्रतापगढ़, एजेंसी। जिले के कुंडा स्थित बेंती राजभवन परेड ग्राउंड में 17 से 20 नवंबर तक पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री भव्य श्रीराम कथा सुनाएंगे। इस चार दिवसीय धार्मिक आयोजन में कुंडा विधायक राजा भैया के विशेष निमंत्रण पर जोधपुर शिविर से 500 पाकिस्तानी हिंदू शरणार्थी भी शामिल होंगे। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ और वीवीआईपी मूवमेंट को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद कर दिया है। पूरे कथा क्षेत्र को 9 सेक्टर और 7 जोन में बांटकर करीब एक हजार पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। अपर पुलिस अधीक्षक बृजनंदन राय के अनुसार, कथा क्षेत्र को 9 सेक्टर और 7 जोन में विभाजित किया गया है, जिसकी निगरानी एक हजार से अधिक पुलिसकर्मी करेंगे। इनमें एक एसपी, तीन एडिशनल एसपी और छह सीओ सहित फतेहपुर, कौशाम्बी और प्रयागराज कमिश्नरेट का अतिरिक्त बल भी शामिल है। सीसीटीवी कैमरों और सादे कपड़ों में तैनात पुलिसकर्मियों से लगातार निगरानी रखी जाएगी। सुरक्षा के मद्देनजर 16 से 20 नवंबर तक कुंडा में रूट डायवर्जन लागू रहेगा और भारी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। बेंती में आयोजित इस कथा के लिए विशाल पंडाल तैयार किए गए हैं।

करोड़ों में रुपये हो गए खर्च, लेकिन फिर भी अभी तक यमुना प्रदूषित

सुप्रीम कोर्ट की कड़ी फटकार



नई दिल्ली , एजेंसी। यमुना नदी में बढ़ते प्रदूषण को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने गहरी नाराजगी जाहिर की है। करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद नदी की हालत में सुधार न होने और उलटा प्रदूषण बढ़ने पर जस्टिस मनोज मिश्रा और जस्टिस मनमोहन की बेंच ने कड़ी फटकार लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा कि यमुना में गिरने वाले 520 नाले और नदी की दयनीय स्थिति दिखाती है कि इसके किनारे बसे शहरों और कस्बों का प्रशासन अपना काम ठीक से नहीं कर रहा है। शीर्ष न्यायालय ने केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) को कड़े निर्देश दिए हैं कि वह हर राज्य, केंद्र शासित प्रदेश और जिले में यमुना के एंट्री और एग्जिट पॉइंट्स पर पानी की गुणवत्ता की लगातार निगरानी करे। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यदि किसी राज्य या जिले से गुजरने के दौरान नदी के पानी की गुणवत्ता खराब होती है, तब संबंधित प्राधिकरण को तत्काल इसके लिए जिम्मेदार माना जाएगा और उस पर जुर्माना भी लगाया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने यमुना एक्शन प्लान (वायएपी) में दर्ज जानकारियों पर भी गंभीर संदेह व्यक्त किया। पीठ ने गौर किया कि प्लान में दिल्ली के जोन ओ के 35 जल निकायों और वेटलैंड्स को अतिक्रमण मुक्त बताया गया है, जबकि दिल्ली सरकार के अपने दस्तावेजों में इन सभी 35 जगहों पर अतिक्रमण दर्ज है। इस विरोधाभास पर कोर्ट ने कड़ी आपत्ति जताकर और एक्शन प्लान की विश्वसनीयता पर सवाल उठाए। प्रदूषण नियंत्रण के प्रयासों को मजबूत करने और जवाबदेही तय करने के लिए, कोर्ट ने सभी सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एटीपी) और कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (सीईटीपी) को एक महीने के भीतर छेड़छाड़-रोधी स्मार्ट एनर्जी मीटर लगाने का आदेश दिया है। इन मीटरों का लाइव डेटा भी ऑनलाइन अपलोड करना अनिवार्य होगा, ताकि प्लांट्स के कामकाज की वास्तविक समय में निगरानी हो सके। इसके अतिरिक्त, सीपीसीबी को हर तीन महीने में इन प्लांट्स का औचक निरीक्षण करने का निर्देश दिया गया है। इन सभी कदमों का लक्ष्य यमुना में प्रदूषण रोकने के लिए प्रभावी जिम्मेदारी तय करना और पूर्ण जवाबदेही सुनिश्चित करना है।

सीआरपीएफ के तीन जवान पर हमला करने वाले दो आतंकियों को सेना ने किया ढेर

● इसमें लश्कर का टॉप कमांडर लतीफ भट्ट भी शामिल जो हमले का मास्टरमाइंड था

जम्मू, एजेंसी। जम्मू कश्मीर के कुलगाम में भारतीय सेना ने कुलगाम में हुए एनकाउंटर में लश्कर-ए-तैयबा के दो आतंकियों को ढेर कर दिया है, इसमें लश्कर का टॉप कमांडर लतीफ भट्ट भी शामिल है। लतीफ भारत के खिलाफ कई आतंकी घटनाओं को अंजाम दे चुका है। इस एनकाउंटर में भारतीय सेना और सीआरपीएफ के साथ-साथ जम्मू-कश्मीर पुलिस भी शामिल थी। दरअसल कुलगाम में हाल ही में आतंकी हमला हुआ था, जिसमें सीआरपीएफ के तीन जवान घायल हो गए थे। इस हमले के बाद सुरक्षा स्थिति का जायजा लेने सीआरपीएफ के डीजी ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह कश्मीर पहुंचे थे। यह दौरा ऐसे समय में हुआ है जब लश्कर के आतंकवादी लतीफ भट की तलाश की जा रही थी। इस हमले का मास्टरमाइंड लतीफ ही था, जिसे एनकाउंटर में ढेर कर दिया गया। सीआरपीएफ के एसडीजी संदीप खिरवार ने सोमवार को बताया कि कुलगाम जिले में 11 नवंबर को हुए हमले के बाद पूरे जम्मू-कश्मीर में अलर्ट जारी किया गया है। स्पेशल डीजी ने बताया कि सीआरपीएफ ने पूरे केंद्र शासित प्रदेश में अलर्ट बढ़ा दिया है, क्योंकि इस हमले में उसके तीन जवान घायल हो हुए थे। खास बात यह भी है कि सुरक्षाबलों को हमलावरों का सुराग पहले ही मिल गया था। कुलगाम हमले के 24 घंटे के अंदर ही आतंकवादियों ने किश्तवाड़ जिले में दो स्पेशल पुलिस ऑफिसर्स, बाबी चंद और यशपाल कुमार की हत्या कर दी थी। बताया जा रहा है कि ये दोनों एक आतंकवाद-विरोधी ऑपरेशन के दौरान सेना के साथ जुड़ने जा रहे थे।

कोर्ट ने आजम खान को न्यायिक हिरासत में भेजा, अब सुनवाई 26 नवंबर को

● मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने हिरासत में लिया था, सपा नेता ने दी है चुनौती

गाजियाबाद, एजेंसी। समाजवादी पार्टी दिग्गज नेता आजम खान को कोर्ट से झटका लगा है। गाजियाबाद कोर्ट ने आजम खान को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। इस मामले में अगली सुनवाई 26 नवंबर को होगी। आजम खान को डासना जेल में रखा जाएगा। आजम खान को जौहर यूनिवर्सिटी मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने हिरासत में लिया था। इलाहाबाद हाईकोर्ट यूपी के मंत्री और समाजवादी पार्टी के दिग्गज नेता आजम खान की उस याचिका पर सुनवाई कर रहा है जिसमें उन्होंने ईडी द्वारा अपनी गिरफ्तारी को चुनौती दी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आजम खान पर आरोप है कि 31 अक्टूबर को दोहरे पैन कार्ड मामले में जेल से रिहा होने के ठीक 40 मिनट बाद ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था। 5 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले को हाईकोर्ट में ट्रांसफर कर दिया था। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने संकेत दिया है कि वह आज़म खान को अंतरिम ज़मानत देने के पक्ष में है। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने आजम खान से 4 दिन में 80 सवाल पूछे थे। इस मामले की जांच आखिरी चरण में है और जल्द ही ईडी अपनी चार्जशीट दाखिल करेगी। पूछताछ में ईडी को आजम खान ने कोई खास बयान नहीं दिया। रिपोर्ट के मुताबिक ईडी जौहर यूनिवर्सिटी के निर्माण में खर्च रकम और उसके स्रोत की जांच कर रही है। जौहर यूनिवर्सिटी की जमीन और 59 भवनों की 426.46 करोड़ रुपए की संपत्ति पहले ही अटैच कर चुकी है। इसके अलावा जो भी चंदा मिला है उनकी जानकारी ईडी खंगाल रही है। बता दें आजम खान 31 अक्टूबर 2026 को करीब 11 महीने बाद रामपुर जिला जेल से बाहर आए थे। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दो पैन कार्ड मामले में उनकी 10 साल की सजा पर रोक लगाते हुए जमानत दे दी थी। जेल से बाहर आते ही आजम खान को ईडी ने गिरफ्तार कर लिया था। इसके बाद उन्हें डासना जेल भेजा गया था, उसके बाद ईडी ने पूछताछ के लिए अपनी कस्टडी में ले लिया था जिसको लेकर आजम खान ने चुनौती दी थी।



यूपी चुनाव: अखिलेश संग सीट शेयरिंग पर कांग्रेस में बना दी पांच सदस्यीय कमेटी

राहुल गांधी ने कहा, सपा के साथ कोई भी समझौता सम्मानजनक होना चाहिए



नई दिल्ली, एजेंसी । उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटी कांग्रेस ने समाजवादी पार्टी (सपा) के साथ सीट बंटवारे और गठबंधन से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर बातचीत के लिए पांच सदस्यीय कमेटी का गठन किया है। इस कमेटी में पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा, संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, यूपी प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम, सांसद इमरान मसूद और प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा मोना शामिल हैं। कांग्रेस की यह कमेटी सपा प्रमुख अखिलेश यादव के साथ सीधे संवाद स्थापित कर सीटों के बंटवारे के जटिल फार्मूले पर मंथन करेगी और दोनों दलों के बीच समन्वय बनने का काम करेगी। कांग्रेस का कदम दिल्ली में हुई उच्चस्तरीय बैठक के बाद आया है, जिसमें उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की रणनीति पर गहन चर्चा हुई। इस बैठक में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने साफ तौर पर कहा कि सपा के साथ कोई भी समझौता सम्मानजनक होना चाहिए। उन्होंने जोर दिया कि सभी सहयोगी दलों को साथ लेकर चलना होगा और समाजवादी पार्टी इंडिया गठबंधन की महत्वपूर्ण साझेदार है। बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, केसी वेणुगोपाल सहित प्रदेश के प्रमुख नेता मौजूद रहे। बैठक के उपरांत कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने पोस्ट कर जानकारी दी कि उत्तर प्रदेश के आने वाले चुनाव देश की राजनीति को नई दिशा देने वाले है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता बदलाव की ओर देख रही है और सामाजिक न्याय, समान अवसर तथा वंचित वर्गों के अधिकारों को मजबूत होते देखना चाहती है। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने भरोसा जताया कि कांग्रेस पार्टी इंडिया गठबंधन के साथ मिलकर उत्तर प्रदेश की जनता के सामने एक मजबूत और विश्वसनीय विकल्प पेश करेगी। यह कमेटी उस समय बनी है जब समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच गठबंधन को लेकर कुछ अहम मुद्दों पर सहमति नहीं बनी है, जिसके चलते पेंच फंसा हुआ है। पहला मुद्दा विधानसभा सीटों के बंटवारे का है। अखिलेश यादव ने हाल ही में दावा किया था कि कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश की कुल 403 सीटों में से 181 सीटों की मांग की है, जो सपा के लिए स्वीकार्य नहीं है। दूसरा मुद्दा स्वामी प्रसाद मौर्य को इंडिया गठबंधन में शामिल करने की कांग्रेस की कोशिश से जुड़ा है, इस प्रस्ताव को अखिलेश यादव ने सीधे तौर पर खारिज कर दिया है। राहुल गांधी से स्वामी प्रसाद मौर्य की मुलाकात के बाद उनके गठबंधन में शामिल होने की अटकलें तेज हुई थीं। इन जटिलताओं के बीच, कांग्रेस द्वारा गठित यह पांच सदस्यीय कमेटी इन महत्वपूर्ण मतभेदों को सुलझाने और आगामी चुनावों के लिए एक ठोस रणनीति तैयार करने में अहम भूमिका निभाएगी, जिससे इंडिया गठबंधन की एकजुटता और मजबूती सुनिश्चित की जा सके।

केंद्र सरकार के सामने महिला आरक्षण-परिसीमन पर समर्थन जुटाने की चुनौती

नई दिल्ली , एजेंसी। केंद्र सरकार महिला आरक्षण और परिसीमन विधेयक पर संसद का विशेष सत्र बुलाने के बारे में विचार रही है, हालांकि इस संबंध में अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। उम्मीद जताई जा रही है कि सरकार विधेयकों को पारित कराने के लिए जरूरी दो तिहाई बहुमत से 15 से 18 वोट अधिक जुटा लेगी।

इस बार परिस्थितियां केंद्र सरकार के लिए बदली है। विपक्ष ने अप्रैल में एकजुट होकर सरकार के प्रस्ताव को रोक दिया था और एनडीए आवश्यक दो-तिहाई बहुमत नहीं जुटा सका था। लेकिन पिछले कुछ महीनों में टीएमसी और शिवसेना (उद्धव) के सांसदों के पाला बदलने के बाद लोकसभा में संख्याबल बदल गया है। डीएमके के इंडिया ब्लॉक से अलग होने के बाद विपक्षी खेमे की संख्या भी घटी है। इसके बावजूद सरकार के सामने संविधान संशोधन विधेयक पारित कराने के लिए पर्याप्त समर्थन जुटाने की चुनौती बनी हुई है। लोकसभा के मौजूदा गणित के मुताबिक, एनडीए के खेमे में कुल 321 सांसद हैं। इसमें लोकसभा अध्यक्ष भी शामिल हैं। इनमें टीएमसी के बागी 20 सांसद, शिवसेना के 13 सांसद भी शामिल हैं। इस तरह एनडीए का संख्याबल 321 तक पहुंच गया है।

हालांकि, इसमें लोकसभा अध्यक्ष भी शामिल हैं, जो सामान्य स्थिति में मतदान नहीं करते। इंडिया गठबंधन की लोकसभा में संख्या पहले 232 थी, जो अब घटकर 183 रह गई है। तृणमूल कांग्रेस के 20 बागी सांसदों के अलग होने के बाद उसके आठ सांसद बचे हैं। शिवसेना (यूबीटी) के छह सांसदों के शिंदे गुट में जाने के बाद उसके तीन सांसद रह गए हैं। श्रीनगर के सांसद के इस्तीफे के बाद नेशनल कॉन्फ्रेंस का प्रतिनिधित्व भी घटा है। तमिलनाडु में कांग्रेस के टीवीके को समर्थन के बाद 22 लोकसभा सांसद वाली डीएमके भी इंडिया ब्लॉक से अलग है। इन बदलावों के बाद लोकसभा में इंडिया ब्लॉक का संख्याबल 183 रह गया है। अप्रैल 2026 में संविधान संशोधन विधेयक पर हुए मतदान में कुल 528 सांसदों ने हिस्सा लिया था। सरकार 54 वोट से पीछे रह गई थी।

सरकार के लिए सबसे अहम भूमिका उन 36 सासदों की हो सकती है जो न एनडीए में है और न ही इंडिया ब्लॉक में। इनमें डीएमके के 22 सांसद वाईएसआर कांग्रेस के चार, आम आदमी पार्टी के तीन, अकाली दल, झेडपीएम, एएसपी और एआईएमआईएम के एक-एक सांसद और तीन निर्दलीय शामिल है। इनमें डीएमके का रुख सबसे महत्वपूर्ण होगा। पार्टी इंडिया गठबंधन से अलग जरूर हो गई है, लेकिन परिसीमन के मुद्दे पर उसका सरकार के साथ आना आसान नहीं है। कांग्रेस के एक सांसद के मुताबिक 36 बिना खेमे वाले सांसदों में 28 इस बिल के विरोध में वोट कर सकते है। उम्मीद है कि डीएमके के 22, आप के 3, झेडपीएम, एआईएमआईएम, एएसपी के एक-एक सांसद भी है जो बिल के विरोध में वोट कर सकते है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि गृह मंत्री ने पत्रकारों से अनौपचारिक बातचीत में तीन दिन का विशेष सत्र बुलाने और विधेयकों को 15-18 वोटों के अतर से पारित कराने का दावा किया है। याद दिलाया कि सरकार को 50 से अधिक वोटों से हार का सामना करना पड़ा था। राज्यसभा में सरकार के लिए संविधान संशोधन विधेयक पारित कराना अपेक्षाकृत आसान हो सकता है। बीजेपी के सूत्रों के मुताबिक, उच्च सदन में एनडीए के पास 155 सांसदों का समर्थन है, जबकि दो-तिहाई बहुमत के लिए 161 सदस्यों की जरूरत होगी। यानी सरकार यहां महज छह सांसद पीछे है। छह सासदों का समर्थन जुटाना सरकार के लिए लोकसभा के मुकाबले कम चुनौतीपूर्ण हो सकता है। हालांकि, संविधान संशोधन विधेयक को दोनों सदनों में अलग-अलग विशेष बहुमत से पारित कराना अनिवार्य है।

मेज पर बैठते हैं तो सिर्फ दो देशों का व्यापार ही नहीं बाजार का मिजाज बदल जाता है

जयशंकर ने साफ कर दिया- भारत अमेरिका ट्रेड डील अब अपने आखिरी पड़ाव पर



नई दिल्ली , एजेंसी। दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं भारत और अमेरिका जब ये दोनों देश किसी कागज पर दस्तखत करने के लिए एक मेज पर बैठते हैं तो सिर्फ दो देशों का व्यापार नहीं बदलता बल्कि पूरी दुनिया की सप्लाई चेन और बाजार का मिजाज बदल जाता है और इस वक्त दिल्ली से लेकर वाशिंगटन तक एक ही चर्चा भारत अमेरिका ट्रेड डील को लेकर सबसे तेज है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एक मीडिया समिट में साफ कर दिया कि लंबे समय से अटका हुआ यह व्यापार समझौता अब अपने आखिरी पड़ाव पर है।

रिपोर्ट के मुताबिक विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा भारत और अमेरिका ने व्यापार से जुड़े ज्यादातर मुद्दे सुलझा लिए हैं। बातचीत अब अंतिम चरण में है और यह समझौता जल्द हो सकता है, लेकिन उनके बयान का सबसे दिलचस्प हिस्सा वह है जहां उन्होंने गेंद सीधे अमेरिका के पाले में डाल दी है। जयशंकर ने स्पष्ट शब्दों में कहा अब बस कुछ आखिरी मुद्दे बचे हैं और इनमें से कोई हमारी तरफ से नहीं है क्योंकि हमारी तुलना में अमेरिकी पक्ष में ज्यादा बदलाव हुए हैं। उम्मीद है कि हम इसे जल्द ही पूरा कर लेंगे लेकिन अक्सर ऐसा होता है कि आखिरी दौर में हर कोई थोड़ा बेचैन हो जाता है।

विदेश मंत्री का इशारा साफ है भारत की नीतियों में निरंतरता रही है लेकिन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की अमेरिका फर्स्ट और टैरिफ नीतियों के कारण अमेरिकी पक्ष की प्राथमिकताओं और शर्तों में काफी बदलाव आए हैं। ऐसे में आखिरी वक्त की जो भी अड़चनें या बेचैनी है वो वाशिंगटन की तरफ से होने वाले बदलावों की वजह से है ना कि दिल्ली की वजह से। विदेश मंत्री का यह बयान ठीक उस वक्त आया है जब अगले ही महीने 14-15 दिसंबर को अमेरिका के फ्लोरिडा में जी-20 नेताओं का शिखर सम्मेलन होने जा रहा है। ट्रंप नेशनल डोरल मियामी फ्लोरिडा अमेरिका की अध्यक्षता में होगा। यह संभावित मुलाकात है इस समिट में पीएम मोदी के शामिल होने की संभावना है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस समिट में पीएम मोदी और ट्रंप के बीच द्विपक्षी मुलाकात हो सकती है। इसी मंच पर दोनों देशों के रिश्तों की नई दिशा तय होगी और पूरी उम्मीद जताई जा रही है कि भारत और अमेरिका इस बहु प्रतीक्षित ट्रेड डील का औपचारिक ऐलान कर सकते हैं। अब बात करेंगे आखिर इस ट्रेड डील में क्या-क्या दांव पर है। जब दो बड़े लोकतंत्र और बड़ी अर्थव्यवस्थाएं व्यापार समझौता करती हैं तो हर देश अपने किसानों, उद्योगों और आम नागरिक के हितों की रक्षा करना चाहता है। टैरिफ का पेंच है। ट्रंप प्रशासन की नीति रही है कि जो देश अमेरिकी सामान पर ज्यादा टैक्स लगाते हैं, अमेरिका भी उनके सामान पर उतना ही टैक्स लगाएगा। देश की एक बड़ी आबादी की आजीविका, खेती और पशुपालन पर निर्भर है। भारत किसी भी कीमत पर अपने किसानों के हितों से समझौता नहीं कर सकता।

उगते सूर्य को अर्घ्य के साथ संपन्न हुआ छठ महापर्व

नई दिल्ली, एजेंसी । देशभर में सोमवार सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ चार दिवसीय लोकआस्था का महापर्व छठ संपन्न हो गया। यह पर्व सोमवार को उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही अपने अंतिम पड़ाव पर पहुंच गया। इस पावन अवसर पर देशभर के साथ-साथ नेपाल के बीरगंज सहित विभिन्न हिस्सों में भी श्रद्धालुओं ने भगवान सूर्य और छठी मैया की विधि-विधान से पूजा- अर्चना की। लोकआस्था, श्रद्धा और अटूट विश्वास के प्रतीक इस महापर्व के अंतिम दिन सोमवार तड़के से ही दिल्ली, बिहार, उत्तर प्रदेश, झारखंड सहित देश के कई राज्यों में नदी, तालाबों और विभिन्न स्थानों पर बनाए गए अस्थायी घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। व्रती महिलाएं और पुरुष पारंपरिक पूजा सामग्री, फल, ठेकुआ और अन्य प्रसाद से सजे दउरे लेकर घाटों पर पहुंचे। उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर सभी ने अपने परिवार की सुख-शांति, समृद्धि, संतान की दीर्घायु और खुशहाली की कामना की।

उत्तर प्रदेश में जनगणना-2027 का दूसरा चरण शुरू, सटीक आंकड़े ही विकास का आधार

लखनऊ, एजेंसी । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनगणना-2027 के दूसरे चरण की शुरुआत की। उन्होंने इस मौके पर कहा कि गणना में समाज का कोई भी पात्र व्यक्ति छूटना नहीं चाहिए, क्योंकि सही और सटीक आंकड़े ही प्रदेश के समग्र विकास की योजनाओं का आधार बनने वाले है। देश के सबसे बड़े आबादी वाले राज्य उत्तर प्रदेश से इस बड़े अभियान की शुरुआत हो रही है, जबकि अन्य राज्यों में यह प्रक्रिया फरवरी में शुरू होगी।

लोक भवन सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि जनगणना के आंकड़ों से यह तय करने में मदद मिलेगी कि प्रदेश में कहां स्कूल, स्वास्थ्य केंद्र, सड़क और अन्य बुनियादी सुविधाओं की जरुरत है। उन्होंने चेतावनी दी कि आंकड़ों में छूटने वाला व्यक्ति कई बार सरकारी योजनाओं के लाभ से भी वंचित रह जाता है। प्रदेश में 16 से 30 नवंबर तक स्वगणना की प्रक्रिया चलेगी। इसके बाद, 1 दिसंबर 2026 से 4 जनवरी 2027 तक जनगणना कर्मी घर-घर जाकर लोगों की जानकारी जुटाएंगे। प्रगणक धर्म, जाति, शिक्षा, व्यवसाय और मातृभाषा सहित 40 महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तृत जानकारी एकत्र की जाएगी। सीएम योगी ने अपने अनुभवों का जिक्र कर मुसहर समुदाय का उदाहरण दिया, जो समाज के सबसे वंचित वर्गों में शामिल था और पिछली जनगणनाओं में सही आकलन न होने के कारण दशकों तक सरकारी योजनाओं से वंचित रहा। उन्होंने बताया कि 2017 में प्रदेश में सरकार बनने के बाद इस तरह के वर्गों के लिए अलग से योजनाएं बनाकर उन्हें लाभान्वित किया गया।

मुख्यमंत्री योगी ने जनगणना अभियान से जुड़े अधिकारियों, पर्यवेक्षकों और कर्मचारियों को निर्देश दिया कि वे घर-घर जाकर लोगों से संपर्क करते समय विनम्रता और धैर्य का परिचय दें, स्वयं को एक राष्ट्रीय कार्य के प्रतिनिधि के रूप में प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि कर्मियों को लोगों को यह समझाना चाहिए कि उनकी दी गई जानकारी पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी और देश के विकास की योजनाएं तैयार करने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्होंने आगाह किया कि आंकड़ों में एक गलती भी देश और प्रदेश की भविष्य की योजनाओं को प्रभावित कर सकती है, इसलिए जनगणना का काम पूरी ईमानदारी और सावधानी से किया जाना चाहिए।

एलिना स्वितोलिना को हराकर मीरा एंड्रीवा ने जीता डब्ल्यूटीए फाइनल्स का खिताब

इंडियन वेल्स, एजेंसी। मीरा एंड्रीवा ने अपने पहले ही डब्ल्यूटीए फाइनल्स में एलिना स्वितोलिना को 7-5, 6-3 से हराकर खिताब पर कब्जा जमाया। 19 वर्षीय रूसी खिलाड़ी ने 2026 का समापन 55 टूर-लेवल जीत और चार खिताबों के साथ किया। इससे पहले उन्होंने एडिलेड, लिन्ज और फ्रेंच ओपन में भी जीत हासिल की थी। 19 साल की उम्र में स्वितोलिना के खिलाफ 1 घंटे 48 मिनट में मिली इस जीत के साथ एंड्रीवा 2004 में मारिया शारापोवा के बाद सबसे कम उम्र की डब्ल्यूटीए फाइनल्स चैंपियन बन गई हैं। अपने पहले ही टूर्नामेंट में बिना कोई सेट हारे जीत हासिल करना उन्हें एक खास क्लब में शामिल करता है। 1972 में टूर्नामेंट के पहले संस्करण में क्रिस एवर्ट ने ऐसा किया था और 2001 में सेरेना विलियम्स ने लगातार तीन मैचों में सीधे सेटों में जीत दर्ज की थी, जिसके बाद उन्हें वॉकओवर के जरिए खिताब मिला था। डब्ल्यूटीए फाइनल्स चैंपियन बनने पर एंड्रीवा ने कहा, 'खिलाड़ियों के इस खास समूह का हिस्सा बनना बहुत शानदार लग रहा है। मैं अपनी टीम की बहुत आभारी हूं, जिन्होंने मुझे अपनी पूरी क्षमता तक पहुँचने के लिए प्रेरित किया। मेरे लिए लड़ने और मुझे वह सब कुछ करने के लिए मजबूर करने के लिए धन्यवाद, जो मेरे लिए जरूरी था। मीरा ने बिना कोई सेट हारे अपना पहला डब्ल्यूटीए फाइनल्स खिताब जीता। इस जीत के साथ उन्होंने डब्ल्यूटीए रैंकिंग में दुनिया की नंबर 2 खिलाड़ी का स्थान हासिल कर लिया है, जिससे 2027 सीजन की शुरुआत



में उनके नंबर 1 बनने की संभावना भी बढ़ गई है। मीरा एंड्रीवा ने स्वितोलिना को ग्रुप स्टेज में भी हराया था और फिर चैंपियनशिप मैच में भी जीत हासिल की। टूर्नामेंट के दौरान उन्होंने ग्रुप स्टेज में पारिबास ओपन चैंपियन आर्यना सबालेंका के खिलाफ एक शानदार जीत दर्ज की थी। पहले सेट में 1-4 से पिछड़ने के बाद उन्होंने लगातार 11 गेम जीतकर मैच अपने नाम किया था।

पहले सेट की शुरुआत में एंड्रीवा और स्वितोलिना दोनों ने एक-दूसरे की सर्विस तोड़ी, लेकिन फिर रूसी खिलाड़ी ने एक और ब्रेक हासिल किया और अपनी सर्विस बचाते हुए 5-3 की बढ़त बना ली। आंद्रीवा 5-4 के स्कोर पर सेट अपने नाम करने में नाकाम रहीं, लेकिन उन्होंने तीसरी बार स्वितोलिना की सर्विस तोड़ी और फिर अपने दूसरे मौके को भुनाते हुए सेट जीत लिया।

फ्रेंच ओपन चैंपियन ने दूसरे सेट में भी अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। उन्होंने आखिरी दो गेम्स में सिर्फ दो अंक गंवाए और जीत पक्की की, जिसके साथ ही उन्हें 3.37 मिलियन अमेरिकी डॉलर की इनामी राशि मिली। साल का अंत अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ विश्व रैंकिंग नंबर 2 के साथ करने वालीं आंद्रीवा ने खिताब जीतने के बाद अपनी टीम का धन्यवाद किया।

उन्होंने कहा कि उनकी टीम हर दिन उन्हें बेहतर बनने के लिए प्रेरित करती है, उनकी सीमाओं को आगे बढ़ाने में मदद करती है और ऐसे दिनों में भी मेहनत करवाती है जब उनका काम करने का मन नहीं होता। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, 'अंत में मैं खुद को भी धन्यवाद देना चाहती हूं।

सिनियाकोवा-टाउनसेंड की जोड़ी ने जीता डब्ल्यूटीए फाइनल्स डबल्स का खिताब

इंडियन वेल्स, एजेंसी। कैटरीना सिनियाकोवा और टेलर टाउनसेंड की जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सारा एरानी और जैस्मीन पाओलिनी को सीधे सेटों में 6-4, 6-3 से हराया। इस जीत के साथ दोनों खिलाड़ियों ने टीम के रूप में अपना पहला डब्ल्यूटीए फाइनल्स डबल्स खिताब जीता।



यह टाउनसेंड का पहला और सिनियाकोवा का दूसरा डब्ल्यूटीए फाइनल्स खिताब था। सिनियाकोवा ने इससे पहले 2021 में बारबोरा क्रेजकोवा के साथ यह चैंपियनशिप जीती थी। एक टीम के रूप में सिनियाकोवा और टाउनसेंड का यह लगातार तीसरा डब्ल्यूटीए फाइनल्स था। वह 2024 में उपविजेता रहीं और पिछले साल सेमीफाइनल तक पहुंची थीं। इस सीजन में रोलैंड गैरोस (फ्रेंच ओपन), यूएस ओपन, मैड्रिड, मियामी और इंडियन वेल्स में एक साथ खिताब जीतने के बाद सिनियाकोवा और टाउनसेंड ने अपने कलेक्शन में एक और (छठी) ट्रॉफी जोड़ ली है। एक टीम के रूप में यह उनका कुल 9वां खिताब है। इसके साथ ही सिनियाकोवा के नाम अब 40वां और टाउनसेंड के नाम 18वां टूर-लेवल डबल्स खिताब हो गया है।

एरानी और पाओलिनी भी सीजन के इस आखिरी टूर्नामेंट में लगातार तीसरी बार हिस्सा ले रही थीं, लेकिन यह पहली बार था जब वह ग्रुप स्टेज से आगे बढ़ने में सफल रहीं। चैंपियनशिप मैच में मिली इस हार के साथ ही इटैलियन जोड़ी की लगातार आठ जीत का सिलसिला टूट गया। वह टोक्यो में खिताब जीतने के बाद इंडियन वेल्स पहुंची थीं। इस हफ्ते सिनियाकोवा के साल के अंत में वर्ल्ड नंबर 1 डबल्स खिलाड़ी बनने की पुष्टि हुई। वहीं, टाउनसेंड ने हाल ही में हुई अपेंडिक्स की सर्जरी से शानदार वापसी करते हुए टॉप लेवल पर मुकाबला किया। इस जोड़ी ने हफ्ते की शुरुआत ग्रुप स्टेज में इटैलियन खिलाड़ियों के खिलाफ हार के साथ की थी। सीजन के आखिरी टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करने वाली आखिरी टीम, एरानी और पाओलिनी ने अपने पहले डब्ल्यूटीए फाइनल्स चैंपियनशिप मैच तक पहुंचने के रास्ते में अपने सभी चार मैच जीते थे। मगर दूसरी वरीयता प्राप्त सिनियाकोवा और टाउनसेंड ने उसी कोर्ट पर उनके अजेय रहने के सिलसिले को खत्म कर दिया, जहां उन्होंने मार्च में इंडियन वेल्स का खिताब जीता था।

पीएम मोदी से मिले रिंकू सिंह

परिवार के साथ मिलकर दिया शादी का निमंत्रण

4 दिसंबर को लखनऊ में सांसद प्रिया सरोज संग लेंगे 7 फेरे

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेटर रिंकू सिंह ने अपनी शादी के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आमंत्रित किया है। रिंकू सिंह ने परिवार के साथ पीएम मोदी से मुलाकात की और उन्हें शादी का निमंत्रण दिया। रिंकू सिंह ने इस मुलाकात की तस्वीर अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा की और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलकर उन्हें विवाह का न्योता देने और उनका आशीर्वाद लेने को अपने परिवार के लिए खास पल बताया।

रिंकू सिंह 4 दिसंबर को लखनऊ में समाजवादी पार्टी की लोकसभा सांसद प्रिया सरोज के साथ सात फेरे लेंगे। रिंकू सिंह ने अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट के कैप्शन में लिखा, ''अपने परिवार के साथ माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी से मिलकर और उन्हें अपनी शादी में आमंत्रित कर और उनका आशीर्वाद पाकर बहुत सम्मानित महसूस कर रहा हूं। यह हमारे



लिए सचमुच एक बहुत ही खास पल है।

शुक्रवार 13 नवंबर 2026 को रिंकू सिंह की बहन नेहा सिंह, मां बीना देवी और भाई सोनू सिंह ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को शादी का निमंत्रण दिया था। रिंकू सिंह और प्रिया सरोज के शादी समारोह में पीएम मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अलावा खेल और राजनीति जगत से कई जानी-मानी हस्तियों के आने की खबर है। रिंकू सिंह और प्रिया सरोज का विवाह समारोह लखनऊ स्थित पांच सितारा रमाडा होटल में होगा।

रिंकू सिंह की प्रिया सरोज से शादी पहले नवंबर 2025 में होनी थी, लेकिन उनके क्रिकेट शेड्यूल को देखते हुए तारीख आगे बढ़ा दी गई थी। फरवरी 2026 में रिंकू सिंह के पिता खानचंद सिंह का निधन हो गया। इस कारण फिर शादी की तारीख टालनी पड़ी थी। भारतीय क्रिकेटर रिंकू सिंह और सपा सांसद प्रिया सरोज की सगाई आठ जून 2025 को हुई थी। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में 12 अक्टूबर 1997 को जन्में रिंकू सिंह ने भारत के लिए अब तक दो वनडे और 48 टी20 मैच खेले हैं। रिंकू सिंह उस भारतीय टीम का भी हिस्सा थे जिसने इस साल की शुरुआत में टी20 वर्ल्ड कप जीता था।

कप्तानी में इतिहास रचने के बाद

बिहार टीम से OUT हुए वैभव सूर्यवंशी...

नई दिल्ली, एजेंसी। 15 साल के वैभव सूर्यवंशी ने शनिवार (14 नवंबर) को इतिहास रच दिया था. वह मेन्स टी20 क्रिकेट में किसी टीम की कप्तानी करने वाले दुनिया के सबसे युवा कप्तान बने थे. उन्होंने इंदौर के होलकर स्टेडियम में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2026-27 के एलीट ग्रुप-बी मुकाबले में सौराष्ट्र के खिलाफ बिहार की कमान संभाली थी. हालांकि, कप्तान के तौर पर उनका पहला मैच यादगार नहीं रहा. वैभव



बल्ले से बड़ी पारी नहीं खेल सके और बिहार को भी पांच विकेट से हार का सामना करना पड़ा.

बिहार की टीम सोमवार (16 नवंबर) को अपना दूसरा मुकाबला रेलवे के खिलाफ खेलने उतरी, लेकिन इस मैच में वैभव सूर्यवंशी का हिस्सा नहीं बने. उनकी जगह सूरज कश्यप ने बिहार की कप्तानी की, जबकि वैभव की गैरमौजूदगी में आलोक कुमार ने आयुष लोहारुका के साथ पारी की शुरुआत की. यह मुकाबला इंदौर के द डेली कॉलेज ग्राउंड में खेला गया था, जिसमें बिहार ने चार विकेट से दर्ज की.

यूईएफए नेशंस लीग:

फ्रांस और बेल्जियम ने कटाया क्वार्टर फाइनल का टिकट

नई दिल्ली, एजेंसी। फ्रांस ने बोर्डो के स्टेड अटलांटिक में तुर्की के खिलाफ 2-1 जीत दर्ज करके यूईएफए नेशंस लीग 2027 के क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। फ्रांस ने 2020-2021 और 2024-2025 के बाद पांच संस्करणों में तीसरी बार नेशंस लीग के क्वार्टर फाइनल चरण के लिए क्वालीफाई किया है। केवल स्पेन (4 बार) ही ऐसा फ्रांस से ज्यादा बार कर पाया है। फ्रांस को गतिरोध तोड़ने के लिए दूसरे हाफ तक इंतजार करना पड़ा, जब ब्रैडली बारकोला के दबाव के कारण तुर्की के डिफेंडर एमिरहान टोपचू ने गलती से अपनी ही टीम के खिलाफ गोल (ओन गोल) कर दिया। इसके बाद एली जूनियर क्रोपी ने रेयान चेर्की के साथ मिलकर अपना पहला अंतरराष्ट्रीय गोल किया। इससे फ्रांस की जीत पक्की हो गई। हालांकि, मैच के अंत में अब्दुलकेरीम बारदाकसी के हेडर से गोल आया, लेकिन यह तुर्की की हार को नहीं टाल सका। फ्रांस टीम ने 2026 में अपनी 13वीं जीत दर्ज की (1 ड्रॉ, 4 हार)। यह एक कैलेंडर वर्ष में उनकी अब तक की सबसे ज्यादा जीत की बराबरी है। इससे पहले, 2003 और 2016 में भी उन्होंने 13 जीत हासिल की थीं। इस साल उन्होंने सभी प्रतियोगिताओं में कुल 39 गोल किए हैं, जो 2003 में बनाए गए उनके पिछले सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड (40 गोल) के करीब है। बेल्जियम से आगे रहते हुए अपने ग्रुप में पहले स्थान पर रहने के बाद जिदान की टीम को शुक्रवार को होने वाले ड्रॉ के जरिए पता चलेगा कि क्वार्टर फाइनल में उनका सामना किस टीम से होगा।

दूसरे कार्यकाल के लिए निर्विरोध आईसीसी अध्यक्ष चुने गए जय शाह

विश्वास और समर्थन के लिए जताया आभार

दुबई, एजेंसी। जय शाह को दूसरे कार्यकाल के लिए निर्विरोध इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) का फिर से अध्यक्ष चुना गया है। बाली में हुई बैठकों के दौरान आईसीसी बोर्ड ने इस फैसले पर मुहर लगाई। शाह को अगस्त 2024 में सर्वसम्मति से आईसीसी अध्यक्ष चुना गया था, जिससे वह 35 साल की उम्र में इस पद पर पहुंचने वाले सबसे कम उम्र के व्यक्ति बने थे। उन्होंने 1 दिसंबर 2024 से आईसीसी अध्यक्ष के रूप में अपना कार्यकाल शुरू किया था। तत्कालीन आईसीसी अध्यक्ष ग्रेग बार्कले के तीसरे कार्यकाल के लिए दावेदारी न पेश करने के बाद शाह एकमात्र उम्मीदवार रह गए थे। वह जगमोहन डालमिया, शरद पवार, एन. श्रीनिवासन और शशांक मनोहर के बाद आईसीसी प्रमुख बनने वाले पांचवें भारतीय बने थे। यह पुनर्नियुक्ति नेतृत्व में स्थिरता बनाए रखने में मदद करेगी। यह ऐसे समय में हुई है जब क्रिकेट लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 के लिए तैयारी कर रहा है। इसके



अलावा, इसका मकसद दुनिया भर में क्रिकेट का विस्तार करना, ज्यादा लोगों को खेल से जोड़ना और खेल के व्यावसायिक विकास को आगे बढ़ाना है। आईसीसी ने बताया कि शाह की पुनर्नियुक्ति बोर्ड के निदेशकों के एक प्रस्ताव के बाद हुई है। यह खेल के विकास के एक महत्वपूर्ण चरण में उनके नेतृत्व पर बोर्ड के भरोसे को दर्शाता है। लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 में क्रिकेट को शामिल करना प्रमुख प्राथमिकताओं में से एक है। इसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेल को मजबूत करना, महिला क्रिकेट का विस्तार करना, एसोसिएट सदस्यों के लिए अधिक अवसर पैदा करना और खेल की दीर्घकालिक व्यावसायिक स्थिरता सुनिश्चित करना भी प्राथमिकताओं में शामिल है। अपनी पुनर्नियुक्ति पर प्रतिक्रिया देते हुए बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष ने बोर्ड के निरंतर समर्थन के लिए आभार जताया। उन्होंने सदस्य देशों के साथ मिलकर वैश्विक स्तर पर क्रिकेट को आगे बढ़ाने की अपनी जिम्मेदारी पर जोर दिया। शाह ने कहा, 'आईसीसी बोर्ड ने मुझ पर जो भरोसा जताया है, उससे मैं बेहद सम्मानित महसूस कर रहा हूं। मैं सभी निदेशकों का उनके निरंतर विश्वास और समर्थन के लिए तहे दिल से आभारी हूं। आईसीसी अध्यक्ष के रूप में काम करना एक सम्मान और जिम्मेदारी दोनों है। मैं दुनिया भर में क्रिकेट के हितों को आगे बढ़ाने के लिए अपने सदस्य देशों के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध हूं। ' उन्होंने ओलंपिक में क्रिकेट की वापसी को नए दर्शकों तक पहुंचने और आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करने के एक बड़े अवसर के रूप में बताया। उन्होंने कहा, 'हम अपने खेल के इतिहास के सबसे महत्वपूर्ण और रोमांचक दौर में प्रवेश कर रहे हैं। लॉस एंजिल्स ओलंपिक खेलों में क्रिकेट की वापसी, हमारे खेल को नए दर्शकों तक पहुंचाने और खिलाड़ियों तथा प्रशंसकों की एक नई पीढ़ी को प्रेरित करने का एक बेहतरीन अवसर है। ' उन्होंने आगे कहा, 'हमारी जिम्मेदारी केवल सफल आयोजन कराने तक ही सीमित नहीं है। हमें प्रशंसकों, खिलाड़ियों, व्यावसायिक साझेदारों और अन्य प्रमुख हितधारकों पर ध्यान केंद्रित करते हुए इस खेल के लिए एक मजबूत और टिकाऊ भविष्य का निर्माण करना होगा। मेरा हमेशा से मानना हा है कि क्रिकेट की सबसे बड़ी ताकत लोगों को एक साथ लाने की इसकी क्षमता है। बोर्ड और हमारे सदस्यों के सहयोग से हमारा पूरा ध्यान अपनी महत्वाकांक्षाओं को हकीकत में बदलने पर होगा, ताकि हम जो भी प्रगति करें, वह आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्थायी विरासत छोड़ सके। ' इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के अध्यक्ष रिचर्ड थॉम्पसन ने शाह के निरंतर नेतृत्व का स्वागत किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बदलते व्यावसायिक और खेल परिदृश्य के अनुरूप ढलते हुए द्विपक्षीय क्रिकेट की प्रासंगिकता को बनाए रखना भी जरूरी है। उन्होंने कहा, 'इंटरनेशनल क्रिकेट के लिए यह एक महत्वपूर्ण समय है, जब जय शाह का नेतृत्व जारी है। खेल तेजी से विकसित हो रहा है, इसलिए यह आवश्यक है कि हम अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर को मजबूत करें, द्विपक्षीय क्रिकेट की प्रासंगिकता और प्रतिस्पर्धात्मकता की रक्षा करें और यह सुनिश्चित करें कि हमारे प्रमुख आयोजन इस खेल के भविष्य के केंद्र में बने रहें।

न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट में होगी भारत की असली 'अग्निपरीक्षा', निराशाजनक रहा है रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया का प्रदर्शन टी20 के बाद वनडे सीरीज में भी शानदार रहा। भारतीय टीम ने एकदिवसीय सीरीज को 3-1 से अपने नाम किया। हालांकि, भारतीय टीम की असली परीक्षा अब क्रिकेट के सबसे लंबे फॉर्मेट यानी टेस्ट में होगी। न्यूजीलैंड की सरजमीं पर टीम इंडिया का टेस्ट रिकॉर्ड बिल्कुल भी अच्छा नहीं रहा है। न्यूजीलैंड में भारत ने अब तक कुल 25 टेस्ट मैच खेले हैं, जिनमें से टीम को सिर्फ 5 मैचों में जीत मिली है। वहीं, 10 मुकाबलों में भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा है। 10 मैचों का अंत ड्रॉ के रूप में हुआ है। भारतीय टीम को साल 2020 में न्यूजीलैंड के अपने आखिरी दौरे पर भी दो मैचों की टेस्ट सीरीज में 0-2 से हार का सामना करना पड़ा था। वहीं, 2024 में न्यूजीलैंड के हाथों भारत को अपने ही घर में 0-3 से टेस्ट सीरीज गंवानी पड़ी थी। तेज गेंदबाजों के अनुकूल न्यूजीलैंड की कंडीशंस में भारतीय बल्लेबाजों के लिए टेस्ट सीरीज में रन बनाना बड़ी



चुनौती होगी। टीम की बल्लेबाजी का दारोमदार शानदार फॉर्म में चल रहे कप्तान शुभमन गिल के कंधों पर होगा, जिसका साथ देने की जिम्मेदारी यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, ऋषभ पंत, देवदत्त पडिक्कल, साई सुदर्शन और ध्रुव जुरेल जैसे बल्लेबाजों की होगी। भारत के मौजूदा टेस्ट स्क्वॉड में काफी कम खिलाड़ियों को न्यूजीलैंड की परिस्थितियों में खेलने का अनुभव है। हालांकि, भारत-ए की ओर से खेलते हुए जुरेल और पडिक्कल ने अच्छा प्रदर्शन किया था। तेज गेंदबाजी की अगुवाई जसप्रीत बुमराह करते हुए नजर आएंगे। बुमराह का साथ आकाशदीप, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा देते हुए नजर आएंगे। गुरनूर बरार को भी टेस्ट सीरीज के आगाज से ठीक पहले टीम में शामिल किया गया है। नीतीश कुमार रेड्डी के ऊपर बल्ले और गेंद दोनों से अहम रोल अदा करने की जिम्मेदारी होगी। टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला वेलिंग्टन में 19 नवंबर से खेला जाना है। इसके बाद दूसरे टेस्ट मैच का आगाज 27 नवंबर से क्राइस्टचर्च में होगा।

'सचिन-सहवाग ने कभी ऐसा नहीं किया...'

टीम इंडिया के जश्न पर शोएब अख्तर को लगी मिर्ची, दे डाली बड़ी नसीहत

नई दिल्ली, एजेंसी। एसीसी मेन्स अंडर-19 एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान को हराने के बाद भारतीय खिलाड़ियों के आक्रामक जश्न ने नई बहस छेड़ दी है. पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि खिलाड़ियों को मैदान पर अपनी आक्रामकता दिखाने का पूरा अधिकार है, लेकिन खेल के दौरान मूल्यों और आपसी सम्मान का भी ख्याल रखना चाहिए. शोएब अख्तर ने अपनी बात रखते हुए टीम इंडिया के दिग्गज खिलाड़ियों सचिन तेंदुलकर, वीरेंद्र सहवाग और सौरव गांगुली का जिक्र किया. उन्होंने कहा कि भारत के इन दिग्गज खिलाड़ियों के साथ मैदान पर कड़ी प्रतिद्वंद्विता रही, लेकिन कभी एक-दूसरे के प्रति सम्मान कम नहीं हुआ.

सचिन और सहवाग का दिया उदाहरण - उन्होंने कहा, 'हमें सिर्फ क्रिकेट नहीं खेलना है, बल्कि मूल्यों के साथ भी आगे बढ़ना है. आज भी मैं सचिन तेंदुलकर के बारे में अच्छी बातें कहता हूं. मुझे अब भी लगता है कि वह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज हैं. वीरेंद्र





सहवाग और सौरव गांगुली के साथ भी हमारी अच्छी दोस्ती है. हमने कभी एक-दूसरे के खिलाफ इस तरह प्रतिक्रिया नहीं दी.' फाइनल में हार के बावजूद शोएब अख्तर ने पूरे टूर्नामेंट में पाकिस्तान को भारत से बेहतर टीम बताया. हालांकि, उन्होंने माना कि खिताबी मुकाबले के अहम पलों में पाकिस्तानी खिलाड़ी दबाव नहीं झेल सके. इसके उलट भारतीय टीम ने मुश्किल स्थिति में संयम बनाए रखा.

शोएब अख्तर ने भारतीय खिलाड़ियों की आक्रामकता की तारीफ करते हुए कहा, 'मेरा भारतीय अंडर-19 खिलाड़ियों से कहना है कि आक्रामकता दिखाते रहिए. मुझे यह पसंद आया. लेकिन पाकिस्तान पूरे टूर्नामेंट में कहीं बेहतर टीम थी. किसी तरह वे दबाव नहीं संभाल पाए. अहम मौकों पर दबाव से निपटना भारत को अच्छी तरह आता है.' उन्होंने भारतीय टीम को जीत की बधाई देते हुए कहा कि उसके पास दमदार खिलाड़ी, आत्मविश्वास और मैच को अंजाम तक पहुंचाने की क्षमता थी.

अल अमेरात में खेले गए खिताबी मुकाबले में भारत के सामने 338 रनों का लक्ष्य था. टीम ने 252 रनों तक आठ विकेट गंवा दिए थे और मुकाबला पाकिस्तान की पकड़ में नजर आ रहा था. ऐसे समय में मोहित उल्वा और मनल चौहान ने 35 गेंदों पर 57 रनों की साझेदारी कर भारत की वापसी कराई.

मनल चौहान ने 32 गेंदों पर 47 रन बनाए, जबकि मोहित 26 गेंदों पर 49 रन बनाकर नाबाद रहे. आखिरी गेंद पर तीन रनों की जरूरत थी और मोहित ने चौका लगाकर भारत को एक विकेट से जीत दिला दी. इस खिताबी जीत के साथ भारत ने नौवीं बार अंडर-19 एशिया कप अपने नाम किया.



कॉस्मेटिक बदलावों के बारे में झूठ बोलना व्यर्थ होगा: श्रुति हासन

बॉलीवुड अभिनेत्री श्रुति हासन ने कॉस्मेटिक सर्जरी और शराब के सेवन जैसे संवेदनशील विषयों पर अपनी बेबाक राय साझा की। कॉस्मेटिक सर्जरी को लेकर श्रुति का मानना है कि हर व्यक्ति को अपने शरीर को लेकर फैसले लेने का पूरा अधिकार है, लेकिन इन फैसलों को छिपाना या उनके बारे में असत्य बोलना उन्हें अनुचित लगता है।

अभिनेत्री ने कहा कि वे एक सार्वजनिक हस्ती के रूप में लोगों के सामने बड़ी हुई हैं, ऐसे में कॉस्मेटिक बदलावों के बारे में झूठ बोलना व्यर्थ होगा। उन्होंने कुछ लोगों के रवैये पर टिप्पणी करते हुए कहा कि, मैं किसी को जज नहीं कर रही हूं, लेकिन कुछ लोग कहते हैं- मैं तो ऐसी ही पैदा हुई थीज जबकि तीन हफ्ते पहले तो आप ऐसे नहीं दिखते थे। श्रुति हासन ने स्पष्ट किया कि उन्हें किसी के व्यक्तिगत चुनाव से आपत्ति नहीं है, बल्कि उस चुनाव को स्वीकार न करने या उस पर पर्दा डालने की प्रवृत्ति से है। उन्होंने यह भी कहा कि वे इन चीजों को बढ़ावा नहीं देना चाहतीं, बल्कि केवल सच्चाई सामने रखने की बात करती हैं।

अपनी जिंदगी के एक और निजी पहलू पर बात करते हुए श्रुति ने शराब के साथ अपने रिश्ते और उससे दूरी बनाने के अनुभव को साझा किया। उन्होंने बताया कि वे लगातार आठ साल तक शराब से पूरी तरह दूर रही थीं, इस दौरान उन्होंने एक बूंद भी शराब का सेवन नहीं किया। हालांकि, इसके बाद उन्होंने दोबारा शराब पीना शुरू कर दिया है, लेकिन अब वे इसे लेकर बहुत सावधान रहती हैं। उन्होंने हमेशा यह खुलकर स्वीकार किया है कि शराब उनके लिए अच्छी नहीं रही है। फिलहाल वे इसे संभालने और नियंत्रित करने के प्रयास में हैं, ताकि यह उनके जीवन पर नकारात्मक प्रभाव न डाले। श्रुति हासन भारतीय सिनेमा के दिग्गज अभिनेता कमल हासन और अभिनेत्री सारिका ठाकुर की पुत्री हैं। उन्होंने हिंदी के साथ-साथ तमिल और तेलुगु फिल्म उद्योगों में भी अपनी पहचान बनाई है।



16 साल की उम्र में ही दीपिका पादुकोण ने तय कर लिया था अभिनेत्री बनना

हाल ही में बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत और अपने शुरुआती सपनों के बारे में बताया है। आज दीपिका पादुकोण को बॉलीवुड की सबसे भरोसेमंद और सफल अभिनेत्रियों में से एक माना जाता है। उन्होंने खुलासा किया कि महज 16 साल की उम्र में ही उन्हें यह स्पष्ट हो गया था कि वे एक अभिनेत्री बनना चाहती हैं। उन्होंने हॉलीवुड में भी अपनी पहचान बनाई है, फिल्म ट्रिपल एक्स - द रिटर्न ऑफ जेंडर केज से हॉलीवुड में कदम रखने के बाद, वे लोकप्रिय द एलेन डीजेनेरेस शो में भी बतौर मेहमान शामिल हुई थीं। एक बातचीत के दौरान अभिनेत्री ने अपने पिता प्रकाश पादुकोण के बैडमिंटन करियर के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि उनके पिता ने भारत में ऐसे समय में बैडमिंटन खेला, जब प्रोफेशनल तौर पर खेल को करियर के रूप में देखना आम बात नहीं थी। उस समय अधिकतर लोग डॉक्टर या वकील बनने का सपना देखते थे, लेकिन उनके पिता ने एक खिलाड़ी के तौर पर अपनी पहचान बनाई। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने कभी अपने पिता के नक्शेकदम पर चलने की इच्छा जताई थी, तो दीपिका ने जवाब दिया कि वे ऐसा करके अपने पिता को खुश कर सकती थीं, लेकिन उनके पिता ने हमेशा यही सीख दी कि अपने दिल की सुनो। अभिनय के प्रति अपने गहरे प्रेम को व्यक्त करते हुए दीपिका ने दोहराया कि 16 साल की कम उम्र में ही उन्हें यह निश्चित रूप से पता चल गया था कि वे एक अभिनेत्री बनना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि कैमरे के सामने रहना उन्हें असीम खुशी और संतोष देता है। दीपिका ने एलेन को एक प्रेरक घटना भी बताई। उन्होंने कहा कि एक बार उन्होंने अपना पोर्टफोलियो शूट करवाने के लिए अपनी मां से 10,000 रुपए उधार लिए थे। पैसे मांगते समय, युवा दीपिका ने अपनी मां को पूरा भरोसा दिलाया था कि वे न केवल उनके पैसे लौटा देंगी, बल्कि एक दिन उन्हें गौरवान्वित भी करेंगी। यह घटना उनके दृढ़ निश्चय और अपनी कला के प्रति समर्पण को दर्शाती है। साल 2007 में शाहरुख खान के साथ फिल्म ओम शांति ओम से अपने शानदार करियर की शुरुआत करने के बाद, दीपिका ने भारतीय सिनेमा को कई ब्लॉकबस्टर फिल्में दी हैं। उनकी प्रमुख फिल्मों में ये जवानी है दीवानी (2013), चेन्नई एक्सप्रेस (2013), गोलियों की रासलीला राम-लीला (2013), पीकू (2015), बाजीराव मस्तानी (2015), पद्मावत (2018), छपाक (2020), पठान (2023), जवान (2023) और आने वाली बहुप्रतीक्षित फिल्म कल्कि 2898 एडी (2024) शामिल हैं।

साई पल्लवी पुलिस अफसर बनने के लिए बदला लुक

● छोटे बाल करवाने पर माता-पिता ने दी प्रतिक्रिया

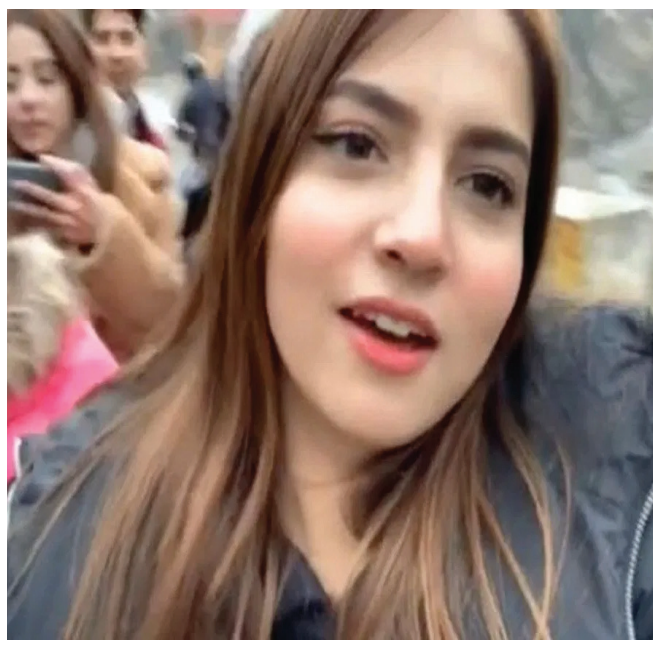
5 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली रामायण में सीता के किरदार के बाद, अभिनेत्री साई पल्लवी अपनी आगामी फिल्म ओम-चैप्टर 1 उधिरम-द ब्लड वुड में एक बिल्कुल ही अलग अवतार में दर्शकों के सामने होंगी। इस फिल्म में वह एक तेजतर्रार आईपीएस अधिकारी की भूमिका निभा रही हैं, जिसे लाल चंदन की अवैध तस्करी की जांच का जिम्मा सौंपा गया है। इस चुनौती भरे किरदार के लिए साई ने एक बड़ा कदम उठाया है उन्होंने अपने बाल छोटे करवा लिए हैं। उनके इस नए लुक को देखकर उनके माता-पिता भी हैरान रह गए, जिस पर अब अभिनेत्री ने खुलकर बात की है।

एक इंटरव्यू में साई पल्लवी ने अपने बाल कटवाने के पीछे की वजह बताई। उन्होंने कहा, मैंने अपने बाल कटवाए क्योंकि कहानी सुनने और अपने किरदार को समझने के बाद मुझे लगा कि यह आवश्यक है। मुझे स्क्रिप्ट इतनी पसंद आई कि मैं इस बदलाव के लिए तैयार हो गई। उन्होंने बताया कि बाल कटवाने के बाद जब उन्होंने वीडियो कॉल पर अपनी मां को नया लुक दिखाया, तो वह हैरान रह गईं और ढेर सारे सवाल पूछने लगीं। मां ने तो कॉल भी काट दिया। बाद में उनके पिता ने फोन करके पूछा कि क्या उन्होंने विग पहनी है। साई ने उन्हें समझाया कि यह पूरी तरह से उनके किरदार की मांग थी, और उन्हें उनके नए हेयरस्टाइल के साथ सहज होने में कुछ समय लगा।



निर्देशक राजकुमार पेरियासामी ने इस निर्णय का समर्थन करते हुए कहा कि इस किरदार के लिए यह लुक एकदम सही था। उन्होंने साई के समर्पण की सराहना की, फिल्म में हम अक्सर मुख्य किरदार की जरूरत के हिसाब से कुछ बदलाव करते हैं, और साई पल्लवी ने भी इस रोल के लिए अपने बाल कटवाकर एक बड़ा त्याग किया। कहानी के प्रति उनके लगाव ने ही इस बदलाव को मुमकिन बनाया। साई ने भी राजकुमार पर अपने भरोसे और स्क्रिप्ट की मांग के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने बताया कि शूटिंग के दौरान उन्होंने अपने बालों को स्कार्फ से ढक कर रखा था ताकि फिल्म की रिलीज से पहले उनका यह लुक लीक न हो जाए। यह साई और राजकुमार की दूसरी फिल्म है, इससे पहले उनकी पहली फिल्म अमरन एक बड़ी हिट रही थी, जिसके लिए राजकुमार को बेस्ट डायरेक्टर का नेशनल अवॉर्ड भी मिला था।

दानानीर मोबीन की तो निकल पड़ी



इंटरनेट पर पार्टी हो रही है वाले वायरल वीडियो से रातोंरात सुर्खियां बटोर कर फिल्मी दुनियां में धमाल करने वाली दानानीर मोबीन ने अब बड़ी अंतरराष्ट्रीय उपलब्धि भी हासिल कर ली है। दरअसल पाकिस्तान की सोशल मीडिया स्टार-अभिनेत्री ने मॉस्को में आयोजित दूसरे ओपन यूरेशियन फिल्म अवार्ड्स में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का डायमंड बटरफ्लाई अवॉर्ड जीतकर सभी को हैरान कर दिया है। इस बड़ी कामयाबी के लिए न सिर्फ उनके घर-परिवार व करीबी बल्कि पाकिस्तानी और हिंदुस्तानी प्रशंसक भी खासे खुश नजर आए हैं। दानानीर को यह सम्मान उनकी फिल्म मेरा लियारी में शानदार अभिनय के लिए मिला है। इस फिल्म में उन्होंने कराची के एक पिछड़े और बदनाम इलाके की उस मजबूत इरादों वाली लड़की का किरदार निभाया है, जो फुटबॉल खिलाड़ी बनने के अपने सपने को पूरा करने के लिए सामाजिक बाधाओं और दबावों से डटकर मुकाबला करती है।



दिल्ली क्राइम सीजन 3 शो मेरे दिल के बेहद करीब: रसिका दुग्गल

वेब सीरीज दिल्ली क्राइम सीजन 3 ने अपनी रिलीज का एक साल पूरा कर लिया है। इस खास मौके पर अपनी भावना व्यक्त करते हुए अभिनेत्री रसिका दुग्गल कहा कि यह शो उनके दिल के बेहद करीब है। दिल्ली क्राइम के माध्यम से उन्हें यह जानने का अवसर मिला कि हमारी असल जिंदगी से जुड़ी कहानियां किस प्रकार वैश्विक स्तर पर दर्शकों के साथ जुड़ सकती हैं।

शो को मिले अपार प्यार और सम्मान, जिसमें प्रतिष्ठित इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड भी शामिल है, ने उन्हें बहुत हौसला दिया है। उन्होंने तीनों सीजन का हिस्सा बनने और अपने किरदार, पुलिस अधिकारी नीति सिंह को हर सीजन में विकसित होते देखने पर संतोष व्यक्त किया। रसिका ने नीति सिंह के सफर में आए कठिन और पेचीदा मामलों के साथ-साथ उनके निजी जीवन के संघर्षों और भावनात्मक ट्रॉमा को भी खूबसूरती से दर्शाया। उन्होंने पूरी टीम के साथ काम करने के अनुभव को भी बहुत खास बताया और भविष्य में भी उनके साथ काम करने की इच्छा जताई, यह दर्शाता है कि यह सीरीज उनके लिए सिर्फ एक प्रोजेक्ट नहीं बल्कि एक भावनात्मक जुड़ाव है।

वेब सीरीज दिल्ली क्राइम सीजन 3 में रसिका दुग्गल ने एक सशक्त पुलिस अधिकारी नीति सिंह की भूमिका निभाई थी। यह सीजन मुख्य रूप से मानव तस्करी और विशेष रूप से महिलाओं व बच्चों की तस्करी से जुड़े एक बड़े और खतरनाक रैकेट पर केंद्रित था। कहानी की शुरुआत असम में एक ट्रक और उससे जुड़े मामलों की गहन छानबीन से होती है, जो बाद में दिल्ली और देश के कई अन्य हिस्सों से जुड़े एक व्यापक आपराधिक नेटवर्क का पर्दाफाश करती है। इसमें खतरनाक विलेन बड़ी दीदी का किरदार निभाने वाली हुमा कुरैशी के अभिनय को भी काफी सराहा गया था। यह सीरीज अपनी भावनात्मक गहराई, पुलिसिया जांच की बारीकियों और सस्पेंस थ्रिलर के रूप में दर्शकों को बांधे रखने में सफल रही है। इसका निर्देशन तनुज चोपड़ा ने किया है।

रणबीर, साई पल्लवी और यश का चला जादू

रणबीर कपूर, साई पल्लवी और यश अभिनीत रामायण पार्ट-1 बॉक्स ऑफिस पर लगातार मजबूत प्रदर्शन कर रही है। 5 नवंबर को रिलीज हुई इस फिल्म ने दूसरे रविवार को करीब 75 करोड़ रुपए की कमाई की, जो बॉलीवुड फिल्मों के लिए दूसरे रविवार की सबसे बड़ी कमाई में शामिल हो गई है। फिल्म की कुल घरेलू नेट कमाई 760 करोड़ रुपए के पार पहुंचने की खबर है। फिल्म को शुरुआती दौर में दर्शकों की मिश्रित प्रतिक्रियाएं मिली थीं। समीक्षकों के एक वर्ग ने इसके भव्य दृश्यांकन, तकनीकी गुणवत्ता और बड़े पैमाने पर तैयार किए गए संसार की सराहना की, जबकि कहानी और चरित्रों की गहराई को लेकर सवाल उठे। पर देखते ही देखते फिल्मी कलाकारों के किरदार और कला का जादू चल ही गया। बड़ी स्टारकास्ट, भारतीय पौराणिक कथा और अत्याधुनिक तकनीक का मेल फिल्म की व्यावसायिक ताकत बना हुआ है।



स्टूडेंट ऑफ द ईयर:आफ्टर डार्क में शनाया को मिला क्षमता को परखने का मौका

अपनी डेब्यू वेब सीरीज स्टूडेंट ऑफ द ईयर : आफ्टर डार्क में अभिनेत्री शनाया कपूर ने करियर की शुरुआत में ही डबल रोल निभाने की गहन चुनौतियों पर खुलकर बात की है। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया के माध्यम से फिल्म निर्माता करण जौहर का विशेष रूप से धन्यवाद किया, जिन्होंने उन्हें इतनी प्रतिष्ठित फ्रेंचाइजी में दोहरी भूमिका निभाने का मौका दिया।

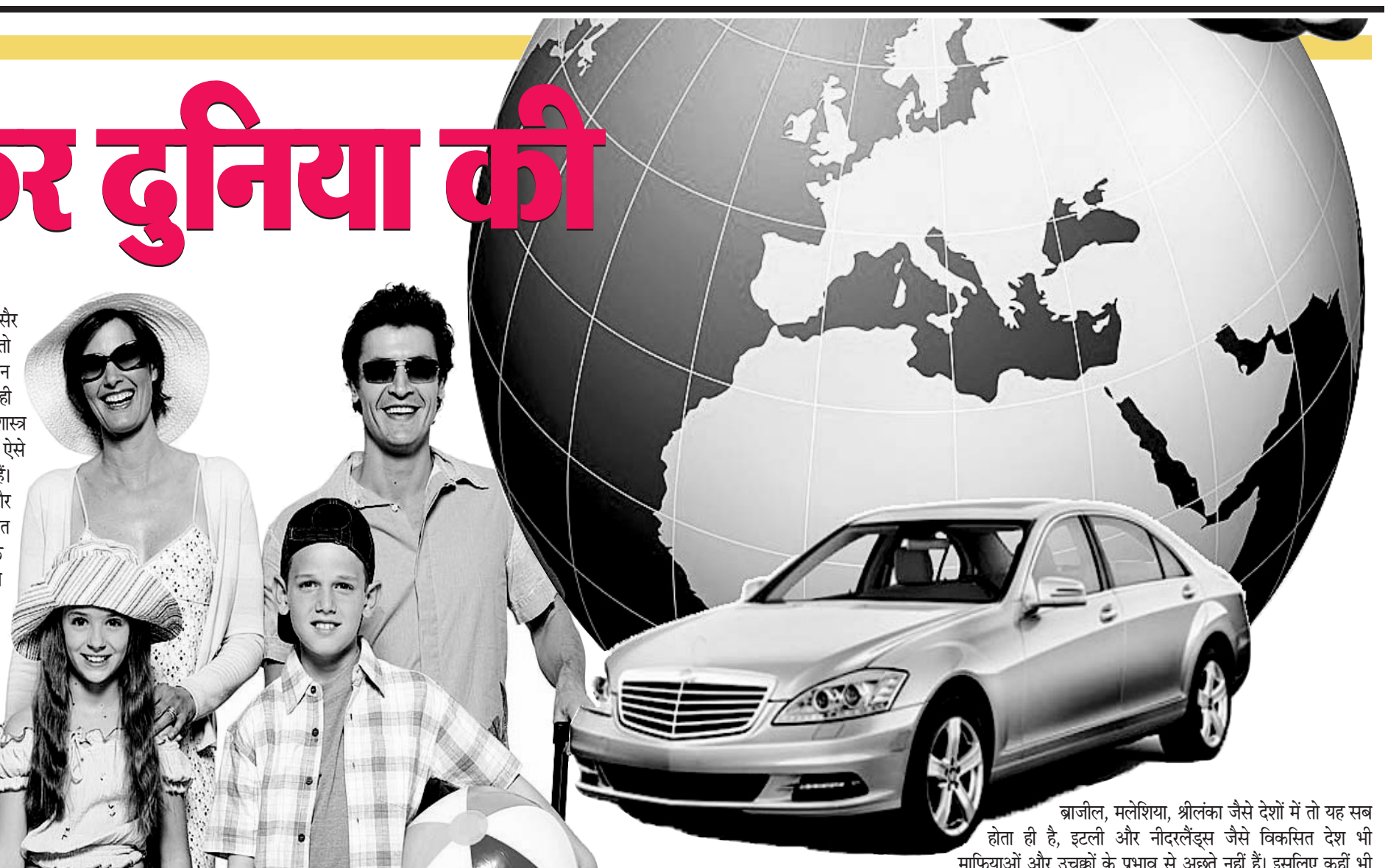
शनाया ने बताया कि इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट ने उन्हें अपनी अभिनय क्षमताओं को गहराई से परखने का अवसर प्रदान किया, हालांकि शूटिंग के दौरान उन्हें कई मुश्किल और अप्रत्याशित चुनौतियों का सामना भी करना पड़ा। शनाया का मानना है कि इस अवसर ने उन्हें एक अभिनेत्री के तौर पर अपनी बहुमुखी प्रतिभा को प्रदर्शित करने का महत्वपूर्ण मंच दिया। उन्होंने निर्देशक रीमा सेन का भी आभार व्यक्त किया, जिन्होंने उन्हें रचनात्मक सुझाव साझा करने और अपने किरदार को गढ़ने की पूरी स्वतंत्रता दी। शनाया ने उन मुश्किल एक्शन दृश्यों और पानी के भीतर फिल्माए गए सीन्स के बारे में भी बताया, जिन्हें करना उनकी सोच से कहीं ज्यादा चुनौतीपूर्ण था।

उन्होंने इन मुश्किल पलों में मार्गदर्शन और निरंतर सहयोग देने के लिए एक्शन टीम और अंडरवॉटर टीम का हार्दिक धन्यवाद किया। अभिनेत्री ने स्वीकार किया कि शूटिंग के दौरान कुछ दिन शारीरिक और मानसिक रूप से बेहद कठिन थे, लेकिन उनके आसपास मौजूद लोगों के अटूट भरोसे और समर्थन ने ही उन्हें इन चुनौतियों से पार पाने में मदद की। सेट से कुछ बिहाइंड-द-सीन्स तस्वीरें साझा करते हुए शनाया कपूर ने लिखा कि यह शो उनके लिए सब कुछ है, और यह पूरी शानदार, बेहतरीन और कमाल की टीम के बिना मुमकिन नहीं हो पाता। उन्होंने करण जौहर को धन्यवाद देते हुए कहा कि उन्हें इतनी खास फ्रेंचाइजी को आगे बढ़ाने का मौका मिला और करियर की शुरुआत में ही डबल रोल से अपनी रेंज दिखाने का अवसर मिला। शनाया ने विश्वास जताया कि वे उन्हें गौरवान्वित कर पाएंगी। उन्होंने एक्शन डायरेक्टर बंटी सर से लेकर सुकेश सर के नेतृत्व वाली टीम तक सभी का बहुत-बहुत धन्यवाद किया।

उन्होंने कहा, आप सभी ने मुझे उन सीमाओं से आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया, जहां तक पहुंचने के बारे में मैंने कभी सोचा भी नहीं था। कुछ दिन बहुत मुश्किल थे, और अगर आप लोगों को मुझ पर भरोसा न होता, तो मैं इनमें से कुछ भी नहीं कर पाती। सबसे चुनौतीपूर्ण अंडरवॉटर शॉट्स के दौरान आपने मेरा हाथ थामे रखा। धन्यवाद। उन्होंने पूरी क्रू टीम का भी धन्यवाद किया और बताया कि इस सीरीज की शूटिंग करना काफी चुनौतीपूर्ण था, और हर दिन, हर मिनट और हर सेकंड बहुत अहम था। उन्होंने स्वीकार किया कि सभी के बिना यह मुमकिन नहीं हो पाता। शनाया ने दर्शकों से शो देखने की अपील करते हुए लिखा, कृपया जियोहॉटस्टार पर हमारा शो 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर- आफ्टर डार्क' जरूर देखें। इसे आप लोगों के लिए बहुत मेहनत, खून-पसीना और आंसुओं (सचमुच!) के साथ बनाया गया है। आप सभी को बहुत प्यार।



सैर कर दुनिया की



सैर के इस रस को समझते हुए ही इस्माइल मेरठी ने कहा सैर कर दुनिया की गाफिल जिंदगानी फिर कहां जिंदगी गर कुछ रही तो नौजवानी फिर कहां और बाद में महापंडित बने राहुल सांकृत्यायन इससे ऐसे प्रभावित हुए कि घर-बार सब छोड़ कर दुनिया घूमने ही निकल पड़े। फिर घूमने पर लिखना शुरू किया तो पूरा घुमक्कड़ शास्त्र ही लिख डाला। क्यों घूमें, कब घूमें, कैसे घूमें, आदि-आदि ऐसे बहुतेरे सवालों के सटीक जवाब राहुल ने घूमते-घूमते ही दिए हैं। हालांकि तब से लेकर अब तक समय के साथ परिस्थितियां और परिवेश सभी बिलकुल बदल चुके हैं। पर्यटन की व्यवस्था प्रशिक्षित और कुशल हाथों में जा चुकी है। अब कहीं भी आने-जाने के लिए कोई खास मौसम नहीं रह गया है। कभी भी कहीं भी जाया जा सकता है। हर जगह ठहरने-खाने के लिए हर तरह की व्यवस्था है। आप खास तौर से पर्यटन के रोमांच पक्ष का मजा लेने के लिए ही निकलना चाहें तो अलग बात है, वरना कभी बहुत मुश्किल समझी जाने वाली जगहों के लिए भी अब आसानी से सवारियां उपलब्ध हो जाती हैं।

तो जाहिर है, कीमत कम या ज्यादा भले हो, पर सैर-सपाटा अब पहले की तरह मुश्किल बात नहीं रही। हमारी कुशलता इस बात में है कि समय के साथ मिली सुविधाओं का पूरा लाभ उठाएं। कम से कम जो कीमत हम दे रहे हैं, उसका अधिकतम रिटर्न तो हासिल कर ही लें। जरा सोचिए, पर्यटन का असली हासिल क्या हो सकता है, न्यूनतम या अधिकतम जो कुछ भी है, सैर-सपाटे का असली हासिल तो है पूर्वाग्रहों से मुक्ति। जैसा कि अमेरिकी व्यंग्यकार मार्क ट्वेन कहते हैं घूमना बहुत घातक है दुराग्रहों, कट्टरता और कूप मंडूकता के लिए।

जब निकलना हो सैर पर

इसलिए जब घूमने निकलना हो तो पूर्वाग्रहों से मुक्ति की तैयारी पहले कर लें। सबसे पहले तो यह जरूरत घुमक्कड़ी के संदर्भ में ही है। पर्यटन के कार्पोरेटीकरण के इस दौर में आम तौर पर होता यह है कि लोग अपने ढंग से अलग.अलग फ्लाइट और होटल बुकिंग करा कर घूमने के बजाय किसी एजेंसी का पैकेज ले लेते हैं। इन पैकेजों में घूमने के लिए शहर तो तय होते हैं, पर शहरों या उनके आसपास जगहें कौन-कौन सी दिखाई जाएंगी यह पहले से तय नहीं होता है। कई बार तय करके भी नहीं दिखाया जाता और कई बार ट्रैवल एजेंट किसी जगह की बहुत मशहूर चीजों को ही आपकी आइटेनरी में दर्ज कर देते हैं। इसलिए जब आप पैकेज फाइनल करने निकलें तो इन सब बातों का पूरा खयाल रखें।

किन शहरों में वे कौन-कौन सी दर्शनीय चीजें दिखाएंगे और वहां के लोकजीवन को देखने-समझने के लिए वह आपको कितना वक्त देंगेए यह सब पहले से तय कर लें। क्योंकि दूर देश में जो चीजें छूट जाएंगी, बाद में मालूम होने पर उन्हें न देख पाने की कसक उम्र भर बनी रहेगी और अगर आप उन्हें फिर देखना ही चाहें तो इसके लिए आपको दुबारा पूरा किराया-भाड़ा खर्च करना पड़ेगा। यह बात भी याद रखें कि सभी क्षेत्रों की तरह इस क्षेत्र में भी मोलभाव की पूरी गुंजाइश होती है। कम से कम धन में ज्यादा से ज्यादा फायदा पाने के लिए मोलभाव करने में संकोच बिलकुल न करें।

ऐसे करें तैयारी

देश या विदेश, जहां कहीं भी पर्यटन के लिए निकलना हो, कम खर्च में ज्यादा फायदा हासिल करने का अच्छा तरीका यह है कि तैयारियों की शुरुआत आप जानकारी जुटाने से करें। मसलन यह कि जहां कहीं भी आप जा रहे हैं, उसके आसपास और कौन.कौन सी जगहें हैं, क्या उन्हें इस यात्रा पैकेज में शामिल किया जा सकता है, जिन शहरों की यात्रा पर आप जा रहे हैं, वहां देखने के लिए कौन-कौन सी मशहूर जगहें हैं।

खास तौर से किसी भी बड़े शहर के भीतर की दर्शनीय जगहों को कई हिस्सों में बांटकर देखें। दुनिया के सभी बड़े शहरों में देखने के लिए आधुनिक दौर की कई चीजें होती हैं। इससे वहां के व्यापारिक और तकनीकी विकास का पता चलता है। घुमक्कड़ी का दूसरा पक्ष रिक्रिएशन है, जिसे मौज-मस्ती या रोमांच भी कह सकते हैं।

समुद्रतट और उनके आस पास की घुमक्कड़ी इसका सबसे अच्छा उदाहरण है। सागर तट पर टहलना जहां मौज.मस्ती का माध्यम है, वहीं वॉटर राफ्टिंग, स्नोकेर्लिंग या वॉटर स्कूटरिंग जैसी गतिविधियां रोमांच का। समुद्र तट पर बसे बडे, शहरों में ये दोनों चीजें एक साथ मिलती हैं। अधिकतर ट्रैवल एजेंसियों द्वारा कराया जाने वाला पर्यटन बस यहीं तक सीमित होता है। पर याद रखें, ऐसा कोई बड़ा शहर नहीं है जिसका समृद्ध अतीत न हो। यह भी कि प्राचीनकाल में स्थापत्य की सर्वोत्तम कृतियां धार्मिक विश्वासों-संस्थाओं की देन हैं। आज भी कई शहरों में मौजूद धार्मिक स्थलों का स्थापत्य सौंदर्य देखते ही बनता है। संग्रहालय अब विज्ञान से लेकर, प्रकृति, इतिहास और कला तक सभी विषयों के कई शहरों में है। इसलिए जब भी घूमने निकलें तो उस स्थान विशेष की सभी ऐतिहासिक-सांस्कृतिक धरोहरों के बारे में पहले से पूरी जानकारी कर उन्हें अपनी सूची में शामिल करना न भूलें।

रहे ध्यान इतना

जब आप पर्यटन के लिए निकलते हैं तो घूमना जितना महत्वपूर्ण है, व्यक्तिगत सुरक्षा व सेहत उससे कम अहम नहीं है। यह सच है कि अब हर मौसम में हर जगह घूमा जा सकता हैए पर मौसम के कुछ रंग या भौगोलिक हालात निजी तौर पर आपके लिए नुकसानदेह हो सकते हैं। इसलिए जब कहीं निकलना हो तो वहां की पारिस्थिति की के बारे में जान लें। यह सारी जानकारी आपको इंटरनेट से मिल सकती है। इसके अनुरूप अपने चिकित्सक की सलाह और जरूरी दवाइयां लेना कभी न भूलें। अगर आप देश के भीतर जा रहे हों तो वहां अपने पूर्व परिचितों और बाहर जा रहे हों तो भारतीय उच्चायोग के बारे में पूरी जानकारी जरूर कर लें। मुश्किल समय में यही आपके काम आते हैं। यह सही है कि बाहर जाते वक्त सभी जरूरी सामान आपके पास होने चाहिए, पर यह भी खयाल रखें कि यात्रा के दौरान सामान जितना ज्यादा होगाए झंझटें भी उतनी ही ज्यादा होंगी। इसलिए जो सामान ले जाने हैं पहले उनकी सूची बनाएं। फिर उन पर विचार करें। जो चीजें बहुत जरूरी हों, वही ले जाएं। अगर इन बातों का खयाल रखें तो सैर-सपाटा छुट्टियां बिताने और मौज-मस्ती का सबसे अच्छा जरिया साबित होगा। व्यक्तित्व विकास इसका बोनस तो है ही, भला उससे आपको वंचित कौन कर सकता है!

ध्यान दें इन बातों पर

वीजा की औपचारिकता

अगर आप विदेश यात्रा पर निकल रहे हैं तो जब यह निश्चित हो जाए कि आपको कहां-कहां जाना है, तुरंत वीजा के लिए कार्यवाही शुरू कर दें। मुख्य गंतव्य के बाद उसके आस पास के विकसित देशों के वीजा के लिए पहले आवेदन क्यों करें। क्योंकि कुछ देश इस प्रक्रिया में ज्यादा समय लगाते हैं, साथ ही उनकी कुछ शर्तें भी होती हैं। समय से पहले आवेदन करें तो यह काम आसान हो जाता है।

टीका लें

कुछ देशों की जलवायु के अनुरूप वहां खास किस्म की बीमारियों की आशंका बनी रहती है। बेहतर होगा कि उनके लिए पहले से ही टीकाकरण करवा कर चलें। मसलन पूरे पश्चिमी यूरोप में कहीं आने वाले पर्यटकों को हेपेटाइटिस ए और बीए ब्राजील आने वाले विदेशियों को येलो फीवर और मलेशिया जाने वालों को डेंगू फीवर का टीका लेकर आने की सलाह दी जाती है।

बच कर रहें

ध्यान रखें, आतंकवाद किसी एक देश या क्षेत्र की समस्या नहीं रह गया है। अब यह विश्वव्यापी है। इसके अलावा कई देशों में चोरी, झपटमारी व जेबकतरी जैसे अपराध खूब बढ़ रहे हैं। इंडोनेशिया, ब्राजील, मलेशिया, श्रीलंका जैसे देशों में तो यह सब होता ही है, इटली और नीदरलैंड्स जैसे विकसित देश भी माफियाओं और उचक्कों के प्रभाव से अछूते नहीं हैं। इसलिए कहीं भी हों, इनसे हमेशा सतर्क रहें। जो भी देखना हो दिन में घूम लें, अनजान जगह पर रात में बाहर निकलने से बचें।

अपनों से जुड़े रहें

आप जहां कहीं भी हों, वहां आपकी स्थिति और कुशलता की सूचना आपके परिजनों और शुभचिंतकों को निरंतर होनी चाहिए। इसके लिए बेहतर होगा कि आप उनसे लगातार जुडे रहें। संचार साधनों के इस युग में यह मुश्किल भी नहीं है। मोबाइल पर आईएसडी रोमिंग की जरूरत नहीं है। अधिकतर देशों में आपको शॉर्ट टर्म प्रीपेड सिम पासपोर्ट की जीरॉक्स कॉपी देकर मिल जाते हैं। इसका प्रयोग करें।

मर्यादाओं का सम्मान

जिस किसी भी देश में जाएं उसके कानून और शिष्टाचार का सम्मान करें। कुछ विश्वप्रसिद्ध शहरों के कुछ क्षेत्र प्रसिद्ध हैं। वहां बाहरी लोगों को जाने से मना किया जाता है। उनके बारे में किताबी जानकारी रखें। मौका मुआयना करने की कोशिश न करें। यह नुकसानदेह हो सकता है।

भय जंतुओं का

अगर आप कुछ खास जंतुओं से डरते हैं तो विदेश में ठहरने या घूमने के लिए स्थल चुनते हुए सावधानी बरतें। मसलन उष्णकटिबंधीय देशों में बड़े आकार की छिपकलियां खूब देखी जाती हैं। इसी तरह हिंदू संस्कृति से प्रभावित देशों में मंदिरों के आस पास बंदरों का होना आम बात है। मलेशिया के पेनांग शहर में चीनी समुदाय के एक मंदिर में तो सर्पों की बहुतायत है। अगर आप इन जंतुओं से डरते हैं तो उन्हें बाहर से ही देख कर आ जाएं। उन्हें नुकसान पहुंचाने की कोशिश न करें।

